(A) 16 22

नवम ज्याना

বিভাই ব্যবহা ও গুণ্ডিফুক্ত টাকা সহ গ্রোনানাদি উপময়নার সংখ্য अवर ट्रोक-टेड्रिट्ट्रक्टटामि मुख्यक् । শরমারাধ্য পুলালাদ অসুক্ত দারকানাথ বিদায়ে ৬ অনুক্ত মধুরানাথ জারগুজ B कृ कि महामार्था कांत्रा मार्मादिक।

জিগমুখনাথ ফুতিনতু ভটাচাধ্য কুৰ্তক

ব্যাইনগ্র, – গালগাড়া ' দিস্মু-সংকথ্যালা" প্রেসে জীশশিভ্রণ দে ষারা মুন্তিত। क्षिकां छ।। ८९१है, -दद्राह्मश्रद्, -भावनाष्ट्र, इङ्गाहि इहेटड क्षेक्रानिक।

新刊 3 200 大 1 利度 25番 1

FE (\$8412)

APP. 14's EX BIRE 1





विख्वात्रा

3.] 建成剂量法 医瞳孔17.57.5% 数据,如17.3、35.4.4%,[免]等-3.4.4.5%[四]。 3.4.3、3.4.3。 3.4.1.3、3.4.1.3、3.4.1.3 সেইশ্ৰিকটাৱক ও অনুণা-বিক্ষাক গ্ৰীধান হইচে উপন্য প্ৰাস্থ চাব্দীয় সাধ্যে বিস্তুত নাৰ্স্থ। ও তপ্ৰিক্ষত জীকা স্কৃতি নাগি, ষ্টালায়ে তাবা নোলে বিভাগিস পালোৱনীয় জানে, কন্তাপিক দান্ত। সূৰা । অভায়া। অভায়ে ভাগে প্রয়েৎসগ বাস্তবাগ ও দেব প্রতিস্থাদি থ্যাকরে।

मार्काकर करों। केशाउर भात्रमातामी, इसीयाजे सम्, मारुष, साम, साम स्थमा जरा मर्क्ष मना মতামত্নত্নিত ন্যতাদি, অনুদাও কীলক তথা, বুহুৎ ও স্কেশকনত, স্টাক-দেশস্থাক ও ক্ষিত্ৰ-ইতে নুশাকুমাধী সরল অক্সাদ সহ (মুল্ডেটা) বিভন্ন এবে? তুল্ট কাগ্যকে পুরিস আকারের ৩৬৪ পূর্যর मा। कि এবং জীম্সোপান চুক্ৰতী কুক 'ডুবুপুকাশিক'' নায় বিকৃত জীক। ৫ ঐ চিক: ন্যুত প্ৰকাশক কুতন অকতে মুপ্তিত হইগাছে। মূল্য দেও বারে। জানা।

কিউমি সংক্রণ "সভানাধাপণ" হলা, ৮০ গুই আনা। ইংগ্ডে রেন্থেরীয় "মুসা" এবং হৈছিল একার শহতে হৈছে অনুবাদ ও পুজাদি এবার বিজ্ঞ ও বিজ্ঞ ভাষায় লোব। ইইয়াছে। স্বাজ্ঞ বিজ্ঞ বিষ্টা শুবিজ মাকাতে ছালা হ্টতিহছে। হয়। ৮০ কাম।। (বাবছ) ও ক্ষরণে বহু ওক্ষণি বাছ

क्षिकिद्वक्त्रा ।

লিখিতে সম্ভ নছেন এবং স্থতির নাবছা লইয়াই অধ্যাপকেয়া এখনও ভূম্ল বাদাস্বাদ করেন; স্থতি-শালে ব্যুৎণীয় অধ্য কর্মীনিধানে প্রোটিত ভিনা কর্মকাণ্ড উপদেশ করিবার অন্ত ক্রিকারী নাই। সামাজিকগণ্ড ঐ সকল ভাবা পুত ৫২ চাকচিক্যে মুদ্ধ ছইয়া উহাকে শালের ভায় বিশাস করা কতন্ত্র সম্ভ বিবেচনা করিবেন; জাধিক লেখা বাছলা; 'পঞ্জিনুসক্ষমাকা' কিবণদক্ষেণে বিভৱভাবে আকাশ অস সমাপুত ইতয়ায় বা সে কারণেই ইউক শশুভি ইছার চুই একগানি অস্থানিপ (নকল) পুত্তক প্রকাশিত ফ্টরাছে, ডক্ষশ্নে সংগ্রেষ্টর বছল-প্রচার বাসন। পূণ হইবার আবাশায় আনমি প্রথমতঃ আবানদিত হইয়। পরে বিমধিও হইয়াছি; কারণ শী স্তকে ক যানে মানে অষ্টান প্ৰণ্নী ও ব্যৱস্থাদির অনুষ্যাস আন্তৰ স্মাজেক স্মাজে বিশেষ ধ্ৰুক্ষানির শুভুৱাং (व्यवद्यास्त) বিনা ভরুপদেশে শাহেরর ভাৎপর্যায়ুভব করিয়া ভাষাগুরে প্রকাশ করিছে গণ্ডয়া দুক্তত পাপ কাৰ্য্য মনে করিবেন; অদ্যাপিত মাতি ভিন্ন প্ৰায়শ্ভিষাদির ব্যবস্থাদি অন্ত প্তিতে কারণ ছট্যাছে, একজ অচ্চ্রণবিষ মচেণ্যগণ সমীণে বজবা এট 'ধৰ্মছান্ত আধ্জাতীর জীবন'

জীমসাধনাথ স্থাতিরত্ন ভটোচার্য।

क्षिकांका, - (लाहे बहाइमग्रह, मांगणाइ। - प्रकृष्णादी

मृहीर्ग्य ।

विषय ।			中国一部	भवाकः। विषयः।		•	100
by Pretty	:	;	£	िल्मश्रेष	i	;	2
क्षांश	:	:	R	मर्गित्यक्षी-६क्ट्रिश्म	:	•	7
·····································	;	\$	*	मात्री देखें	<u>:</u> .	:	*
मी बर्ग मान	::	;	\$	Jayyla &		::	0
ANDRE O PERSON MINESTE.	SON MANUAL AND SERVICE AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON AND ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF THE PERSON ADDRESS OF		24	গুৰারন্ত	:	:	2
Telephone Alexandra	;	3	2.2	म् क्रीत्म मात्रणवात्रम्	: =	:	. 4
THE PARTY STANFORD	***	:	· A	TASK STABILLY	**	:	ر م م
一年一日本日本の日の日本日本日本	digate.	;	25	अहि।सम्भित्रायकामि १०.	į	;	\$
100	:	:	82.204	क्रमेंदम-वादकामि	•	•	· C. L. J. J.

# 1 P	1, C	***	***		٠٠٠	A	A	\$85 ···	3
विवस्त्र ।	नवदाष्ट्रकाचिक	मनविधीरकाव	गायकी-मार्लाकात	e.	# 114 61 ACE 12	लक्ष्मीरखाज	मधुष्मम- त्खांक	मत्राण की क्रुडशकाष्ट्रक	
नदाक । विनम्र	A	Â	B	R	R	2	'n	*	
	नकाश्वल के मीयहत कावनाति	•	•	क्षान्त्रम ७ क्षांक्षम यायम्।	:	į	4. 5	•	
•	4	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	fament-ayantle	144	:	डिनवसमामि-यायका	क्कि-रेक्तवरकान	:	

मिश्किया भागा।

नव्य कार्य ।

1. 1986年 高田 188

জামাতা বধুকে মুদ্ধ বামে সইয়া এবং কুশ-পূজ্প সমন্তিত জ্ঞুল পাত্ৰ দক্ষিৰে শিল্লা, 'ও অংগ গংশিথ নামাসি' (ইত্যাদি ক্ৰমে) পুনশ্চ অগ্নির নাম করণ ও THE COLUMN TO THE STATE OF THE

• গুৰ্ণে, বিবাহ দিবন হইডে বিলয়ত জুডীত হইলে চতুৰ দিনে চতুৰী, চোল কয়। ইইড, সুত্রাং দিনভিত্র কৰা কিন্তানিৰ হুইলে, উদীচ্যকৈ পূৰ্ণ কৰা শেষ ক্ষিলা, পুনং ক্ৰীলভে পুৰক্ বহি স্থাপনীদির জুলজংমঞ্জিল। একংগ এক দিনে স্বৰ্জ ইণ্ডগুল আকেচক ক্ৰীলভে কেন্সুভে পুৰিব নাম ক্ৰীণিৰ बारश्रोक्न न्यन् नर्कक्ष्यत्नार्ष् अकृष्ण डिम्रोडा कृष्ण कृषा रुष् জাবাহুনাদি করিয়া, সমিধ প্রকেপ গুর্কক মহাব্যাকতি (৮ম ১২ গুটা দেখ) भारत कारणाने केतियत, यज पता,— स्थानितिक मिन्द्रीक्षत्रामारदाहितियद्धा ठक्क्षीरहारम् निसित्यातः । ्र

व्योगिष्टत्त कर त्मवानार शायिष्टवित्रति वाक्षश्रक्षा नाथकाम उल्लेखावामि याच्याः शाली-

इडोडिंडि क्रिक्स सर कार डोर डोक आंशिडिंड भार (स्केबनार्र क्रिक्ट) असे ब्रानिड इस-

के करत कोशन्तित क कर हे मिन । यह अध्यापन क्षा है हिन्दि के किन विविध्य कर । काम कामाना मानि भागर सामि ज्यान यका व्यक्त कर कार का कर का कर कर का मार का कर का मार কমিঃ নাপুনাধ্যাফোণভালেপাধ্যাশীঃপিতি পঠাতে তাম্বেষাফোং দশ্যুতি অব্যাঃ কন্তামাঃ পাপী লক্ষীঃ দৈৰত।। হে কগে প্ৰায়দ্ভিতে দোষুা্ডু নি্কুতিবিশ্বানে ক্ৰুদেবাুন্যমিস্থাদীনাং প্ৰায়দ্ভিতিঃ নিক্চতিদোৰ-ষভভস্পজিনী শোভা তাং অপ্লচি অপ্চর ্্টুকুমিশ্প্সাধিতারামজাঃ ভইত্ব শোভা স্বব্জিইছে।

THE STATE OF THE PARTY AND THE PARTY AND THE PARTY OF THE এতেইবৰ উত্তর্গ চ্যায়ি ব্যাখ্যাতাবি । ১ % বৃষ্ণা প্রায়ুম্ভিত্নে আ ইত্যায়ি। শাক্সাকি লগতে বিজ্ঞান প্রায়ুম্ভ শাক্সাকি লগতে বিজ্ঞান প্রায়ুম্ভ শাক্ষাকি বিজ্ঞান প্রায়ুম্ভ শাক্ষাকি বিজ্ঞান প্রায়ুম্ভ কর্মানিক ভ্রমান প্রায়ুম্ভ কর্মানিক বিজ্ঞান প্রায়ুম্ভ কর্মানিক বিজ্ঞানিক বিজ্ঞান প্রায়ুম্ভ কর্মানিক বিজ্ঞানিক ব नकी कामका जनकहि याहा । ० ४ विकास मिल्लिय जामाद्याताटका काम किया किया अधि-तामकामाणकटन्त्री क्षेत्रका कियिद्वित्य प्रिमिट्डिकिक ष्मश्रम् विश्वा । ७ । क्षाम्मितिकासि-त्राम्यामानः स्ट्रा प्रवा प्रवा प्रवा प्रयामार आश्री-किन्तिम जान्नकाथा निर्काम कर्णमानीय पान्नी: पर्ण्या किन्तिमन्त्रा रिक न्येक निमार नुमित क्रियोमित कर कर्मिन नुमार क्ष्मित नुमार मार्थिक कर क्षिति ट्राट्य विविध्योगः। ७ वाट्यो क्षेत्रिकि कर ट्रविकार कार्याकि क्षित्रिक क्षेत्रिका ALABATA CANTALLE APART LICENSES AT A STATE OF A STATE O

हम् भूषाः श्रीमिक्छत्मा कृषः त्मवीनाः स्थाप्तमिक्छः युवामात्भा त्या नावकाण स्थिपावाचि मीना निमिक्त पणका ध्रमणका निक त्यात्रक देकामिना वर। न पणका पंक्षप्रक्रिमी न करकोड़ में 188 লোগঃ। ওঁকুৰ্গ প্ৰায়শিততে অং দেবালাং শোয়শিচতিরশি আকাৰ্যা নাৰকাম উপধা-मीमवाश्वास देशाः व्यासन्धिकटता द्वार त्यवन्तिः क्रेजानि । वृत्यक्ष्णकार्धिकार्याम्यः वर्षाक्ष्रीक्ष्णिनिका मार्गिकां अमुग्रिकां क्षेत्र की की की की मामरिक में किया की की की जा की मान्त्री की में की मान की की की की की वरिमायत विरम्द्रिः । व्यक्तः श्रीतम नीव्हत्वक्षित्रक्षि अर्थः ह। यक्षेत्र अस्यो स्टब विकृषक्षेत्रि क्षित्रः। বামি যাজাঃ অংশাব্যা ততুতামতা অপজাহি আহা। ৪ । অকাশতিশীৰ রাম্জা-বাজা: পাপীলক্ষী-ধা-পডিয়ী বা অগ্রাম বা অ-পশ্বাম ত্রুভামজা অপ্যত বাহা। वासरम् शकरकमानी मज्ञीक्रिकि नकः करवर । अवन्ति नक्ष्यं मध्येत् हेकि मज्ञान्ताम् निकः । विकोत्त धाकाशिक अवि-वामन्त्रमारवाश्यिक बका क्ष्रमारवारम विनिष्माशः। क ष्राम । र्गाया-व्यक्तिया हा क्यानिक छत्या त्म्याना हरू है।

ভূ পতিয়ী সাদপ্তোতি তৃতীয়কে। চকুৰে ৰণশংব্যতি ইদ্যাহতিবিংশকং । ইতি ছাশোগণারশিই-লাগ্রতিভির্শি তালগ্র্যা নাথকাম উপধাবামি যাস্যাঃ পতিয়া তত্ত্তামন্তা অপজ্যি जूका त्मवाकक्षीत्राच विवित्यामा । जै व्यक्तिम् म्यकाः कात्रिक्षाः क्षात्रिक्ष्या क्ष कांत्र खेनशायाति यांकाः निडिशी जनकामका जनकहि यादा। १ । व्यक्तांनिङ अवि मायान्नानम्बद्धा तनवना ठड्नीत्रात्म विक्रियानः। क ठक्क श्रामित्क पर तम्बामार वारा । । अवान्तिकिति मामकामानः भ्रवा त्यवा ठड्वीत्रात्म विनिधामः। के ज्या सामितिक पर प्रयोगार सामितिकान जाकांचा माथकाम डिन्धांमी माथा: निट्ट घर क्यांनार आस्टिडिंग्न बाक्रवचा नावकाम উপধাবামি बाकार अधिकी তমুন্তামজা অপজয়ি হাহা। ৩ । প্রজাপতিপ্রি-রামন্ত্র-মাধে। বার্দেশ্ডা চতুশী-रश्रम निमित्रात्रा । के वारता कात्रिक्टिक कर प्रवामार कार्याकिटिइति बाक्सवद्या मिन-भाउनी उम्हामनी। क्ष्मकृष्टि याहा । ४ । क्षम्भाउनि मामक्ष्मिण्ड व्यापार्था मामिनीयुष्ट

क्रमां ९ भगामामी यज्ञाः विस्मिष्टिकः द्यामाम्बोत्न ॥ ५--२० ॥ हेटि विमार्थः॥

দেবানাং থায়কিতয়ঃ স্থ আন্মণো বো নাথকাম উপধাবাসি বাস্যাঃ পতিয়ী ভন্নজামস্যা

उन्दा कामिक्ट कर समामार काम्निक्ति वामान्य वामान्य काम्निम् वश्वता क्ष्मीत्रका वनकृषि याक्षीय १०० । क्षमीणिकश्वि आमत्रोग्रीया योष्ट्रिक्षक লপাহত বাহা। ১০ । প্রজাপতিশ্বি-রাম্ত্রামাণোহ্যিদেবতা চতুশীহোমে বিনিয়োগ। उक्कीरकारम विमित्ताकाः १ ं के वाल्यां व्यावनिक्षः वर्षः तम्यात्रार्भः कार्याक्षिति विमित्ति वामित् नीक्कांग उपरायामिकाको कर्नको क्षेत्रकायका क्ष्यक्षि श्राची अभिष्टि শবিধাসন্তাসাণ ভলে। দেবত। চত্তীহোমে বিনিয়োগঃ। ওঁচল প্রায়ভিতে ধং দেবাধাং वीतिकिधिति वामान्य नावकाम छेशवादामि मामा षश्वा छात्रा छात्राम्या भनका বাহা। ্ডভিং প্রকাশতিশ্যিরামন্ত্রামাণঃ স্থাধ্য পেবত। চতুণী হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ তুৰ্ব আধিনিচতে হং দেবানাং আয়নিত্তিরসি বাকাণতা নাথকাম উপধাবামি থাকা অপুরা। তমুস্তামস্যা অপ্রচাহ যাহ। ১৪ । এজাপতিথনিরামন্তামাধা-আয়িবাযুচক সুৰ্গা দেবভাশচজুৰীহোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ অ্যাবায়্চক সুৰ্ধাঃ প্ৰায় শিচজমে। দেবানাং প্রায়ক্তিয়ং ধ্রাকানে। বো নাথকাম উপধাবামি বাক্তা অপুত্রা উদুদ্ধান্ত্র অপাহত কাছা। ১৫ । প্রকাপতিশ্বি-রাম্ন্তামাণোংগিদেবত। চতুণীহোমে বিনি-त्यागः। आर्थं आग्रन्तित्व घर त्मयांनार आग्रन्तितित्रांत्र जाम्मतन्त्रा नाथकाम উপধাবাদি

নাস্তা জা-পশ্না ভনুভামস্তা জপজ্হি যাহা। ১৬। এজাপ্তিশ্বিকায়ুৰ্দেবত। চङ्गीरशास विनित्यानः। वै नात्या थात्रक्तिष्ठ कर प्रनामार आग्रकिष्ठति जान्नश्या मायकाम द्वापाताम बाजा च-नवमा क्यूकामका जनकृष्टि याहा। ३५ । काकानिक-स्ति-तामजीयानकत्सा त्मवजा छङ्गीत्शत्म विनित्यानः। के ध्या लीम्बिट्ड पर प्रवाणी जाग्रक्ति जास्त्रवा नायकार उन्तर्भाष्ट्र व्यनेकिश् कार्याः १०४ । अकार्यन्तिक्यतिः बाधकार्यागः व्यन्ताः सम्बन्धः इष्ट्रीतस्य विनिद्धांगः १ के क्षा क्षांक्रीकरंक घर तियोगोर बाह्यक्षित्रक आक्षांक्षां क्षकाणाजिक्षीन-त्रामद्रामाना-क्षित्रत्तु-हस्त्रद्रम्। तन्त्रजाकङ्कीत्रात्वं निर्देशभाष्टाः 🕉 নাথকায় উপধাৰামি বাজা অ-ক্ৰান্ডা উমুধিমিজা অপকাহি আহা । ১৯ ।

जिवाशुरुक्षपूर्याः क्षांश्रन्तिहत्त्रा म्थ्रं तम्बानाः क्षांश्रन्भः बाष्त्रः। त्या नाषकाश्र উপধাৰামি যাঞা অ-পশব্যা তনুভামজা অপহত কাহা। ২০।

এবং কামাজা বধুর মন্তকে কোশা হইতে (একমাম ছত মিলিড) क्रम मिरिन । শুরে, खरभरत, यथ महिन्छ भींड छैथान श्रमंक छैछात्र षात्रित छेखत मिरक मेधाग्रमान संस्टबन তৎপরে, প্রাদেশপ্রমাণ গ্রত্যুক্ত সমিধ অগ্নিতে প্রকেশ পুর্কক শহাব্যাস্থতি হোস व्याताल वणकः कामांका वर्त्र मित्रहरू निम्नुन जिलक मित्रा, प्यवश्चेन स्प्रक्रमार्द्या किटन। कतिता, खनीत कर्ष (भ्य ७० श्रुधा) ममाण्य कत्रनामध्य वत्रक्छाटक गृहर नहमा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा

.

हि दिनाशक हिमामि कर्ष न्यांश्यम्।

falt/file++

শতু সানের পর (রজো দশন দিবস হছতে বোড়শ রাক্তি কাণ মুধ্যে) ভাবা। গমন বিহিত প্রসন্ত দিবসে সারং সঙ্গ্য অতীত কালে শুভ লগে দিব্যগভ মাল্যাখরধারী

স্তবেশ পতি প্ৰতিভিয়ংশ ঘট স্মীলে ব্যুক্তে বামে মুট্লা, উপৰিষ্ট ছইবেন। ডংপরে ঘটে গুণেশাদ্ভিকে গ্ৰ-পুন্গাদি শারা, পুজা ক্রিয়া, যধীর ও মাক্ডেমের খান (এথস

श्रद्धावानर

म् स्टांडा डाह्म

PER CRAPE OF ME

रमग्रक अपी किर्यंत, ग्रेस नेशा-"के क्याजा निम्माडा निम्माडा किकी (क्षेडी) क्यिरमानित्रामानिका नवशुटकारमार (तिष ग्रहानाकी कि विदेश मुक्ति कर विविधित । े के मोमा विविधित कि जनन

ভাষতে বিফ্ৰডেজনে, জগংগবিজে গুচনে স্বিজে ক্ষান্তিন হল্পন্তি বিজ্ঞান আৰু বিজ্ঞান বিজ্ঞান আৰু বিজ্ঞান বি গুলুল বিংক জন্মত বিংক্তি প্রতিং নহয়। বালি কাজ ক্যাণি বিষ্ণু আৰু নাম্ভা বিধান ক্ষান্ত্রী। পিব বাজি ক্ষাণ্ডির অক্ষান্ত্রী ক্ষান্ত্রী ক্ষান্ত্ন

বীজেন গুৱে ভব্তি ভাবলাত্ত্যের জাসিকাত জিক্তে পুর্তিতার। কিন্ত ধাতা জাদিতা। তে তর

ওঁ গ্ৰাড়া গ্ৰিটীয়ালি গুৰ্জ্য পেহি ন্যমন্তিয়া পৰ্জাতে অপিনৌ দেবদ কাৰতাং গ্ৰছৰা মাল্যা। তকার রয়ধ্রাছণঃ বিনাবানা সর্জ্যাধ্নো দেবত। গর্ভাগানে বিভিয়োগঃ। अदिक्षी हो कि के कि कि अदिक स्टब्स स्टब्स क्षेत्र में किया महिलान क्षेत्र का स्टब्स महिलान स्टब्स महिलान শুলী পুৰ্বাজ প্ৰতিয়ে ক বিশ্বীৰ নম্মান কৰা কৰি ন্তুপুৰোধপতিকে ভৱৰ কৰি কৰ্

कमार्गि अस्तिकात्राक्ष्मातिको ६ के मीक्ष्मात्रकः अस्तिः भूतिः कामा स्वारुकः में अध्यापत

কোন ব্যব্য, নারী বা, কোন বালক খারা মন্ত্রোধিত পঞ্চাব্য বধ্যে পান করাইয়া দিখেন একজ এক চন্দ্র মহানেজ্য । নাম (৮০ ৮.০ ১৮ ১৪) (৮০.) জ্যাত্রর। ally seems of the property of the seems of the seems of the seems of the গৰ্জী পুৰাৰ দিয়তু ধালয়তু। ১। উ প্ৰথিতাদি। দিনীবালাদিয়ে দেবতা: পুৰ্বা আন্নৰজ্ঞা দিনীবালী সা আৰ্থিতে। কে ভগবতি সিনীবালি আজাং বৰ্গাং গ্ৰুং বেছি বায়ৰ ব্যুত্যসূদ্র। एर मन्नमिक भक्तः त्यत्ति। किक त्र वृष् त्व छवात्रित्ती तगरने लक्यांभवाः कृत्रकार किल्लाको भक्त्रमानी शक्ष्मा मिरनो ॥ २ हे डिगर्डामानः ।

1

कतिहत्। भारत, श्रुश्चाका स्टायमा वर्ष चात्रित अभिकृष्य व्यक्षित व्यक्ति नमीटन त्रामित्रा, क्षांड् मुची रहेग्रा, शठित मन्तिश्यात्र जिनात्त्रमा कतित्व। उरशत्त, शिंड ष्यमञ्जक ममिष শোণ্ডকিয়া সমাধা পূৰ্মক পতি (অভাবে অন্য ব্যক্তি) রিদ্ধ আদাধি করিয়া, 'চঞা' দামক আয়িছাণনানতর বিরুপাক জণাত কুনাতিক। (৮ম ডালে দেখ) সমাণন THE REPORT OF THE PROPERTY OF कारक न्यंक वास नमस महावाकि हाम (७म जान ७२ गृहा तम्,) क्रियाना

क्षेत्र कृता देशेत ध्रत्र, मार्थ मार्थ क्रिक वर्ष तम द्रम दर्वात मास्त्र क्षा स्टेस, क्षामार्थ क्षेत्र सेन क्रम्मनिक क्रमीक्रीक क्रमिक मास्क्रिन क्रमिक मास्क्रिन क्रिया कृत्याता त्योंन पूर्वक क्रिक थात्र मास्क्रित माने काटना वह ताम जा मिरक सुन किया, मात किया मानामि मृतिया। माकवाता आटक मारक मित्रा, माककि मोरक कम **उरमारण एक्यम गड भाउँ कड़ा बाबरांत थांका**त हाहाह (लंबा इहेल ।

ণ্ডের, প্তি উপ্বিদ্ধা সপুৰ শশ্ভাবতাহিল যাইল,, দশিশ্চতা ছালা যধুল জিলিল-খ্ৰু শ্ৰণীৰতীয় ব্যৱধান নহিত নাভিদেশ শ্ৰুক্ত মত্ত্ৰ প্ৰিক মত্ৰ পড়িয়ে, যুধা,----'প্ৰকা-पिक्रम् वित्रमुष्टे ण कटमा मिष्यानक्रमां मार्गि वाग्रत्या एमवङ्गाः शुरमवटम विनिध्धां गः। 🕉 তৎপত্র, বটশুল কর উদ্দেশে সাতি মার পাঠ কবিবে। সাতি মান্তের শ্ব क्रमानि अक वाकात, छेंग व्यक्तिया शुथक् भूथक् भाठे कतित्व, वया,--- क्रकाभिक्तिः क्षांकाम क्या करा केटनाजनिक्तिक जिल्लानम्मयाशाहाहाः उजनामम्बद्धाः यथा भूमारतो मिन्नावकरनो আনিভাপ্ততিভগোল কণা চপুনাবোলবিশ্বনী দেববৈলো বৰাচ পুনানৱিশ্বং চ পুনান বায়ঃ তথা জবো-जूमारटमी मिखावकारनी जुमारमार्वाचनादुरङ्गी शुमानमिक याङ्गण्ड शुमान शुस्तुबन कथ शुभवनाः ॥ के शूमाः माविज्ञाणि - मित्रावक्रभाणि एण्यका शूरमवरत विनिष्धकाः । मार्शकाणा-ं द्यामदत्र - ५ क

स्वाति । जे दश्ति मध्यत् स्वाति । जे दश्तुम्तिव्याता के दश्ति प्रमाम प्रमाण । के दश्ति दिर्धातमा শ্ষেত্র গ্রহ প্রান্থিতি। ১ ও ও মল্সি সৌমীভাপি। ও মল্সি সাক্রীভাপি। ও ধ্লাসি ব্যভা

कीनामि (७) के यमानि विदश्रका। मिरवरका। निरश्रका। मिरवछाया त्रारक भनि-দেবেক্টা ইত্যাদি। সঞ্চত্ত্ 🖰 ক্রোধতকাক্রংং বিনিযুক্তানি সোনাদ্ধেঃ দেবতাঃ। নিগদিতাভোচানিং। মঞ্জিদিং এম্মিট্দব্তং ছেদ্যনে সিনিযুক্তা। তে ভ্ৰথয়ে মুখ্য কুম্ননা প্ৰসন্নতভাগে ভ্ৰয় জ্বাজ্য কীত্ৰাসং জা রাজে পরিক্রীণামি (২) উ যদাধি বহুভোগ বস্তাজ্য রাজে পরিক্রীণামি (৩) वै यमामि केटिक्ट का कटक छ। तारक भतिकी नामि (8) के समामि ष्यामिट छाना তে অংশোগভংক বং বুদি নেমি নোমদেৰভাকা কলা লোমায় রাজে ত্ৰধীনাং রাজে চন্দ্রমনে সোমায় গাঞাঃ দুক্ষুণ্ড পরিকীগামি বিনিমতেল গুক্ষামি। নৌমীতি দোমজ দেবতেভানেল দোমায় রাজে नधार्थ रहता छन्नगी कि उक्ती। या दाः शहिकी नामि उथा यमापि दाक्षी का किया। कि अध्यक्ष के के सामि है बंहानि योगी त्रांश का द्वाटक अतिकीपाधि (५) के रमाति बाक्रबी बक्रपाझ भामिट्डान्या नारक भनिकौगामि (८) ७ यमामि गक्रस्ता मकस्राष्टा नारक भन्नि-कोनात्र (१)। १।

ं भटत, बहेखज ष्याहतत उटमत्य मञ्ज भड़ित्य, यथा,--शकाभिक्षिति-त्तांत्रध्या तमबङ।

नगुर्धां महम्मार्थे महम्मारमा विभित्या भाः । के अन्यमः सम्मारमा कृषा रुखा हे स्थाः अपित अपित क्षेत्र मिन

उरुश्तं, त्कांन क्याती या शब्दा जीत्माक किया त्कान भरवाचन भूत्रिक 本権 本部列 あしるしる

मस्त्रे विश्वर कर्यामस्त्रात्रेत्रकाट्य विभिन्ने का । अध्योष्ट्रमा (स्वस्तः । अध्योष्ट्रिया स्वाप्ति प्रया स्व ছে ক্ষুক্ত ক্ষাক্তি। হয়। পুমালিলে যথ। পুমান্ জেনে। ইছ্পাতিও ক্থা কক্ষপত্তিক্ষিত ব্যুম্ বটত দায়াং বীৰ্যা, সায়ৰ্ম সম্ভৱ কাৰ্যত হত ইদং কৰা প্ৰস্বললক দং ক্ৰিব্যতি। ৩। 🄞 পুমামিতি রাখিয়া, নীহার জল সংযোগ প্রক উদীক্ত গেষণী ছারা উহাপেষণ করিবে। শবে, শলি बाह्य कार क्रमायहिक वत्त्वम नहेंगा, व्यक्ति छेढन फार्रा क्षमानिक नीनात छेनुत পশিচমে বধুর পশ্চাৎভাগে অব্যক্ষিত পাতি নেই পোমিত বটগুজশ বস্ত্রধতে লইয়া, উহার রস मिल्य करन्छत ष्यमादिका ७ ष्यक्षेत्र षाता वध्त मिल्य नामात्रस्त धानाम कतिरच,

智能,我们一一组的12年代是美国公园交列,阿尔特·阿拉斯斯勒勒的历史。在最近的一种行场,通行的通知的14年的 विज्ञित्तमा । अंत्रिक्तमा । अंत्रिक्तमा अस्ति । अस्ति । अस्ति । अस्ति । अस्ति । अस्ति । 大學教 图《处理日本日本日本日本日 8 一

THE PARKS STATE STORY STREETS STATE THEY, MITTER THE STREETS STATES STREETS STATES STREETS करिंद्र धनर छेनी छात्रमक दश्यामि ७ मा विमान क करिंद्र मक्सारक तमारमाम महस्क प्रताम मीन कम (मिकाम्जार) माडीकम क काराम माडा मिकर मोना माध्य कताकेटन। कर मिन करेटन श्राह्म मानीकीत ट्रियंगाटिकामक मध्याचित्रन त्र व्याप्त क प्रमानिक मान गतिकाल क्षित्र हिमितिक के मन्त्र मनाति मा क्षा कृष्टि नक्ष क्षांत्र कृषि क्षम मक्षांत्र कि मक्ष् उरशास, महाद्यास्त्रिक व्याम कतिया, ब्यापमम्ब्रमान निम्म ष्यिष्टिक कार्यमन अन्धा में अख्य (ज्यक्ष कार्त कार्तालाम् मान विधिः क्रम) । श्रीका विक्रम में क्षम निर्मा निर्मात किया किया क्षम क्षम क्षम मान्या किया क्षम क्षम क्षम क्षम क्षम क्षम क्षम A CO MY TANK IN THE WAY

गीयटकात्रप्रमः ।

णि काडि का का नामि निका कार्य मगाथा श्रुवक हा कि सामापि करिया, "प्रक्रम" त्र छ मिष् बाटक भ भूतक महायात्रिक हाम क्रिया । भटत, भछि यभुत अभ्राप्तात भूता-ভিমুখে অবহান প্ৰক এক বৃত্ত হিত পট স্নাদিতে এথিত পক উত্ৰয় (ব্ৰুড্ৰার) নামক অগ্নি ফ্লেপনানন্তর সাধারণ কুশতিক। (৮ম ভাগে দেখ) স্মাপন ক্রিবে। প্রে, সুষাত, মুমঙ্গলবেশা বগুকে বীয় দক্ষিণে জগি সমীপে উপবেশন করাইলা, প্রাক্তক ক্রা-कलपन गरेता,—शकानिज्यम्बित्रमुष्टे नृष्टमः जी-मिन्छ। উত্यन कनम्पनि न्यात निनि-त्मागः। ७ षमम्जनावाज्ञ त्रक देखनीय क्लिमीख्य। भ्रेष (भूष) वनम्पाङ युद्धा भूष। मध्य मोगरकामध्यः। 🕹 मग्रमिकामि । श्रीरम्बकाः উल्वयकमन्युनमवक्षत्म विनिध्योतः। इरम्मिर्षष्टे म्। ছে কল্যাণি অয়ং বৃক্ উত্ধ্যাণা উক্ষাণান্ প্রভূতকলঃ। তথা প্রশস্তহরোরক্ষাণ্ডঃ তংশকাশ্পণি শ উন্ধীৰ উতুদ্রীৰ কলিনী প্রিনী ভৰ কিল হে বনলাতে উতুদৰ অসাং প্রভাগং বিধাং মুগা রবিঃ

हरमा वासुरक्तका वर्काभक्षीकिः नीमरक्षांमारन विनित्मांभाः। के कृषः।" बहै माज ত্তায় কেশ পালেশ ফাপুন করিবে। পুনশত দভ পিজনীতায় লইয়া,---প্রজাপতিশ্ব বিকৃষ্ণিক্ পুদেরর স্থায় সীমন্ত উন্নয়ন করিবে এবং উহা কেশ পাশেশ স্থাপন করিভে হইবে। পুন-চফুয়জাংরিয় । ১৮ এই মতে ঐ মাল্য বধুর কঙে প্রদান করিবে। তৎপরে, দভ-মুনা) হইতে ক্তিপয় কেশ মন্তকের উর্লিকে সংস্থাপন ক্রিবে এবং দ্র্পিঞ্নী-পিজনিক্স শইনা,— "প্রজাপডিপনি-গায়ত্রীজ্বেশাং নির্দেশবতা দর্ভগিজলীতিঃ সীমজোময়নে বিনিয়োগঃ। ও ভূঃ।" এই মজে ঐ দঙাপিজনীতায় ঘারা বধুর সীমন্ত (সিন্দুর ফাণিন

পুতাৰলং ক্ষতাঃ ভিৎণদ্যতাং কিমিৰ সূধ। সূচা প্ৰেৰা কোষ্য পৰ্মিৰ স্থাপাড়বাজ কোৰণাৰি:।১। 🗳 ংমেভ্যাদি। দ্রিষ্ট বিয়ং শীদেবতাকা দীমভোলগুলে বিনিযুক্তা। প্রশাপতির্জগতঃ অধী য়েন শংরণ আপদিতেকেরমাতুঃ সীমানং নামজং নয়তি নীতবান্। কিমধং মহতে বুহতে সৌভাসায়র ডেন क्रांत मर्जिष्णभी जुन्न क्रिया, शुर्मवर मज्ज अध्मित, यथा,--श्रकाशिक्य वित्यहे भे क्रमः

तकन मरश्र काष्ट्रम करित्र । भरत , मत् (त्नाष्ट्राक कास्त्र त्नांग-करिक, बीत एक बिराम কেছ বলিয়া থাকেন,) নইয়া—এজাপতিঋ মি-গ্ৰিষ্ট প্ছন্দঃ স্ত্ৰী-দেবতা শরেণ সীমজ্যে-मग्रदम विनित्मागः। क त्यनामित्छः मीमानर मग्निछ क्षकार्याङ्खाश्ट त्मोक्याम त्वनाह-भरेख भीयांनर नहांति शकायरेख कतमहिर क्टनायि। १। अहे यद्ध शूर्तदर दक्ष दिस्त्रन श्रीक खे भंत दक्षमग्रामा शाभम क्रिया भटन, स्व्यूष् उर्क (काष्ट्रमात्र मानाका)

भारमगाश एडी कोट अ काना: जिया: नीवान: नीयक: नवाबि करवाबि। विकार नुकार नीवाकिका: बायमिरि: লরাপর্যন্তা: দীর্বভালন্ত্রীবিনীং ক্লোমি কলোমি। নৌভগাহৈতি স্ভলমন্ত্র ইতি মুবাদির পঠাতে তে নাম শংক্র ইতি মঠাথে চতুথী বক্তবোতি চতুথী। २। 💍 ফাকামিড্যাদি — ক্যান্তীয়ং গ্লাক। দেবঙাকা স্মাপূর্ণ खक्षा मीमाखानग्रस विमित्रका। जाका त्र्मेषमामीक्राहात्ङ जामशः जन्ना हाव बाह्रग्रामि किक्काः मुख्याः

নইয়া,—" প্রজাণতিপ্যিক্রণতীছনেশা রাকা দেষতা স্তব্ধতিকুণা মীমজোলয়নে বিনিরোগঃ। ওঁরাকামহং মুহবাং মুবহাং মুষ্ট্ডী জবে শ্লোডু নঃ। ফুভগা বোপ-গ্ৰন্থ জানা। সীব্যৱগ্ৰং শু(ফ) চ্যা অফিন্যান্নগ্ৰা দদাভূ বীরং শতদাস্থ (গু) মুখাং''।ও।

এই মতের এই ডকুর আমতালগ্যানীমন্ত কানের কডিপার কেশাপ্রবিং উনয়ন পূর্বক

শ্বছণা শোভন-পুণা। নি কেবলং গুণোতু জাপি চ জানা জালুনা বোধয়তু অবধারয়তু সৈব্ভূতঃ প্রাধ্তিত। শোভনাসী: কয় হবে সুইুতী শোভনগুডা। জাজ্যান প্রোজনমাছ স্থোতু নোহসাক্র বচ কিছুতা স্ জ্ঞায় এতৎ পুত্রকানকর পূত্তপৌতাদিশকণং দীবান্তু দীবাং। করা হতা। সংঘটন শীলয়া কিন্তুতয়া শক্তিদাযানতা কিঞ্বীরং তুলং ধবাতু কিত্ততং শতদাযুদ্ধাং শতদায়বঃ পাতুতদাতারঃ তেরু সুধার প্রধানং লায়ুরৌণাদিকঃ। সুই একি গুণাংগুলুগিতি পুর্ক্ষমণঃ হবে ইতি বছলং ছদ্দ্মীতি সংশ্রেষারণং জ্বনা ইতি জাদেমীয়ন ইত্যাকারলোপা। অম ইতি অদংসা দক্ষিত ব্তাহোরন ধক্ষি: ক্ষিত পুরুকে জয়ঃ एका केटकाकमावासायः मृदैः अय भटामायुवासिकाजः भटमायुवासिक भारता मृदैः। अत्रा भक-দায়াং প্রভূতশাতারঃ জেরু মুখ্য় ইতি ব্যাধ্যাক। ৩ । ওঁ থাতেওঁ রাচেক ইত্যাদি-বল্যতীরং রাক্। উহা কেশমধ্যে সাধান ক্রিলে। তৎপরে, তিন স্থানে বেতাভ সন্ধাক কর্জক স্ট্রাকুল

(मधेका मधेका) मीम्तव्यात्रहत्य विभिष्टका। (क् बाटक बाटक क्यक्टड: (माध्या मुख्य: किथ्युटा: २३) क्षणाणीटक्षित्रकारीक्रमा त्राका स्मरका जिल्ला माममा जीगरहामज्ञ इंग्नराग्रा एनाशिक महत्यत्यायर स्टर्भ यत्रांश (त्रांश)। ६। धक्र मध्य के मध्य के किंक दाता भारमान्त्रेः भूजनाः । क्षिक् गाडियाः गोडाद पक्षमानात्र गयान धनानि कर्माति स्थातिः सूमरिकिकननाभिष्टा ওঁ যাতে রাজে স্মত্যঃ স্থাপশ্রের যাভিদ্দাসি দাগুরে বসুনি। ত্যভিনেমিদাস্থান श्रमेवर दक्त छित्रम कतिरव धरर छैठा दक्त प्रदर्भ भागन कतिरव

यः कम्मार्थीय त्याक्ष्याकः छैन नेत्रीनः बार्शाक्ष्या मात्राक्षः । किलुका ध्ययन अगवसम्मा । किः कृष्णिना दक् পুভাগে স্পালোকবনাতে সহল্যাশ্য বছল্ল শ্যাক্ত ছত। রগাধা গগান।। গাতৰ ইতি লাভ্ সালে দাধীৰ বাংশাৰ বীত্ত ভোটি বিটিছনে) নিপাড়াতে চছুইধ্যৰত্তনং ব্যয়াঃ স্থানার্গ। ভাইপাগ্রীক तस्याक्षमतीकि पटमा सूक्। मध्यगटकाभटमम केठ्यामिना मध्यमानिकटतागः। कत्रात्रिधतकताका-বাদিতানিভিত্যাৎ করে। তেতুতা ব করি কুকমধ্যান্সিতি ক্ষতি গান্। তরাগেতি রা আ বাহর পরে, ডিজা ভছুলা সংগ্রৈক মাল কলাছি ছুইবার কাজানন পূর্কক বে কোন চুচ্লিডে

यातिनाटक कामेनविक्टटन आमा शुक्राणीजानिक: शम्म (आग्रहिराणीन मृष्ट, मम् त्रक्टा शिक्षिट्रेट भाग्रत्य, यथा, -- "क्राक्राभण्डिक्षितः श्री-त्मयका वर्षत्वतः विनित्मागाः। के किर भक्षति। " बद्ध. क किर मंजनि हैकार्निन्दछ्तिकः बीरेनंधकः कामीनाकार्यक्यानं वित्रपूक्तः। एक कमानि ज्ञान्तिम् केकारवार मंत्रती महेगा वकार क्षेत्रतीति ममातिकि विक्षित्यः काकारवास्त्रमाम् मान्त्रत् । का किंकिए भूर्त भाक क्याडेग्रा, जे शांक्शांजफ ठळत उतात एड सिशा, केंग्रा वर्षत मगीरण चालक कविरद । क्ष्यभारत, शिक्त चालीशाक बस्टक प्रथाहैया किकाता. मज नकामिष्ठ छेखत क्षाक महा न्यात न्यात नायात्त, यया,---ध्रकाशिष्मातः ज्ञातकात थातीनाकाटबकटब मैंबीनटब्रोक: । के खक्का अमृत् टारोजानार भागायुष्टे (क्षर) ভংগতে, প্রকৃতকর্মারে মহাব্যাজতিহোম পুর্ক সছত সমিধ জ্যাতে দিয়া, উদীচ্য P 1 2 1 4 1

করাইবে। এবং বানাগীগণ বধ্কে বলিবে, "বীরস্থান্ত জীবস্থাতের জীবপান্তী ছ केशिरव। नारत, टकाम मध्या मात्री कलम्बिङ कल हात्र शस्तित आभाषि माण्ड कर्ज छव।" गाँडिनी से मिन श्रंतिक छक्त छक्तन जनिरदम्।

श्रद कमित्रम श्रेष श्राटक क्यामान मा क्यामा द्या द्या द्यात गाँ जिल्हा क्रियोत अत्ये णिज्य मंदन शतिमान रख नक मान श्रीक शिक्षांक जनगरने जामान वा छाएकारिशन

पक्कालको दिछः किः ग्रमृति धरः लागः प्रवामका प्रछ। উत्तत्रमात्र गर्कः छरष्टकः प्रकामी छ। (अब स्मार्टिश सम्म) कतिर्वम । भरत, कृषाती शंख्वणी वा त्कान नामांना जान्ना घाता মহামিতি ঘটাবে চতুথী। ৫। ইতি দীনজোলনা

व्यव काउटनममध्योगा। ७ ह्यमिडाम् । मेरिश्यहर्तन क्यावक किश्रमार्कान रिनिष्ठकरः

প্ৰকাণিত শিলায় সুপিট বীতিও বব দিশেল চান্তুয় অকুট ও অনামিক। ছারা এচন कृतिमा, ज्याता क्र्यातत क्रिया माळ्या क्रिया क्रिया,

শুতং আনমেন বিধিনা উপগুঞ্যমান্ত্র আমনগ্রাধী প্রবাজিতি বাক্যশেবঃ। ১। ও মেধাক ইত্যাদি। আন্ত্র-দেবভাঃ কুমারজ্ঞ শণিঃ প্রাশনে বিনিয়োগঃ। ওঁ মেধাত্তে মিত্রাবজনে। মেধাম্থিদি ধাকুতে । মেধায়েও অভিনেট দেবা বাংগং পুক্রতহেজী (মাহা)। ।। পুনশত সূবৰ ছে ব্যোক ইদং প্রভাক্ষাল ইনমাক্তা প্রভাকা সমস্থাৎ কার্যেণ জন্মচ্ছের ইদ্যায়, প্রবিধারণং ইদ্যা-ই বিয়ং স্পিংশ্রাণ্নে বিনিযুক্ত। বিহাবকণাগ্রাখিনে। দেবভাং। ছে বাল্ফ মেধা পাঠশ্রণবিষয়-क्ष्मित् एक एक विकाय करानी एन एमों च्यायकार कथा व्यक्तियों भूक प्रचायकों मह्मा नामकार हो। त्यवीय विकास এক পিডিক্রিরং দেবত। ঐতি প্রচুবেন কুমারত জিকামাজন্মে বিনিয়োগঃ। ও ইয়ুমাজেজমুরমিদমারুরিদমযুক্ত । ১। তেৎপরে, সুদর্গধ্র ঘায় হক লইয়া, কিইনা শাৰ্জনা করিতে, মন্ত ৰথা,--প্ৰস্থিতি কবিরসুপুণ্ডদেশ। মিতাবক্রণা (বিখিনৌ) গ্রিখিনো

ষ্টাপ্রতাং। ভথালিগরেডু ছাপ্রতু। ২। ও সদসঃ প্তিমিতাদি —গাংলীয়ং ইমলেগন। স্পিঃপ্রাণ্ডি

শার। গুড লইর। জিলা মার্জন। করিবে,মন্ত মধা,—প্রজাপভিধ্বিশায়তীজন-ইজো দেবজা কুমানুজ্ঞ দ্পিং শুম্মানুর বিনিরোগঃ। ও সদস্পতিমন্ত্তং প্রিয়মিশ্রস্থ কাষ্য্যং স্নির মেধামধাসিকং জাছ। তাতংপয়ে, পিডা শিক্তর নাভিচ্ছেদন ও গুন্দু দাম করিতে অনুজ্ঞা

कतिया, मुल मणा निमिष्टक मान ना कतिया शिक्टन এह गमम जूनक मान कतिर्वन।

निकाशि # |

श्रमीटक मिल्टिक मान क्रांनेट्य, भटत, मांत्र मस्तिकान षाजीज स्नेटम, भिष्ठा ठिष्टा मिक्स का नाम कहा तह भारत, किन्न को किन को निकास का त्याप का निकास कर नाम कहा व्यक्त मिला अके मिला विभिन्नका। मममः महानाः भक्तिः मुनाः मह्याः मह्याः प्राप्तितामः विष्यिम्ञान् हैक्षण नहाः (नक्षणः) काषा-मजीशिष्माषकः (मेश्रः मृशिः मैशिष्मावजी त्रमा जमा माजावः भूत्राधिषायम्बरामिषः भन्नेरिषम त्रमार्थेन কুমারায় যেধাং জল্ফিডাশিংস। বাক্যাবঃ। স্মিমিতি ছজ্সি ব্ৰস্ময়দ্ব্ৰামিতীন। আয়াস্থিমিক यारिसेस् क नम ह ७ ३ । व्रिट का अन्यक्षमञ्जनात्रा मुमाका तांसकीं के क्षेत्रीय क्रिय विकासित कांत्रिया किश्निया ।

ভিদুগে কুডাঞ্জি হইয়া অবহান করিবেন এবং মাড। শুচি নস্ত হারা কুমারকে আফোলন

প্ৰকি ভেৰ্যের বামপাশে থাকিয়া, উত্তর শিরক শিশুকে পিড় হস্তে সমপ্ৰ ক্রিবেন এবং ভার্ডার স্থিকণ পাথেশ আ্বিয়া চল্লাভিনুখী হইয়া জবফ্রান ক্রিবেল। ভেংপরেই, শিতা মত্র পাঠ করিবেন, যথা,--'আজাণতিথ্নিরমূষ্ট্র্ছদশশ্চায়ো দেবতা কুমারস্য চক্ষদশনে বিনিয়োগং। ওঁ মতে সুধীমে (সূদীমে) ক্ষরং হিতমন্তঃ এজাপড়ে)। বেদাহং জাগ নিজমন্দ্ৰমূল্যা। 🗳 যতে সুদীয়ে জ্নদঃ ইত্যাদি---অস্ট্ৰিয়ং চাজাঃ চজাদশ্নে বিনিষ্কা। মন্যে তদু কা মাহং পৌত্রমদং নিগাং।১। প্রজাপতিধ্বিরমূপু জন্দতন্ত্রো দেবত। কুমারস্থ ছে চল্ল যভে ভবাকাৰ্য্য। ফুৰীৰে অতিশীতলে একাণ্ডে অধিবামানক্ষনক্ষেত্ৰ প্ডে) পভাবিব পামিনীৰ নিছিত। আংসং খনিত। অভিযান: ভৰুজ, জাজ। ভংছানখাৎ জহং ৰে। জানামি। ध्यात्र सर्वात्रिक माम क्यांक्रियां ज्यानकृष्टि क्या राजमः क्यितिहानगारिकानगानिक्रणकः मानिना न जिम्हण्या सामा मामी किया वर्ष माम माम क्षा क्षा क्षा किया माम क्षा माम क्षा का माम किया । जिमा-मिछि हेन मस्को माधिकू होता नाजुडी हि नारमण्डा । । यद पृष्तानिकानि -- यद मृषिवार कमामुक्त চকুদশ্লে বিনিয়োগঃ। ওঁইকাগীশাৰ্ম যক্তে একোটয় নে একোপভী। ব্ৰায়ং মজাপাঠাত।ও কুমারকে চকুদেখাইবে। পরে,শিকা চদ্দুকে অধ্য দিবেন, মতা न बामीरम्ड भूटना कनिका व्यपि । ७।

অনুভ্ৰিব দিবি হালোকে চন্দ্ৰমণি শিতং জাশিত: ভদং অনুভ্জ নাম বেদ জানামি। বডোহ-टिएक्स ट्रीक्वमण शुस्रमभिष्यामार मा करा था (नमम्) तक्कामि । कवि भट्डो माडि शुरु, ज्ञाकनेशाद त्मग्रहः । कावर कर्मामिक क्षांक्मण्यारः व्यक्ति महत्रकृषि क्ष्ययातः । २ । के हेक्सामीकामि-व्यक्तामी द्रवरक । रेखाधी युवाः ध्याया कोचाटेड मचं कनात्र्यः यक्तरः मच्छः। किक्टिको युवार कोचानकी त्राध्यभारको হিংসায়ায়ে তা ওঁ বৃশ্দশভ্রমনীট্যাদি। চজামা এবি দ্বতা ব্যুজাদ্য এটচেজ্যাদি কৃষ্য আহিন তিথা শাৰী মতিত চলায়ং কুমাতো শানিতান আশাসি তংশকে ছিতো ন আমামিয়ত ন ছিংডেত। মীঙ্

यका,— के क्रीरत्रोमार्थत मञ्जूष्ट अस्टिनम्ब ममुस्य । शृकावार्गर ममारक्षमः ट्याहिका

শায়ং কালে চক্র দর্শন পূর্পক জনাত্রলি ড্যাগ ক্রিবেন, মন্ত যথা,---প্রজাপডিগনিরমূষ্ট্রপ্ क्रम-कटक्का तमवञ्ज क्रमात्रक्ष रुष्टम्म (त विनिष्ट्योगः। ॐ यमनम्ध्यम्भि क्रमभः पृथिते)। अस्तर (थ.(७) जर । उनकर विवार खरन्य ज्ञाहर ८ गोजमवर उन्हर । ६ । ज्यन्त ब्रह्मत ঋমত্ত্রক জলাজনি ড্যাগ করিবেন। পরে, পিড। বামদেব্য গান এবং ক্যারের মঙ্গা শরে, পিড। অপর ডৃডীয় শুরুপক যাবং প্রতি শুরুপকীয় তৃতীয়া তিথিতে करलाहन, मिछ। श्रमंबर উত্তরশির্য কুমার্কে মাড্চতে অপ্ণ করিলা, "মকাবাম-एकगुर्धाक--हेन्सामि भाषि भाष्र भाषे श्रीक मन्त हिन्छ। कतिग्रा भुष्ट थादमा कतिराय । किक्या कमिरवेश ।

পুধিব্যয় আলুদ্য : আহিত আপুমিন্ত : ডিলচেং বিধান্ত ওংমুকুপং আধানন্ত জিত পাআইন্ত কুইবানশিম্। যৈতঃ আন্তেখিক জি ্শীতন্তঃ পুলন্দ্যিকগাপ: ুশাকং গ্রাপ্য বা কৃদ্ং মাত্রোদিমীত্যুবলৈ । হা ইতি নিজ্যবদ্যরবাধ্যো সমাঝা। । ণিডা অভাবে অন্য ব্যক্তি (ত্ ৬৫ পুটা দেখ) নিত্যকৰ্ম ও বৃদ্ধি আদাদি সমাপদ

ভৰণতে, যালকের মাতা শুদ্ধ বস্ত্রহারা কুমারকে আচ্ছাদন পুর্কক পুডির দ্সিণ-श्सक श्र्मास हहेता, विक्रशाक क्यां ह क्यां छिका मगांशा कतिया, कर्षातरह,---''जरब इर পাথিৰ নামাপি " এই ক্ৰমে অগ্ৰির নাম করণ আবাহন ও প্ৰা পূৰ্বক ছত অক্ষিত সমিধ ঞ্জাণভিষ্বি গায়তীজ্বদোহ্যিদেবত। মহাব্যাস্তি হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ ডুং যায়। প্রকাপ্ডিজবিফ্সিফ্ ছদেশ। বায়ুর্দেবতা মহাব্যাক্তি হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ ভূবঃ বাহা। পাৰ্যে পাকিয়া, উত্তর শিরক বালককে পতিহত্তে অৰ্ণ করিয়া, পত্তির পুঠদেশ ঘারা ঞ কাপতি কাষির মুধু প্ত কণঃ স্বোদেষত। মহাব্যাক্তিহোমে বিনিয়োগঃ। 🐧 বং থাহা। অমন্ত্ৰক অগ্নিতে প্ৰকেপ ক্ৰিয়া, মহাব্যাহাতি হোম ক্ৰিবেন, যথা,---

बाम नात्म जात्म जानिया, जिल्हाक तकाट नहेता, श्रृंम्यी हहेया উপবেশन क्रिटियन।

2

স্হা। ওঁনবনৈঃ সাহা, ওঁপিশাচেডাং ফাহা। ওঁদলনৈঃ ফাহা, ওঁধৰ্মায় সাহা। ও এক। দুলৈ যাহা, ও কলার সাহা। ও দাদলৈ যাহা, ও বারবে যাহা। ও এরো-দংশা স্বাহা, ওঁ কামদেবায় াকা। ওঁ চক্দলৈ স্বাহা, ওঁ যদেভ্যঃ সাহা। ওঁ পৌণ্মাক্তৈ স্ারা, ওঁ বিশেভো দেবেভাইসাহা। ওঁ অম্বস্টার সাহা, ওঁ পিতৃত্যঃ সাহা। ১৯। 🗳 हफूरेची यादा, के बनाय कादा। छ लक्षत्या याता, छ त्यायाय कादा। छै बहेडी यादा, क्मात्रीय कांगा। डै मखरेमा याश, छ मूनिएनः याश। जहरेमा याश, खै वक्षणाः यांश। 'के विजीतारेत्र याश, के कट्टे आहा। के छ्टीतारेत्र याश, 'के कनाफनात्र यांश। কুমাত্রের ক্মাতিথি ও ভদ্দিন্ত্-দেবভা এবং জ্যা নক্ষ্ত ও ডদ্ধিন্ত্-দেবভার নাম-निर्माष्ट्रम भूनेक नार्यारस्य क्रिया, टांग क्रियं, बधा,--- छ श्राङ्गा, में बन्धा, পরে, পিডা,—'ও প্রজাপতরে সাগা' মল্লে একবার ছতাত্তি দিবেন। তংগরে,

নক্রতেশ্য। ও ক্রতিকাড্য: সাহা, ও অগ্নে সাহা। গ লোহিশীড্য: সাহা, ও প্রাজা-প্তরেয় মুহা। ৪। ওঁ মুগুশিররেস স্বাহা, ওঁ সোম্য্র স্বাহা। ৫। ওঁ আন্দ্রিম স্বাহা, ওঁ

नीजार काका, के व्यव्हार अपन्ता के उक्हों से जोका, के जिल्ला काका के बाह्य: बाह्य, खे हेस्माग्रीड्यार व्याह्म १००। खे ज्यूवायांड्या याह्य, खे गिजाक भारा। ३१। के ट्याकीरिय याता, के हेस्मात याता। ३४। के म्लारिय याका, के देनकांडाय बारा । ३३ । के जब माहाजाः बाहा, के बहा, बारा । २० । के खेरकामाहाकाः बारा, के होडा; योश, अं मजुडा; योश। २०। अं मङ्ख्यांडा योश, अं बक्रमाम योश। १८। उ अस जायशमाजार योश, के करेककममाय योश। ३६ है क्रिक क्रियमाजार योश, ॐ जिस्तिष्त द्यारा। २०१ ७ ८ तत्रों का याहा, ॐ शूरक बाहा। २०। ॐ अधिता न्मवट्स बार्ग । ७ व प्रमावाः यात्। ७ मट्निः याग्। ८ व मार्गाः यागः वै मिएकाः यात्रा । ३ । ७ म्रीमक्षाणार याता, के छनात्र याता। ३०। व छत्त्रकत्त-চিত্রারৈ কাহা, উ ছট্টে কাহা।১৪। উ কাট্ড্যে যাহা, উ বায়কে কাহা।১৫। 🖄 বিশা-विरंधरिक्ती तमत्त्रकाः यात्रा । २० । ई खाननात्त्र यात्रा, ई विकार यात्रा । २२ । कं भनि

যাহা, ওঁ অধিনী কুমারাভ্যাং সাহা। ১। ওঁ ভর্গৈ থাহা, ওঁ যমায় থাহা। ২।

তৎশত্র, ঋণিতা কুমাত্রের মূখ নাসিকা নেত্র ও কণ্ষয় এই সগু স্থান দ্বিশা ক্রাড্রা ষারা আচ্চিদিনের জায় ম্পাশ করিয়া, পশ্চালিখিত মন্ত্র ষয় পাঠ করিবেন, — প্রকাশকি अवि (तमूष्ट्रे मृष्टम) व्यामित्या तमवा कृतातम् नामकत्त्व विनित्तम् । हे कि विनित्तम् ণায় । দিন্দ্র ক্রিয়াই জ্যাই স্থাস্থাই স্থাস্থাই স্থাস্থাই ক্রেরের জ্যাই ক্রেরের জ্যাই ক্রেরের জ্যাই বিশ্ব । (বালকের সংখাধনাস্ত নামোজেথ করিবে)। প্রাজাপতিথামি (রমষ্ট্রপ্ছদেনা ইফলাছি * मिन विश्वति कर्न क्षित्र । अञ्चलित । अञ्चल । अञ्चल । अञ्चल । जिल्ह्या । अञ्चल । जिल्ह्या । जिल्ह्या । जिल्हा । भथ नायकत्रपम्बताया। ७ . ्री कर्णमाश्टमस्कारमाश्चम्राज्यस्काहम्बाज्यस्य मात्रः व्यविमारम् উপত্ৰ প্ৰজানিত দুত্দীপ ছয় বাহিল বেটি জাধিক উজ্জন হইবে, সেই নাম রাখা ব্যবহার আহিছে।

वस्तुत्रिवमामिक्रोटेबरकेः नामकन्नाल विनिध्कः। अत्यो ज्ञामज्ञाल (मनमङ (कानि कष्णमिन। यक्षणकाष्णः) কতমোধ্দি কিং কাভীগোধ্দি। জাতি প্রশোষ। উত্তর এবোধ্দি ভবদি প্রতাক্দনির্দেশঃ। শন্তরভাক বিনাউমি ঘতঃ অতথ্য জাক্তলভায় মাসং স্থামাসং সংক্রাজিচিছিতঃ প্রবিশ। ১। ও সহাকে ইতানে ।

পিয়াগাড়া মানেডাঃ পনিদদত। মামা**ভ** শতুভাঃ পরিদদত শতবদ্ধা সমংসরার बारेका जिलमाङ् । बाकिष्यारमात्राज्ञाजात् अतिमम्। घरमातारको चाभ्यारम मञ् । अभरत्रत्यायुरम कतारेय पत्रिममञ्जा २। श्रीजपूक (मयमर्जन्।" ट्रम्बर्डा क्रमांत्रक) त्रामिट्डा (म्बर्डा बागकत्रट | विन्नुस्तार 🔭

शास्त्रण भूस क छोनी । जिल्लामान मिनाम नामकत्रण स्केटन छनी । मनामार] कतिरान ।

उर्भात, गाँछ। निकार नहेश याहेरवन। भिछा महायातिहरूम कतिता, गरिम

भटते, भिका कुभाएतत मोखात वामकर्गत ममीरण विभारयम,-"जीवमूक त्मरंभाग्रर

टिक श्रेड । क्याहतत मिक्न कर्त विगिर्वन, "खिष्णमुक प्रविभाषामि ।"

काश्मिलाहामानद्वायम् अत्यामाह्य कारमा हर समम्ह त्यारक्षणाहित्या कार बाह्र किन्नात न्तिमम् जिनम् जिन्ने मध्काता यात्र महामुख्यामान विरम्भक्षिण्यां जिन्ने स्वाधान्यार महामान व्य हारम्मग्रह । २ । क्टि भागकत्वाम्माम् म्याज्या ।

काम्यानिन ।

প্ৰেয়, প্ৰচাৎ লিখিত ঘাহাত মলে ছত্ৰাৱা হোম ক্রিবে, ৰ্থা,—প্ৰকাপ্তিশ্বি-स्मित्या भूक्षमारिमकाकामञ्ज छङ्गात्यक्षायानिकार्गिकम्बजाकारकारम् विनिष्का । जन्न दि किन जक्त-क्षमान्यः अकः स्रोताः ज्ञान्त्रक्षां मार्याम्।मिठार्थः। अक्ष्यम्बत्यान्यः अक्ष्यमान्यः। किन्यमर्थः हि भीराजीकम षामिटका एम्वका शुक्रमाधिनकाकाम छङ्गार ष्वारामिकामिन অধায়তালিনমায়ব্যানা। অন্তঃ বা একচ্ছেন্দখনর সেকং ভ্তেভ্যাক্তন্মতি। গায়ত্রীব্যাদিড্যো ৰম্মাণ একং ভূতেভঃ; ভূতানাং ভূতাৰং ছক্ষগ্ৰি অবৈভিগ্ৰি অৱমৰ্থঃ। ধৰা আনদিভাত সনিকাৰাৰং হুট্যক্তমা লোকান ছজ্মতি জাহুণোতি তথান্নাণি জাদিতাপ্ৰমাণি বৃহত্তয় ভব্ছ ৰেনাজ্য প্ৰকাষেশ্ৰি-जिला साम गुन्न क निला किया ममाभा कतिया, इफिलाफामि कतिरान । उद्भारत, মাপন পুৰুক প্ৰকৃত কৰ্মানতে পাদেশ প্ৰমাণ দ্মিগ অম্প্ৰক অ্মিতে আছতি দিয়া, विक्रभाक क्रभां छ क्रमधिका (। म छ। ११ १ ११ १ । माभिक जाप्ति भष्तिमासिक रहाम कतिरायम (२৯ शुक्री नामकत्राप पन्थ)।

প্ৰজাপতিৰ্ধ্বিশায়ৰীজন্দ আদিতো। দেবত। পুক্ৰম্ধিপভ্যক্ষমস্ত চতুন্দৰে অশ্বাৰাদিত্যাভি তাল্যথেনে ।বানয়োগঃ। ও আরং বা একছনদস্যারং হোকং ভূতেভাশ্রুদারতি আবা ।স लट्य चारावामिक्याचिस्यकाका त्यात्म विनित्याणः। के व्यवक्ष क्रत्यं त्रत्रत्वकः मन्मद-কামো জুহোমি পাহা।৩। প্রকাপতিখমিঃ ফুদেনবভা রভাবিফিভিকামজ্ঞ সায়ং প্রাভঃ পতিভিবামি। একজ্ঞাস্যামতি ভবেজ্ঞাসীতি য৭।১। ও অধ্রেজ্যাদি। বছুরিদং এরের কিন ध्यता व्यांकाम्मा किसार माता नः स्रेम्यात्ख्यु मत्ता वित्रोधन चानित्का मति मधः चानित्काः चयमसङ् শুনতাবাল:। ভেলঃ গশ্প আধিণতাং তৎকাষায়মানো লুহোমি যুতং আহা। ।। ছুবে আহা। ছুৰ্পিশাৰাভ্যা: মাছা। বতুৰী ইমে বুভাবিচ্ছিভিকাম্য্য দায়: প্ৰাতঃ ফুৰ্তৃভূচোমে বিনিষ্কে। জুৰ্-गुनकाकारशास विनित्राभाः। ॐ क्रीस्ताधमा नदा त्ना वित्राष्ट्रमा मन्नि नदा (क्) यवक् শাৰ্ডু ফাছা। ২। প্ৰজাপতিশ্বিস্ইতীছন্দ্ আদিতো দেবতা পুক্ৰমাধিপত্যকামশু চতু-অপুষ্ডুঃ স্থান ইতি সফ্ৰাল্যথ হিন্দি বনীপৌবজবানিতি বনিশুঃ। 🕉 আলস্যুত্যেৰ রণভিকাঃ দৃশ্পংকামো সুহোমি। বৃহতীয়ং জয়দা লতমেৰ রসঃ সারঃ তথা চ বদ্যুতং তদ্ভোকানমিতি

के कूर्मिल्। मासार याहा। के शावास माहा। व में भवानाज्ञ याहा। थ। के मधानाज्ञ ফুডোমে বিনিয়োগঃ। উজ্ধে থাল।।।। একাপ্তিথদিং কুণ্পিপালে দেবতে রুত্যবিদ্ধিক্ষিমাস্ত পায়ং প্রাভঃ কুংশিশাসা লোমে (কুউডেচামে) বিনিয়োগঃ। स्वाशाना है उपानात साशाना है यानात स्वाशाना

छाउव। स्था त्नार्थ्याकः विनाम क्रम्पातः ६ मः जुनः त्रिक। स्वनमीत्र त्राणं केटारक। जार्ष ছে অরপতে ছে ফ্রা। অন্দিত ্রকারতে বৃটিবুটেরলং ততঃ আলো ইতি ছতে। অনস্যা আদনীয়স্য सामीका आहितांशास्त्रमा खिष्टा अधिवृद्धिकत्त्रमा छेन्छः यता ११ हिः किश आधना खानाखाङः छार् ইতি কুমুকুনতর ব্যয়েই এয়কাৎ প্রাধ্নায়াং নিংহ্ নোটনিশ্ নাটাহভাটারিতি শাটনিশ্বশাং নোটাক निमास रेमबाड । 8— के। के क्षानंद्रह्यात्त्रधामि । दृष्टीयः , क्षात्रन्तित्वत्ता काळ्यांनत्न विमिष्का । এই সকল প্রকৃত কথালক হোম সমাধা হইলে,মহাব্যাপডি হোমপ্রকি ছড়াক সমিধ आंध्र किया, छेने। हा त्रांग (•म छाता) এवर वामरसवा शान कवित्व। भरत, कुमारत्रत

Š

मृत्य यत्रमाम क करित्य, मात्र यथा, --शक्षांभिष्धिं मित्रम्थी करमाध्मभिष्टिभिष्मा बन्नाथा-भारम विमित्यागः। व ष्ममभाउत्मम् त्मा (मज्ञाममीत्रम् कृष्मितः क्षमण्डाम । वार्ष कुष्मिर त्मा

े प्पिक् विभारम मार छक्टभारम यांशा । ১• । भारत, मिक्षनाष्ट ७ ष्पष्टियांवधांत्रनी कि कतिरव ।

क्रिक-विव

ণিতা নিত্যকিয়া সমাধা প্রক রফিলানাদি সমাপন করিয়", বিক্লপাক জপান্ত কুশ-করাইয়। আনাইয়া, ধান্য পুত্তক মঞাধার লেখনি মুণ্ডিকাও মুদ্র। প্রভৃতি দ্রগ্য পূর্ণ পাত্র বালকের নিকটে * ব্যবহার বশতঃ ক্ষাক ক্ষামনী শিশুর মূবে জ্ঞাদ্ধি ক্রেন লাগ্ জ্ঞাক্রাশ্নের প্র শিশুর ক্রেক এমর अधिरव, योजक करता (य त्रज्ञ अरुन कत्रित, छाष्ट्राष्टे छकात्र कोविका क्षेट्रक। দিশ্। আগমানিভাতেরতে গোপা ইতমত গোপঃ। প্রক্রেশস্থীপ্তি ইক্রেগেশাশঃ সকারস্য আগ वृष्ट व (लागः । ३०। हि जमक्यामन्त्रवर्गाया त्राख्या

পুথক্ পুথক্ গ্ৰিবে এবং এই দিকে উল্যোদক সহিত্ৰ কাংজ পাত্ৰ গ্ৰিবে ও জুৱ ক্স আপিড ক্ৰাপ্তি মাল পাকিবে। অধিয়ত উত্তরে তিনপাতে তুবগময়ত এবং অভাতিন পাতে (ন্যপিতের জাভা) ভিনা ভত্তুৰ • এই সমতে জায়ির সজিগ দিকে সাভটে নাউটি প্বিল ভাগে হতি জ জাগিজালী এয় কোন পাজে

অধির পুর্কদিকে আইছি ঘৰ দিল পুর্ণাত ভিনতি এবং ভিল মাব দিলে পুর্ণাত ভিনতি ছণ্ণন भाषकला है गिलिंड कतिया बारियरन

অব চুড়াকরণমন্ত্রাধাং। ও আংগ্রমগাং স্বিভা ফুরেশ। সংধ্রেমানি যজুংযি চুড়াকরণে বিজি-হুকানি। অধিমহোশাভস্থিতাদেখনাকাশি। (ে কৃষ্ণ স্থায় নাপিকঃ স্থিতাদেশঃ জ্যেন কা

á

(উহাকে সুধ্য মুচ্হিবৎ ভাবিয়া) মত্ৰ পড়িবেন, বথা,—প্ৰজাপতিপ্ষিঃ স্বিতা দেবতা চূড়া-করণে বিনিয়োগাং। ওঁ আ গুমগাং সবিত। ফুরেল। ১। কাংস্তা পাত্র ডিকোদক प्रमिष्या, मञ्ज लिएद्वन, यथा,—क्षकार्णिङ्शीयर्वायुर्धत्वे । कुंग्यक्यतः निर्मारमानः। के उटका वात-उत्तरकटिन्धि । २। भटत, वाम रुख घाता वानाद्यत मन्त्रित कश्चितात (দক্ষিণ কণের কিঞ্চিৎ উপরিভাগের কেন্যের নাম) কেশ গ্রহণ পুর্মক দক্ষিণ ছক্ত ছারা श्री साणिक किशिय के किशामक महेशा अस्माता के तक्षा फिक्कारिया मिटिय, बाज मधी, 🗝 कांग्री क्षांग्रहरान् এडफ क्रोक्ष्यंगात्र क्षांत्र वार्ग्ह्टम्भनग्रहः । १ के खेटकम बात्र एमदक्रिम् কে থাকে। যদ্পি উক্লেদেকেন গুৰীকেন কুনারশিরঃ প্রাণ্যিক্ষ্য ঐথি জাগজ্ঞ। জজিতভাতি শিক্তাঝ ।২এ

अंबिटा में स्वेक्ट को नटाइस में महामानिता का महामानिता में महामानिता में महामानिता में महामानिता मिल्लिक मिल्ल

क्षकार्गाङ्खिवि बारिना तम्बङ्ग कुड्मकत्रत्व विनिध्वानाः। के जान क्षेत्रक क्रीद्राम । ७। षाठायी कृत षायरलाक्त श्रुक अफ़िर्यन, अक्षिणि श्रिक्षिण करक्ति । इडाक्रहर

মারা গুলীত দর্ভশিঞ্জনী সহিত কপুষ্টিকা দক্ষিণ হন্তক্তিত কুর মারা ज्यान क्षित्र, मिक्रिक क्यूष्टिकान ज्यांच रकरम एका छैक मूम कतिया वैरिध्या मिरव, यन्न यथा,---काक्कार्णाक-শ্নিরোম্থির্দেরতা চূড়াকরতে বিলিয়েশা:। ওঁ শুমত্প আয়বৈষ্ণং। ৫। পরে, বাম হল্ क्यिक् कीवटन कोनमात्र। कोवटः है डि क्यरबंट्स हेटालिना काम व्यक्तात्रः॥ ७॥ के विरक्षांकरद्वीति। ्ट कृत का विश्वामित्त है। कि मत्काशिना 8 ॥ कि क्ताम जात्रतेयनः। (ए स्वत्य (क मर्क अनः क्यांतः विभित्मानाः। ॐ वित्यामंरत्ड्रोक्षम । १। ' भत्न, भ्रम्याभिष् मर्किषाने बक्ति में क्रा. किरमी:। । भूनम् व क्रिक्रिकान टकम श्रमितर क्रुन बाना म्याम कतिया मज भिड्डिन, তায়ৰ লকা । এ ক্ষিতি চননং হিংবীঃ। ক্ষিকিরে জুম্বঃ। ছে ক্ষিডে এনং ক্ষারং মা मञ्ज वथा, -- शक्षांभिधिश्रमिः म्यिनिङ्क्तियञा हुङ्गिनद्रांभ विभित्सांभः। 🗳 स्रितिङ मिम्र

কিংসীঃ ন ভিংসিষ্যুসি ॥ ७.॥ ওঁ বেন পুৰা বুজন্ত ক্ৰিন্তেৰ্মিজেন্ত চাবণতে জন তে বুলামি অক্ৰণা ক্ৰীবাকৰে

যথা,—প্রজাপতিঋষিঃ পুষা দেবতা চুড়াকরণে বিনিয়োগঃ। ওঁ দেন পুষা ব্রহণণতে ৰ্ণিয়োতিক্ষজ্য চাৰপৎ ডেন ডে বপামি বক্ষণা জীবাত্ৰে জীবনায় দীঘাষ্ট্ৰীয় বলায়

করে।মি কিম্বং জীবাতবে জীবনায় অসাপাথ, দীধায়ুটার বজিশে তেজোবুজার্থ, দুণ্ড। 🎖 জমলবেলাম্বং 🤏 জীবনায় দীৰ্ঘষ্টায় বলায় বৰ্জনে। অধিভিস্ততিপুৰ্কাক বিনিয়োগমাহ বেন স্বিতিন। পূৰ কোবো বুফল্পডেইনিয়োরিক্সক চ ক্ষরণৎ ভন্তঃ ক্রতবান্ তেন যণিতিন। অক্ষণ। অক্ষত্তেন তে তব বণামি ভন্তা-春季中等 国门员及、6 时只见18 西川省市、6 46年中四十四川省市、西口688 国川省市、一部市内部省市6年,春播中市 (মন্ততেকের পশতাৎ ভোগ নিথার নিল দেখের নাম) ছানের কেশ উঞ্জল ঘারা অভি-সেচন ও কুবদৰ্শন ৪ দেও পিছালী সংঘোগ ৫ ঐ স্থানে কুর সংঘোগ ৬ ঐ কেশ লতিপিজালী সহিত ছেদন ৭ রূপ পাঁচটি কার্য তৃতীয় প্রভৃতি পাঁচটি মন্ত্র পড়িয়া, প্রবিৎ ঘণাকরম বচেদেশ্ব। এই মন্ত্র পাঠাতেও ঐ ফুর ছুই বার সঞ্লিন পূর্কক দক্ষিণ কুপুষ্ঠিক। ছেদন ক্রিয়া, র্যতোমম্ পাতে দউ্পিঞ্লী সহিত স্থাপন ক্রিবে ৷ তৎপত্রে, বালকের কুপুছল

করিতে চইবে। এনত (তুতীরবার) ব্যাকের বাম কথুটিক। (ম্ছকের বাম গাখেক বাম কংত্ৰির উদ্ধি জোনের নাম) ফুলনের কেনে। উদ্ধ জন উদ্ধিন আকুতি জাক্রি কারি। আৰু মার পার श्रुक्रक शुक्रवत मध्यक्तिय क्रिटिंग मध्यत्य ।

পুৰ্মিক বুমগোমন পাত্ৰয়ে রুদ্ধিত হটালে, পানে, শিক। উভন কন্তল ছান। কুমানের 血學 医阿布扎氏 对格氏存录 牙序形的 哈羊的人 医有时的 医门内外的 化香油 的复数 电对自动控制 化糖钾盐 সক্তক আম্ভাদন করিয়া মন্ত পড়িবেন, যথা,—এজাপড়িখ নিক্ষিক্ছদেশ্য। সমদ্ধি কস্তা-প্ৰিজ্ঞান্দ্ৰেয়া দেবতাশিচ্ডাক্রনে বিনিরেয়াগঃ। ওঁ ভায়ায়ুনং জনমন্থোঃ। কাশ্ৰাশ্ৰেক জাগুন

™

ত ৎপত্ন, বস্তাদি মাল, ভাষিত নাপিত পুৰ্মিব। উত্নাস্থ কুমানেরৰ মহাক সুধ্ৰন এবং কুমং। কাগভাস্তে নাম্পুসং। মদেশবামাং নামূমং। ততেভঙ্গ নামুসং। ৮।

Communication of the second o

অগ্তাজা দেবানাং উল্লেখিনাং যথ সোগুৰং সীকি ভাগুণৰি বালাব্যজ্যিকাৰানি তথা বায়বাং কে ভারক ভেন্ত বিভয় চৰ ভবকু। আয়ুদ্মিটি কচাকুরাদিশ্বেগাট, ব্যামাজঃ ৮ ে ইতি চ্ডাকরগ্মজবাগ্যা স্মাধা। মিটকেশ করিবে। পরে, পিতাবাজ নমত মহাব্যাজ্তি হোম করিয়া, সমিখ একেশ श्रक्क डिमीटा क्षेत्र करिटवस । यस्ति क्रस्त मक्ष्म स्थित्य आमान क्रिट्र ।

क्रगटियम केव्राध्या मिर्टेच । न्यांक रक्ष्म दामा न्यां योगान न्यां योगोर्चन व्यव्राप्त प्रक्रिक्य भार्क

উপন্ন

শিতা বা প্রতিনিধি আচাব্য ত্রি আমাদি সমাপন করিয়া, সামান্য কুশ্তিকা

क्षरणाम्मजनमञ्जयम् । 'ॐ कार्या । श्रक्ष यक्त्यति ऐत्यजन्नहारम् विभित्रकृष्णामि । 'क्षरियरज्ञाशीक्त-

ম্দিশং উউম্পন্নমাধাং চরিধান্য জনুষ্তামি উশুউং তে ভূভাং প্রবামি কথ্যমি নিবেদ্যামীতি বাবৎ

ষেন উট্ডমফা কুম্বাদ্যচনিত্র পুষ্ম শালের শালেরি । বতচরপঞ্জ ফলমায় ভেনোপ্রয়াব্রতের

গুগুদি দেবতাকানি উপনীয়মানে। মান্তকোহিগ্রি প্রাপ্ততি। ছে অরে ওডগুডে শাস্ত্রায়ক্ত নিধ্যক্ষ পালকং

সমাধা করিবেন। পরে, এক মাত্র গৈরিক (অভাবে জন্য শুক্ত) বত্র পরিচিত মুণ্ডিত

শিধ মানবককে (অগ্ৰি বাহার বেদ পাঠ হয় নাই একপ বালককে) খীর দক্ষিশে

因今代司司司 奉送打死公司日

প্রজাপতিক বির্গিশেবত। উপনয়ন চোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ জামে এডপতে বারুকারি-করণভূতের জহংকভা সমূদিং াশাংমনজ্ঞণা প্রাস্থিতি শেষঃ। তথাহ্যনূতাদরীকবচনাৎ পুথক্ জুক। ইলং এতং স্তাং সভাবচনককল। সমূপৈমি সমা্ক উলিমি। অনমধ্য ঘোহকং প্ৰাক্তানয়নাকাথে-ঞ্জোলি দিলীয়াথে কৃতীয়া। সমূপৈশীতি ব্যংছিভোপ্নগালমূলঃ । ১ । ত ইন্দ্ৰ। ব্ৰতানাং-মঞ্জানাং ব্ৰকজ ষ্যামি ডভে প্রবীমি ডছেকেয়ং ডেনজ্যা সমিদমহমন্তাং সভাষ্পৈমি আহা।১। প্রজাপতি ঋদি ব'গুলেবত। উপান্যন্চোমে বিনিয়োগং। ওঁ বায়ে। ব্রত্পতি বাজি ভৎপরে, আংচার্য "সমুদ্রব" নামক জাগ্নির আ্বাচনাদি করিয়া, প্রক্রেড কৰ্মানতে প্ৰাদেশ প্ৰমাণ সমিধ অসমুক অগ্ৰিতে দিয়া, ব্যক্ত সম্ব্ৰাৰ্থিতি হোম (৮ম ৬২ পুগা) ক্রিবেন। পরে, আ্চাব্য প্থমস্তে ছত্।ভতি দিবেন, ব্ৰা,---টাচার আল্সং গোফ্যমগুলা পরিতাতকারতবাদঃ সতাত্তমিদং অতং চরিগ্যামি । শতকর্মিতি শিকাশিক্ষ

করিষ্যামি ভতে প্রেবীমি তচ্চকেয়ং তেনধ্যা সমিদমহমন্তাৎ সভ্যম্পৈমি স্বাহা। ৪। এতঞ্রিয়ানি ভতে প্রবীমি ভচ্চকেরং তেনধ্যা সমিদমহমন্তাৎ সভ্যুপৈমি শাহা ।৫। मिरमम् क्रितिसः ॥२---८॥ के कानक्षा । क्षक्ष्ट्रे विदः याविवक्त्रिक्यावक्राविक्ष करण विमिष्टका । क्षष्राणिक ৰ্যামি ভতে প্ৰব্যাম ভচ্চকেন্দ্ ভেনন্ধ্য সামদমদম্ভতি সভামুপোন ঝাছা। ২ । প্ৰকাশ मापि उट काबनीम उक्टाक्यर उनकी। ममिमम्बन्जिर मङामुरेशिम कोषा। ७। প্রজাপতিকাষিশনের দেবত। উপনয়নহোমে বিনিয়োগঃ। ও চক্র বতেপতে ব্যত প্ৰকাণভিষ্মিরিছে। দেৰত। উপনয়ন হোমে বিনিয়োগঃ। ওঁইন্দ্ৰ এডানাং অভগতে এই পঞ্চমন্ত্ৰ পাঠাডে হোম সমাধা হইলে, আচাৰ্য্য সীয় আসতে প্ৰ্থান্ত খাকিয়া मर्खायमान क्हेरबन धवर यानवक आधार्या जिस्त था किया छैउतां छ क्षेत्रा प्रशासमान পতিঋ মিঃ সূর্য্যা দেবতা উপনর্ম হোমে বিমিয়োগঃ। ওঁ সূর্য ব্রতগতে ব্রডকরি-

শ্বৰ দেবতটো। ছে লগালিয়ো ফুমেনসূপনীয়মানং সুমন্তাং শোভনমসূদ্যং প্ৰযুষোতন প্ৰকৰ্ষণ মিলস্তঃ।

भूत्र कतित्रा, भएत, काहार्यात्र षक्षित कल्याता भूत्र कतिरव, षाधार्य श्रीष्टाक्रील মঃনৰক্তে দশ্ন প্ৰক মন্ত পড়িবে, যথা,—প্ৰজাপতিপ্যিল্ড প্ছশোহ্মিবায়ু-কুৰ্যু-हत्यायामात्रा प्रवास छे अमग्रत आहार्यास्य मानवकः त्यापामानस्य करण विनित्रामाः इक्टेर्वन, मानवटक मिक्टल खनक्षान श्रिक क्वान यामित मानवटक छ ष्रक्षित क्रम बाज

ওঁ আগস্তা সমগ্রছি প্রেম্ড, যুয়োতন অরিপ্তাঃ সকরেমছি স্ভিস্তাদ্যুর্ ৬।

क्षण्याचिः महेरुड्य कार्गाटः उथा क्षग्राधाटम यथाराम अभिराधिन काश्वा काश्या काश्या म् अरक्ष्मकि। किन्न कारिकी काविष्ठाः मकरत्रम् निर्म्धामः। ज्ञासम वर्षाणातिनी मन ज्ञा कार्यान्तिः मन सल्झानार क्रिकि सराम्रश्रीकर व क्षेत्र प्रसार मिना १ ७ ३ 🎺 अक्षि प्राणिम् मुन्यां महत्त्र । व क्षेत्रि म्या कार्रात् জুতি কল্যাণেনায়ং অক্ষ্যেরী সঞ্জত ২ জবিনাশীভূর প্রাট্ডাৎ। সমগ্রহাতি মল্লে ঘসকরেউয়াদিনা मुट्यार्टा मामात्रम मातः। अम्हामिक्टमि मात्रिक्षां मात्रा मात्रा मात्रा मात्रा किक् स्वयक्षः मान्यक्षणाट्ठे विभिन्नक्षः । . ८१ अटना बक्तन्त्रां, ध्यष्मिन्निकृष्ठः ष्यर्माणाः ष्याणक्ष्यामि रकः **ष**्रक আন্চাৰ্য সান্নক চক পশ্চাৎ নিশ্বিত মাল পড়াইবেল, যথা,—অভাপতিশ্বিরমূষ্ট্র পছক

- কিন্নাৰ্ম ক্ৰিক্স জ । বিভাগোলা বিভাগোলা ক্ৰিক্স ক্ৰিক্স ক্ৰিক্স ক্ৰিক্স কৰিব ক্ৰিক্স কৰিব ক্ৰিক্স কৰিব ক্ৰিক্স

আচাধ্য মান্যকের নাম কিকাসা পুচক মন্ত্র পড়িবেন, যথা,—প্রকাপডিঝ্রিক্ট প্রক্রেশ 21年後年19日

किनक, जब मिय्यमिश्यत्ना (मरकाः मानदक्षक्यम्य विभिष्नकः। इष्ट म्यामो द्रष्ट , एमयष्ट्रक एक खन দিজের রাশিঘটিত বা সাধারণ নাম কণ্ন নিমিত মল্ল পড়িবে, যথা,— আজ্বাপতি ঋরি-মাসবকো দেবজা উপনগ্নে মানবক নাম কপনে বিনিয়োগঃ। ও জীঅমুক দেবলার্থ-মান্ত্রণভাষণ আন্তমনীপা আগত্যপা । ৭ জেন নামানি। জানে নামাপি। আচাকা; প্রজাতি কিছামা খমবি। বঃ পুটঃ সাজাই জাদৌ নামাবিয়া দেবদ্ভনামাছমিত।খং । তি. দেবজা ভে—ৰজুবিলং মানবকো দেবভা উপনয়নে মানবক-নামপ্রেম বিনিয়োগঃ। ওঁ কো নামাসি। মানবক শতে, আপটোধ্য খীয় দক্ষিণ হত্তমার। মানবকের অক্সন্ত সভিত দক্ষিণ পাণি গ্রহণ পূর্ণক ভৎপত্তে, জাচার্য এবং মানবক উভয়ে পুর্ব গৃহীত জলাঞ্জি পরিভ্যাপ করিবেন। सामान्य । ७ ।

যন্ত্ৰ পড়িবেন, যথা,—প্ৰাজাপতিশ্যিরত্ত্বপুজনঃ স্বিত্ৰি শিশ্যাণো দেবজা উপনয়নে আচা-र्माना, मान्यक्षक्रक्षक्रकाश्य विनित्यागः। के प्रतमा एक मिद्कः क्षमत्वक्षित्नाक्षांक्रज्ञार পুড়েঞা ছড়োভাগে ছতাং গুজামি । জীঅমুক দেবশাধন। (মানবকের সাথোধনাত সাম উচ্চারণ করিবেন।। ৯। আনচাবা প্রবিবং সাক্ষিগ্যীত হতে থাকিয়া, পুনশ্চ মার পড়িবে, গুহীত-মানবক্হ্ছাচাষ্য স্কৃপ্ হন্তমগ্রাহীৎ আব্যুমা হন্ত-मधाकी प्रजायस्याति कर्याना व्यशिसारायी-ख्या ३०। ९८त, व्यारायी भन्ताक्षिक শ্বণা,----কাঞ্চাণতি শ্বিরগ্রাদলে দেবতা উপন্যনে विक्रियानः। के अधिष्ट इस्थमशहीद मविङा

15. 4 Vil. 15. Company

कक्कर मविकृटक्षित्रक क्षामरत्वरूक्तक्ष्यात्मा मक्ति क्षित्रार्ट्यत्वमर्त्याक्षीक्ष्णार भुक्षक एक्षाक्षार सहसाठाहिः माहिता गुजायि॥ > ४ ॐ स्तारख-नेरक्तिरः श्रीट्यांवरकरखकाठादिक्य स्राम विनिष्यकर। काशामित अब तमवंकाः। तह अक्षात्तिम त्यार्थाः जव हत्छ। महा श्रृकित्वः श्रूमाः क्षितः निका क्षांत्रा চাৰাহী 🐫 । আন্তনন কৰিণ। গুকুভাৰেণাদিন। মিত্ৰঃ প্ৰিয়োহিত কারী মন অমদি আমি মিভানিত ভাগবাংস্তৰ শুকু মিত্র ইতি লিক্ষব্যভায়েন পুংঘং ৪১০ ৪ ওঁ ত্র্যসায়েতমধাং উপাদৌ। প্রীদৈবতং ঘল্রাবর্জনে বিনিযুক্তং गक्त-निक्ता, यानतंकटक श्रमम्भिन कटमः जन्नीर श्रीत श्रम्भिम्म घाता द्वायकारण भूतिमूट्यं आवश्राय क्राविट्यम, यथा,---धाकाण्डियंतिः मूर्पा त्रायका हेन-म्मा कतिया, मञ्ज भिष्टवन, -- शकाशिष्धिमिकास्त्रको तनवाङ छैनानग्रत अम्तानि নাভিশ্যশনে বিভিয়েগ। উ প্রাণানাং প্রস্থিরদি মারিশ্রমোইস্তক ইদভে পরিদদাসি। নরনে মান্ত্রক জ আবর্তনে বিনিয়োগঃ। ওঁ স্ব্যিসায়তমখাবত্র। আলিস্ক সেব-मंभीत्। ১১। श्रीमद्यकत मिक्त कक्ष मिक्त हत्ववात्रा मनमं पूर्वक व्यादाव्यक आधित्व 🏙 আমুক দেবৰাতাবিষু । ১২৪ পারে, নাভির উপরিভাগ উদর স্পাশ করিয়া আনাচাব্য

🕉 আনিয়ায় অস্থিয়নি। নাডাজকে শেবতে নাভিশ্লশ্মে বিনিযুক্ত। স্ফুরিয়া হে দাতেহন্য অন্ধ্চারিগল্খ: মাবিজ্ঞান বিজ্ঞাসিধ্যদি অব্যান্য বিচলিখ্যদি। জাতজাং আমাধানাং দেহধারণকারণালাং অস্থিঃ আডি-टक् कारमी टमनक्षेत्र स्थानाविष्ठमाथित्रमध्याचित्रम् कासमक्षः । सान्य छारमामामिक्कार छाष्य प्रमृणि किंड । >> ॥ অধিতিবভোগি ভারসি। ভাগা কে আকক যথ ইদমসা আমচারিগঃ শারীয়ং জার্জ আংমচারিগং তে তব পরি-দ্দাতি অপ্যায়ি ধাতুনায়নেকাৰ্ডাৎ দৃদাতিরত অপনাৰ্থ। ছত্তি সম্পিতি এব বোগ জনামলগাদিকং नामंत्रामिकः निज्ञम क्रिकि विवास्तत्य् क्ष्यानिकाल्हा ३२ । क्ष्याच्या वेतरका भनित्रमात्राम् । नाक्य-

म्यान्द्रकत समग्रमम न्याम कतिया पिड्र्यन, ष्या,---ध्रकाण्डिश्यिः क्रमायुर्मन्छ। क्रमायुर् माम्द्रत विकित्यातः। के षाकृत केमटल शतिमानि जीवमूक त्मरमानम्। १०। षाकार्वाक् मज अभिरयन, मुक्त,--शक्रीभिष्धित्रवाश्चरत्नकः उन्नय्दन जम्महाति-माञ्जाभित्रमन

- 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100 - 100

मिन्निक्षाकार्यात्म विनिध्यक्ताः व्यानाग्रहाः यक्ः। (क व्यानी अक्षानित्रम व्यव्यागित्रम व्यव् महित्ममामामा विभिन्न कर। यात्रवार बक्डा मान्द्र विख्नी हि चान तिना स वाहः जनामाजानः। एक केन्द्रम्। विभिन्ने कर वक्षा (क कृमारमा मार्क स्थाय श्रमित्र ॥ ३४ ॥ कि खामाणि उरव मा महिममामारमा अम्बत्तानम् । ১৪। आपार्टार्ग्यानम् जनम् जनम् जन्ति इत्याता यानदारकत जनमन्त-क्रक् म्थानं क्रतिसा, প্রতিষ্ঠা, শার্মাপতিশ বিঃ একাণ্ডিদেবত। উপান্ধলে এমিচারি-দক্ষিত্ত জ্পার্থন विक्तिमाधाः 🍍 काकाशकत्य का शतिमम्पि क्रियम् एमयमध्य १००। क्षाक्षां ्में ने न्यंत्वत । मान्य के कि मिला ह्या १०० कि कुमार के मटक निवाम मान्या । अम्मामान्या मुक्रिमम्प्रि सम्म मारिया ॥ १४ ॥ . के एमनेश्व का मनिएक भनिममायाएमो । नारवात गानिया मनामक्षण्यभन्ति वामक्खकाता मानवत्कत् नाम क्षम न्यान श्रुक्क भाष्ट्रका, रणा,---बाकाभाष्ट्रभाष्ट्र माक्ष मित्रका उपनग्रत वक्षानित-बागकक्षणमार विविद्धांगः। ७ मित्रम का मित्र भित्र ममा मि जीवमूक मित्रमंत्रम्। ১७। जाठाया मानदाकत मत्यायन स्टक मञ्ज भड़ित्यम, यथा,---श्रकाणि डिस्मियं कांगाती तम्बन्धा डिलाम्सत्न उक्कागित-मत्त्राधात विनिध्याभाः। अम्मारात्री श्रीष्मम् तिर्मासम् । १९। ष्माराध्र मानवत्कत्र नित्त्रांश स्ट्रक मञ्ज पिएट्यन,

यथा,—शकाणि विश्वित-व स्राजाती तमयता जिलायता वस्त्रातिन-देशास्या विनित्यांगाः। खँ अभिवसारशिष्ट । प्लारशानाम । कथ कुक । या मिया यात्री: । जन्नाहात्री मन्ध्र

विभिन्न माविका वक्: १०७१ के अमध्यामा अमध्यामा अमुक्तामायायामा विभिन्न कार्याविध्या "बाष्म्" किया "७म्" এहे टाङिवाका विशिष्म । ১৮।

रक्षाः ३७९३ के निमयमार्थार चारणीयांन कथा कृत्र या पिता थायौः। टेक्सरका विजित्तकः तक्षाः 🗠 ८४ একটায়িই অংগী সমিধয়াগৈতি প্ৰিকিশ কামিকাখ্যুকুক ৷ জাংগোশান প্ৰাগতোক্তনাপুত্ৰবজ্ঞাং ওক্ষ, ক'ছ क्क कक्कमाहितकता क्षेत्र मिलाहित। हथा या किया याचीर न योगहि जनस्कः कडितीक अवकाती

 कशाहत, कांकार्या श्रीय जांगहन श्र्मिविगृह्य जैशहत्रमंत्र करिंदनमं अयर गांगन्यक निर्णिक भिक्त कामू करेंग्रा, व्याराग्राक्तिएय थाशीर अन्तियाधिमृत्यं छेन्द्रनान कतिर्वन । जात्ते,

শাচাধ্য ত্রিয়ত অহিযুক্ত মূঞ (শরপত্র) মেখল। (জভাবে কুশময়ী মেখল।) পরি-শাপন জন্ম মানবককে তুইটি মত্ৰ পড়াইবেন, যথা,--- এজাপভিশ্বিহুপ্তদ্দো মেখনা দেবতা উপনয়নে মেখলাপ্রিধাপয়ক আংচার্বাস্য মানবক্ষাচনে বিনিয়োগঃ। 🛎 ইয়ং इक्रकार शतियायमामा वर्गर शतिहार श्रमजीम ष्यानार । त्यानानामानार वनमावक्षी

अमिकि दाप्रमिकि यो १३४ । के देशर कृककाद । जिहे विशर त्यथमा (मनकाका प्रथमा भारत्रभणता विनि-মুজা। অক্ষচারি ক্রতে। ইয়ং ৫ কামেখন। মাঞ্জী নোহমান্ আগাত আগতবভী। কিং মুক্রাণা গুক্তাৰ অধ্যম্ভাশাশাদিতো বাধ্যান। নিবাৰ্যজী। বৰ্ণ আজ্বাদিকং শবিত্যশি পুন্তী প্ৰয়ন্তী। ভণা চ স্থতিঃ। মাজুহত গৃহধিজননং ফিতীয়ং মৌজবন্ধনাদিতি। পুনঃ কিং ক্ৰতি আধিস্যাপনস্য চ गरिमार्कालः त्रीरीर आवरको। स्रोतानानारमञ्जनामान् स्राधातायान्यात् । छथा यमा कनिनीत्र। भुजी हिंदी स्मिन्त हो मान मान भार भारत हिंदी जुने मुन्त हिंदी भूजा हुन हो। मन्हिना कराया। व्यापाण स्मानका

ষ্ঠা দেবী ফুডগা মেখনেরঃ।১৯। প্রাকৃথিভিশ্বিজ্ঞ প্রদেশ মেখনা নেখন মেখলা-পরিধাপত-আচার্যাস্য মানবকবাচনে বিনিয়েগাঃ। ওঁ খড্সা গোপ্তী তথ্য

भवीड ममदा ना थाक्टिल छर्चा घरछा श्रीड भूटन व हिला मिटव) मामदक्टक भन्छा-মিতি মধীৰে চতুৰী। ১৯। তি শততা গোপী। হে ভাতে শোভনে মেধাৰে যা কং আমোচারিসমক্ষিন কডায় সভায়। গোঞা পালগ্রী। তথকো বন্ধচ্চায় গ্রখী সর্বায় ভ্রায়তী রক্ত রক্টানি বিনাশগুলী। শার্তীঃ শার্ম সহ্যামা অপভিত্রতী। সৈবস্থুতা হং সামাং সমস্তং অভিপ্রোহি অভিমূধ্যেস সর্বত শাগভাছ বেইনেটভোপঃ। যথা জে তব ধর্তারো বয়ং কেন্টিৎ মারিষণমুমা ছিংমহি। শারাজীরিতি বার্ডা-तम मनः हास्य कम् या कक्नमीं ड भ्रत्नेत्रवर्धः षरमाप्रमिन्नि । २० ॥ - के ष्रमीक् छाः माविज्ञाः (मण्या-শহরব্যিতি ভাগেছিল প্রময়প্তিগুলি। তেমিন্তক স্নীহি। ডদ্প্তাং প্রাণ্ড সাবিক সাহ भवयो अजीवकः महमाना षाताजी। माममास्याजिनाद्यां जास पर्वातास्य प्रयास মারিষাম। २०। তৎপরে আচাবি মজোপ্রীত প্রিমুধ্র প্রাইবার জন্য (রুক্সার-চপ্রো-জিখিত মত্র পড়াইবেন, যথা,—প্রজাপ্তিশ্যিগায়তীছদেশ। বিজেদেশ্য দেবতা উপময়নে

फ्लाम कावित्रोः एषं म्हानस्यविष्के উপ্দিশ্জু। अन्तस्यत् न स्माहा ३०॥ 🎖 छ०, नविङ् স্মিতিত মানবক কথিত মন্ত পাঠ করিলে পর, আচাধ্য উহঁকে প্রথমতঃ পাদ পাদ এই সময় আংচমন কয়। আবেশ্কে । ডেংপরে, মানবক ণ≚চালিখিড মতা পাঠ প্রাক শাচাধীর সমীপবতী ছত্বে এবং আচাধ্যকে মিরীক্ষণ করিবে, মত্র ষথা, তাজা-भिष्टभंकि-ब्राहार्ट्या एमवरः। आकार्यन्यक्रत्यात्रहः। वै व्याभीदि छ्वाः जादिबीर সমুদ্ধং। অনোহনন্যং বসনং জরিফাং প্রীদধাহ্যজিনং (জরিফুপবীতং বাহ্যজিনং) দুধেয়ং। খানবককে মত্র পড়াইবেন, যথা,—] প্রজাণ্ডিশ্নিঃ শক্রীজদেশ হক্সিন দেবঙা উপ-নয়নেহজিল পরিধাপনে বিনিয়োগঃ। ওঁ মিত্রায় চফুক্রণং বলীয়তেওজো যশ্থি জুবিরং হায়ি। 🕉 মজেনাগরীতং পরমং পবিত্রং রহম্পাতিবং সহজং পুরস্তাৎ। আরুষ্যমগ্রা প্ৰতিমুক শুজং বজোপৰীতং বলমন্ত হেজঃ। [জাচাৰ্য কৃষণার চৰ্নোপৰীত ধারণ জন্য ৰজ্ঞোপ্ৰীত পলিধাপনে বিনিয়োগঃ। উ্যক্ষোপ্নীভম্সি যজ্জস্য ছোপ্ৰীতে নোপন্নে মে ভবানমূরবীড়। ২১।

शरत, षारक्षक षारक्षक उद्भारत, महास हारिया। यत्रापित क्रांक्श मिरवन, (मारिया)त क्रांक

भटित्रमाः **७८९९। ८**मयक शीमार्क्षियदा त्या नः अटिनम्बाष । भाष्रमीयः मनिक्टमयका क्षिनिमामिकः জাপে বিনিয়োগঃ। ডৎ অধ্যয়নং ভেজে বা ভগবতঃ স্বিভূদেবস্তু দেবনাদিভণাত ব্রেণ্ড ব্রশীয়ং ভগঃ कुर्नारत ना कर्गारमयन्त्र भीगत् [8] विभागित —। ॐ भिरमा त्या नः क्यंकाममार [पे] खक्रजीयः मविज्ञाणि त्मवाः धीम् विज्ञायः। त्या त्मारम्याकः पित्या वृष्धिः मानाधात्रमानाराष्ट्रात्यतु धांत्रभाषता निह तहना हक्यों कि मत्मी मुक् । माध्ये यतमानः मत्मात्मा या त्याणकाम्बनः। चाता-ভক্ষাদি একপ্রকার) যথা,— বিশাসিত্রপ্রিগায়ত্রীভক্ষঃ সবিতা দেবতা জগোপাসমুনে বিনি-য়োগাঃ। ও তেৎসনিতুর্সনেরণাং[১] বিশামিত থামি—। ও ভগোদেবজ্য ধীমাছি[২] विकाशिक अधि—। ॐ थिएत। एता नः कारामितार [०] विकाभिक अभि—। ॐ जदमिन क्ष्यंत्र कारानमा क्ष्यंहरम् । हिम्छ कि छन्वं मक्तान्मम्मकार्गांन क्ष्यंहर् कार्याड 5 নিবভীজে। ভগ ইতি ভূদি গাডোঃ কণণি ঘঞ্ব্যভায়েন পুংজং প্ৰথমৈক্বচনে। ধীষ্টীতি স্বাভে-

मश्रीकृष्टि कृष मरकाष्ट्रास क्रूप्रक्रिः वर्षेतिष् कार्तेष्ण् कृत्य त्वाषः षक्रेष्यभएष्टिकोकाद्राताषः। कृः

বিশালিক –। ও তৎসবিত্রপত্রেণাং ভর্গোদেবক্স শীমহি গিলো রোল: প্রচোদগাৎ [৬]

31

1

मंकांब्रामाणः । एक प्रशाय एक (माजनकी(कि मध मथा के एतकशृतमार्थ कांबाकिमा त्यारक व्योब्रोजयमार পুথিবী ভূবেহিভয়ীকং অদি/।। 🕉 আত্মা এতচ্জং ভবতি বৈলোক্যাত্মনঃ প্রতিপদ্যবৈতি পায়জাকিন গছট প্তৰণাশি অধ্যিষ্ত্ৰগা দেবতাঃ জংশ বিনিয়েগিঃ। ২২। ও ফুলাৰ ফুলাৰসং মা কুক। শ্রেষ্টা ফ্রা স অ্যানাঃ শ্রাবঃ শব্দের হলােহ্তিধীয়তে। শ্রেণাতেঃ কথানি সর্বাত্তিনাইছান্তদ্বের जर मामिन क्ष्मप्राः कुकः। पंत्राटिस्टान कृष्कः त्रमधात्रामिकः न मखन्ति उथाणापिकेष्टिक्षप्रचित्राचित्रात्र-জুবঃ ওঁ। প্রকাণ্ডিশ বিরম্ধু পছদঃ সূধ্যে দেবত। মহাব্যাফ্তি পাঠে বিনিয়োগঃ। 🄞 য়ঃ । তৎপরে, আচার্য মানবককে প্রণব ব্যান্ধতি যুক্ত সমন্ত সাবিত্রী তিনবার অধ্যা-শ্ভুক্তিরিয়ং কঙাপুথে বিনিষ্কুত: দঙালী দেবতে দওং গৃহন অকচারী তমলিক আর্থমতে। শোভনং ়। ২২। তৎপুরে, আংচার্য্য মান্যককে আদিনতে ওঁকার যুক্ত মহাব্যাজতি পুথক পুথক পাঠ 🕉 👳: 🕉। থকাপতিশ্বিক্ষকিকছদে। বায়ুদেবতা মহাব্যাশতি পাঠে বিনিয়োগং। 🕉 #রাইবেন, যথা, – প্রজাপতিশ্বিগায়ব্রীছদেশাহ্যিদেবত। মহাব্যাজতি পাঠে বিনিয়োগঃ।

তেৎপরে, বিক বা পলাশ শাখা নির্দ্তি মানবক-প্রিমিড দণ্ড মানবকের হতে দিয়া, জাচার্য্য भेटस, गृहीत मक जम्मठात्री जिम्मा कार्यना कतित्वन। कार्यमञ्ज्ञ मांछाम् निकटडे मामवक्टक मा अफ़ारेटनम, यथा, – शकानि जिल विने जिल्ला मारापि प्रति हैन-নয়নে ফানবক-জ্ঞাণ্ডে বিনিয়োগঃ। ওঁ স্ভাব স্ভাবসং মা কুফ বলা অমতে। জ্ঞাব भम क्राहेत्वम, षष्। -- खक्रां निर्मित्रोष्ट्रोकमः ग्रिज एत्जो कर्णा भम्मत् विभिष्मा । के कुई तः यः जरमिकुर्कतत्रभार ज्यानीरमयन वीयिह भिरता तथा मः आठोषप्रोर धम् 🅦 मुख्या (म्रायाण्यमध् मुख्य मुख्या बामार्गम् कृष्टामर। २०।

निरिहर्त । अवम्तिः सार्वत्र । एरं भारत मुस्त भूमत्राम्याप्न मधान्त्र मुस्त्वक्षित्रमः मानिरिक। वचा के तमत्व माना भूसत। अवः मक्रामण्यः भूसताः क्रामर १२०। 🛎 भाषतः भीषकः वक्षिक-मार्ग्यक्षर मिष्मामारम विमिष्कर। अकार्गती जर्जा। व्यक्त कारम मिष्मस्तिर चार्चक्षान्। क्षिक्षिक শুলি" এই একারে ডিকা প্রাধনা স্মিছিত ভগ্নী প্রভৃতির নিক্টেও করিবে। পিতা गांठका कतित्यम, यथा, ... "अविङ जिक्यार सिहि" नर्तित जिक्या शहर कतिया विनित्य " के

সাবিত্রী-চরু হোমঃ #।

P. P. D. L. Stephen.

আৰ্চাৰ্য চর পাক নিমিত্তক ততুল স্পের উপর স্থাপন করিয়া, ঐ ততুলে চমসস্থ अहरतत कि मित्रा, छेश छत्रभटन शहन श्रवंक "' मित्र वा मुद्धर निर्वामि"। मत्त्र भूषनभाता अवचा करित्व, भागत हर्गात ७ जे थाकात अभावक अवचा कि कतिया

जुनिश्वा फिन वात बारफाठेन नुर्वक किन वात क्षेकालन कतित्व। शतत, शांकशाह्य

माना रमा क्या क्या बारक। धक्रिक मक कारपात भवकारण जमकाति मक्ता धन्ते निर् जुला के जांबातन शुला कहाहरत । छनवान मिनम किन मित्न (क्षावानीक छक् अन्ति।) एकाकन क्रियंक भाष माविद्योषिकरिश्मित्रम्यवर्गावर्गा मविद्यं याहा। ३ । भागतं माहा। ३ । त्रायाम महशा ७। একটি উত্তরাগ্র পবিত্র দিয়া, উহাতে তত্তুল, গুগ ও কিঞ্জিৎ কিঞ্ছিৎ জল প্রকেশ করিয়া পাবিত্রী চক্তহোম উপনগ্রনের কর দিলে করা ভবদেবের মত, একণে এক দিনেই স্মাব্দ্রন প্রান্ত পাক করিতে (কোন যজীয় অন্তের মণ্ড নিসংরণ করিতেনা)। মেক্ষণ ছারা দক্ষিণা-मक्स महािम मित्र मित्र मित्र क्रिको है अपर अपर जारण टेनर्वम मारज ट्रम्थ। १६-१९।

বতে অবষ্টন পূর্মক প্রাধিত জাঙের আলোক ঘার। আলী মধ্য আবলোকন করিছোঁ। ষালী নামাইয়া, পুনশ্চ ঐ চক্ততে একবার্য়ত দিবে এবং অগ্নির আলোকেউহা দেখিৰে। তৎপরে: মেক্ষণ ধারা সন্তত চরু এইণ পুর্নক; উ"স্বিত্র ক্ষি।" মত্রে চরু হোম করিয়া, পাকলোগ ছইলে, ঐ চক্ততে তুইবার যুক্তধারা দিয়া, অ্যির ঈশান কোণে কুশার উপর চক্

(अवरण्य गर्ड कनामिका कामना थाकिटन रहारमत किक्षिर दिरम्म निषिधार्यन)।

মেশাণ আব্যাতে নিকোপ করণান্তর মহাব্যাহতি হোমাডে সমিধ আকোপ করিবৰে।

কাগ্যে পি**লি**কুতে প্রিচা শোভনং স্মাক্ ফলাবাঙা ইটং যাপাং ক্রোডীতি পি**টি**কুৎ। **উতি** षाठांका टिडक नागक अधिकाशना कि कतिया, मित्र कारक्ल प्रक्रक धकायांकि म्यायायाच्या माविनी छक्ट श्यक्तावाः नमान्या । ६ । জাতা সমাবিজ্ঞানস্থা। তি আনুষ্ঠা কাৰি। ফুর্ড এবংস্ভাবি স্তাজিপা বাহনিদা সমূপাধাং সমূপালিক

পেৰজ, স্মাৰজসংহামে বিদিয়োগ:। উ ৰায়ে। অভপতে ত্ৰুমচাৰ্য কৃতে শাৰৰীৰ শ্মিকায়িকেবিতা সমাবর্তনচোমে বিনিয়োগঃ। ওঁ জাগে এডপতে এতমচাধং ভতে ধারবীসি উদ্ধান্ত (ভ্ৰমানাৎ স্মিদমহমন্তাৎ স্তামুশাগাং সাহা।১। প্ৰশ্পতিশ্যিবাৰু-ছোগ করিবে। তংশরে, শাঁচটি মত্রে শাঁচনার গ্ডাভতি দিহব, 🛊 ঘণা,---একাণাত্রি-

2002011

দেষজ্ঞ। স্মাবর্জনহোলে বিনিয়োগঃ। উপুণ্ একপতে অভমচানং ডভে প্রবীমি উদ্দক্ত ভেনারাৎ সমিদম্মন্তাৎ সভ্যুপাগাং হাহ।। ২। প্রাণ্ডিশ্বিঃ পূর্যো। ভদশকং ভেনারাৎ নমিদমনমন্তাৎ সত্যুপাগাং থাহা। ০। একাপতিশামিকটেকা। দেশত। সমাবর্জনহোগে বিনিয়োগঃ। উচ্চা গ্রহণতে জতমচাগং ডভে প্রবীমি ভদশকং ভেনারাৎ সমিদমহমন্তাৎ স্ভানুপাগাং বাহা। ৪। এজাপতিশ্বিরিজো দেবতা

क्रवाम्मीम् ३०३ के वाहता-न्द्रेक्नामि २ -- ६ । के दवल व्हतम्माहः । वृत्त्रिममाहत्रमुमकाश्रामिकारिक

শাভিষতে এই পাঁচটি হোষ উপলয়লালল কিন্তু সমাবহুলেই সাধারণে ব্যবহার করেয়।

- MAN ALLEMAN BOOK SELECTION SELEC

गत्र भाठे कतित्रा, वे कवाक्रनि कृषिट उग्निंग कतित्व, महायथा,--काक्राभिष्धिवि-त्रशामित्रा সর্কৌষ্ধি এবং চন্দলমিতি শীতলোক কল্যায়া অঞ্জলি প্রহণ পুর্বিক আচার্য পাটক দেবঙা সমাবর্জনে একচার্ব দিকাঞ্লিভানে বিনিয়োগঃ। উ বেশ হুরুয়য়ঃ প্রবিষ্ঠা গোল্ उन्तारका यदमोटका मत्माका चरमा विक्रमण्यमृश्मितिशक्षाका व्यक्ति। रुक्तामि १७। थूनम्ड भूसंवर ब्रीहि यदामिष्ट्रक कलाश्रमि लहेशा, जाठारीभिष्टिक मञ्जभाठे कतिया जिला বিনিষ্ভাং। বেংগ্লোব কামাণাঃ জাব্মু জাতশাবে পাবিটাঃ। কে পুনতে গোছাঃ উপ্পোজ্যনে কিং खरभटत, जन्मानाती श्रमाञ्च क्रेत्रा, उठत्राज्जिए । उत्ताबहे भानार्यात्र बार्य क्र्यात्रत উপবেশন করিবেন। পরে, আঁহি শালি ধব মুদ্গ গোধুন ডিল নৰ্প প্রভৃতি সভা প্রকার শকং ডেনারাৎ সমিদমহমন্তাৎ সভ্যমুশাগাং স্বাহঃ। ৫।

মনোছা থলো বিকলঃ ভছদ্বিঃ ইজিবহা ভানেভানটো অগ্নীন কুনভ্যগান অভিস্ভায়ি ভাষায়ি বেনেশং कनार सम जानारवांत्रार कवटीर)व्हा ४७ ॥ के वनगोर क्षांत्रर वनगोर क्रुविस्हापित (व्हाज्ञानरज्ञा अवकाः ।

PAN AND BARBOOK (AND

নিমাঞ্যা শাস্থানমভিনিকামি। ৮। কিম্প্যেশবে তেজ্বে ব্ৰক্ষ্ট্নাগ বলালে বিষ্ণাগ্ৰী अन्तीः नविक् यहरमातः जीयः वाजः धरः मिकेत्रः यकामात्रः क्रवाकतः जनकिष्णामि ॥ १॥ ॐ (या अन्तिमधीम भ्रम्नीय ट्रमार्कः यामजितिक्याम । मञ्जितः त्राचनमामाधिक्वकः ष्राज्यकः विनिष्कुः। ৰূপসভি তৎ কৃষ্ণামি।৭। পুনশ্চ পুৰুৱর ন্যায় সক্ষেদিধি ও চন্দনাদি মিস্তিত জলছায়। শুদিত অঞ্চলি একচারী সীয় ঘছেকে অভিষেচন ক্রিবেন, মন্ত ঘথা,--প্রজাপতিশ্ধী-রোচমোণ্ডিয়েলবঙা সমাক্তিনে অকাচাব্যুদকাজলিসেকে নিনিয়োগঃ। ঔ যো রোচন ফুমিছ গুছুমি ডেন্মাছং গোমভিমিকামি।৮। পুন=চ জলাজলি এহণ প্ৰকি পশ্চাজিখিত মত্তে সীয় মন্তকে অভিষেক করিবে,—প্রজাপতিথ দীরোচনোহযিদে বত। এমচার্গ্যদক।-अभिरम्दक विभित्राभः। ॐ मभटम एडफरम उष्पर्कमाम् (उष्पर्कतम्) यमाम् के मिन्नाम গোষণাণিযু ভাঞো যোহজো রোচনাথোম্থানীজিকরভাষ্য গুয়ামিতভশ্চনাজ্কাশিনা তেন রোচ-

मामिं जिसक उर । १ भून क श्रम्य का नाक मि न जे मा जायक भी माय क का जिरम क দেবতে সমাবর্জনে একচার্ দেকাঞ্জিনেন্দে বিনিয়েগণঃ। ওঁ যেন ব্রিয়মরুণুতং বেনা-পায়ুগতং জুরাং যেশাকানভিষিঞ্ডং বেনেমাং প্থিবীংমহীং ঘদ্বাং ডদজিনা-ঘশচ্ছেন মন্ততে অভিষেক করিবে, মার ব্যা,—প্রজাণ্ডিথ্যিঃ ষ্ট্টকা মহাপংক্তিন্দ্রেশ্চিন্

क जिएव ।

ষ্যুর রায়সেশ্বিয় জ্পচিত্ত। রাহ্দেশ্যরে ধনসমূদ্ধি হিঞ্চিদীপ্তিঃ। জ্পনিচিতিঃ পূজাব্যাপ্তিঃ।৯ । উ যেন ক্লিয়ম্কুড়া। ষ্ডটকা ষ্যাপ্রজিসিয়ং জাখিনো দেবতে জাখিনো দেববৈদ্যা কলগোম্বিলা-टिरक्षो। जम्मकात्रिना मस्कृत त्यान्तिक। ८३ अस्मिना ज्यान्तिको एतन कथाना युवाः अपूर्तानाः जित्रम-

জুৰুত: হিংনিতৰভৌ। চেন চ ফুরা: মদিরা: অপামুবউং ধডিতবডৌ। বেনাকান পাশকান অপামুবত: रमा ठ हेया: श्विती: मही: यहती: बाखाविकतः व्याजिष्कियाकी ममाधाराश्व्यंषाराश महिक्याको। এমজ্জং হব বা তুর্বেছিশঃ শোভনং কথা ছেন। মাম্ভিহিক্তং হথা সুব্ভিত্মস্মতিবিজ্ঞঃ ক্রক্তিস্

ইতি ইয়াঙিয়িকীকারণাধুশসংখানমিতীকারে ফতে আদ্ওণঃ॥১০॥ ওঁ উদ্যুন্ আজঙ্গিতিরিজো। उरभारत, जन्माधाती जामिट्या जिस्टा मधात्रमांन स्टेगा, अभ्यासिष्ठ मञ्ज ठड्डेन দুশ্সনির্দি দুশ্সনিং মাকুর্দা ছ। বিশাম্যা মা বিশ। প্রজাপতিপ্রি-রাদিত্যো দেবতা ভৰামি। জাখিনা ইতি যুপাংস্কুগিভাগদিন। প্ৰয়মাধিবচনত নাদেশঃ; যেচেমামিড্গন যে পাঠ পুৰ্মক সুৰ্যোপস্থান ক্ৰিবে, মন্ত্ৰ ম্বা,—প্ৰজাপতিশ্বিধাদিত্যো দেবতা আদিত্যো-भक्षाटन विनिध्योगः। ॐ छेमान् जाक-कृष्टिजितित्सम्। मङ्गिस्त्रियाद क्षार्च्यादिस्त्रियाद

क्स: काफिछा उत्ताम समीयमानः यक्तिर्भट्दः महायार विरुद्धान्। किस्टेटः खांकक्षिणिः দশানাং সংবিভক্তাসি অভো মামশি দশননিং কুক অভং দা ৰাং আবিশামি অধিডেনোপগচ্চামি मझ छड्डेमगामिछ। टेमनडर डिल्माम निमिय्कः। जीवि यक्त्वि त्यारमारस्हे न्। शत्रेमधरारमाश् न त्करकार प्रकृष्ठिकष्टां व्योजनीतात्मा तम्यतित्यत्रोत्कः तक्ष्णाकां क्रिजना किन मन्त्रिति। अस्त्रम्भि या मार मादिन अस्मिक्कनमारम्भाष्टिमूर्या छव। त्यार्थावदाविधिविध या त्यानरन। আকত ইতি একোভিনাং ভৃষ্টি ে ড ডথেজাং । তৈঃ অভিনয়দীপ্ৰাবৈন্ধিভাগ:।

জাভোষণি কুনিপ বুনিপ্ডেন্ডিব্নিপ্। দশস্নিরিতি বনস্ন সংভক্তে ছিন্দি বন সণ বিক্ষম্থামিতীন। আদিত্ত্যোপ্যালে বিনিয়োগঃ। ও তদান্ আজ-ভূজ্ভিরিজ্যো মকান্ত্রয়াৎ মাজপ্নোভর-ছাৎ শতস্মির্সি শতসনিং যা কুর্বা ছা বিশাম্যা মা বিশা। প্রজাণ্ডিখবিরাদিড্যো দেবজা আদিত্ত্যোপস্থানে বিনিয়োগঃ। ও উদ্যন্ লাজ-ভৃষিভিনিজো মক্ষজিরমাৎ माग्रर याविष्डतभार मञ्खननित्रनि मञ्खननित मा कुक्ता का विभागम माविभ । टाक्रमिष्ड-ঋষিরমূপ্ত পু ছল আদিতেনা দেবতা আদিতোপিছানে বিনিয়োগঃ। ওঁ চকুরবি চকু-আবিশামি আহিলেডি ব্যবহিতোপস্বসন্ধা শান্তপুন। দেববিশেষ্ঃ বহুলং ছক্দশীতি এশুন क्टब्छि। माग्नुरवादाटमा तम्बिबिटमायाः 5फूबिम। एक क्र्मा ट्यामम भाष्पामः ष्वनिष्ठेः ष्ववक्रिक्। रक्षः टेज्यतीक्षा ठक्ष्रत्रि ज्या त्योक्ष्णाणि ठक्षः मर्मनम्बिक्ष्यत्रा िक्षः त्यारम् जाम्बन्नात्र्ययिषोगाक ख्यक्रदाय भाभागि कहि त्रामखा ताकाश्वजु नमस्स्थेष मा माहिश्मीः॥ >>--->॥

ইবিকা আছাং কাৰত আপাৰ্যায়ত। দেবনিন্যয়ং চক্ত ইতি কুছা এবং ভতায় নমতেহন্ত যা যা হিংদীঃ। চফুইমিতি ব্যভচচজুমলভঃ পাদমিতিব্যু টুৰ্প ৷ অবক্ষীতি ব্যুব্দিতোপুস্বস্থাঃ ৪১১—১৪ 🛭 🍎 পরে ব্রশ্নারী শ্রীরের অধ্যোদিক্ হ্টতে মেখ্লা মোচন 🕸 ক্রিবে, মন্ত্র ঘথা,—শুনঃ मिक असिखिष्टे न करमा वकरनी प्रविज्ञा प्रथम्। प्रमान्त्रम विभित्योगः। ७ छेष्टुष्टमर ব্যুণ্ণাশ্যন্দ্বাধ্যং বি-মধ্যুমং শ্রাণায় অ্পাদিত্য ব্রভে ব্যুৎ ভ্রানাগ্রেমা শ্রদিত্যে

ष्टिश्वमः। जिष्टे विशः खनःऽभिककवित्रकत्मा तम्बङा त्यथनार्गाण्डन विनिश्वका। ष्णमशा विष्टे गो खनः-* মেখলা এবং পশ্চাৎ পরিত্যক্ত যজোপবীত পশ্চাৎ গৃহীত বংশ দণ্ডেমমূলদেশে বিজড়িত করিবে। त्यक्तिकः भोटेमर्मिकः अधित्याक्षितं यक्षाः क्षांभित्रामाम । ए दक्षा षामारमकामार छेख्यः कश्रेतिक्रिकः শাশব্দ্ধনং উচ্ছুপায় উদ্দুভারয় জন্মহং পাদাবস্থিতং অব্লাথায় অধস্তাদবতারয় মধামং কটী-দেশাব্যিততং বিশ্বধায় ভত্তত্মেব শিশিক কল। শুনঃ শেফেন ভূরো বরুণঃ প্রাধ্যে। কে আদিত্য অপিডিপুতা বঞ্চ। অধ্য পাশ্মোকার্মন্তর ভব রতে প্রিচম্নালকতে বয়ং অনাগ্সোহ্নপ্রাধাঃ স্থাঃ স্যায় ভবেম। ম কেবলং তব অদিতবে অদিতেশত তব মাউঃ। অথায়েতি এথাতেলোট সিপ্। इन्हीं भाषकी जिल्लाम है । जासक है व जनमि है एकारक नानिहिंदा । जानिहास किएम मिकामिका पार ॥ ३०॥ म्भाम । ५६ ।

তৎপরে, বৈৰদণ্ড ভগ্ন করিয়া, অমন্তক শামিতে নিঃক্ষেণ পূৰ্মক মহাব্যাক্ষতিহোম

পরে, জাননিমিতক মততে জলের ছিটা দিয়া, পটাদি বা নবশুর বস্ত্র পরিধান क्तिया, क्रमीछा कर्णा नगानम कतिरव।

श्रक, -- के चरकाणवी उपनि-भरत (अ शृधा) क्रवे वाचि यरकाणवी उ श्रवाम केतिया

কুষ্ণমার চর্মসংযুক্ত যজোপবীত অমন্ত্রক ভ্যাগ করিলে এবং অলঙ্কার ভ্রিত হইয়া भन्दरक माला वधन कतिरद, मज यथा, -- धाकाणि ध्यतिः श्रीरम वजा अधकरन विनित्याणः উ এরেরি মছি রমল। ১৩। চর্মণাত্তকা পরিধান জন্য মন্ত্র পড়িবে, যথা,—প্রজাণীতি-

अधिकामाराक्षत्का छिमान भित्रमाभटम दिनित्यानाः। ४ तनत्वा तका नवकर मार।

🕉 জীর্সি মন্ত্র লয়ত। জীলৈবতং অধন্ধনে বিনিষ্কাং যজ্য। হে মালে যা 🗣 জীন সীরসি সা শুসি সুল্ল ভাৰতাৰ: কুক ॥ ১৬॥ তি নেত্ৰো) ছে! নয়ত: মাং।, উপানদৈশ্বত: যক্ত্ৰ:। উপান্ত-শুরিধাপ্তে বিনিযুক্ত:। তে উপানছো ঘড়ো ম্বাং নেরো) নয়নশজিকাদে যা ভব্ধঃ জাতো

শ বিদিত্ত। দেবতাদ তথহতে বিনিয়োগঃ। তঁগদাকে ফিলুপ মাজন বা ১৮। বকাচারী বৈণৰ জাভাবে পলাস ডিদভাবে বংশ দুগু গ্ৰহণ পূৰ্পক মন্ত্ৰ পড়িবে, যথা,—প্ৰজ্ঞাপতি-ज्यां हार्या ममीटण बाहेबा मन्त्रियम् आं हार्यातक मर्गम भ्रंतक मज्ज अष्टित, कथा, --- शकार्याज-

अधिकाषाम् । विज्ञात्रमा एमवट ज्याष्टार्थ-अधिवरमात्रीकारन विजित्यानः। क वक्ताम् চকুষঃ প্রিয়োবো ভূয়াসং।১৯। একাচারী দক্ষিণ হত্তের বিস্তৃত অংকুলিয়াখীয় মাং নয়তং ইটপ্রাপ্তরে দেশাস্তরং প্রাপিয়তং ।১৭॥ ওঁ গৃস্ধর্পোহয়।প্রাপ্য স্ত গৃহহৎ বিনিযুক্তং। क्टोक्रकः यसूतिकः। ट्रमाध यङ्कः गम्मे आमित्जामि तक्काक्ष्यानि खत्का मा मार छमाव छन ममीरन র্কা। কাবরকাণে ব্যবহিতোপর সম্ভঃ:৮। ওঁ যক্ষিবচফ্বঃ তিয়েয়া বো ভ্রাসং। যকুরিকং ভূয়াশংক ইব ফকমিব। যথ। যজে। দশিনীয়ভয়া দক্তিনাকদা চকুবাং বরভঃ তথাহমপি বুমচেকুম্বামি-মুখ-বায়ু আছেদিন পুৰক মত্ৰ পড়িবে, যথা,---প্ৰজাপতিথনিরমূপ্ত প্ছন্দো জিজা জাচাৰ্গণিরিবদোকীক্দণে বিনিযুক্তং। এউদেব তে জাচাৰ্গণিরিবৎ সমেভরো যুমাকং চক্ষয়ঃ কিরোয়ছং

छ]र्थः सक्षिय निक्र्याखालम् । शुर्मकषः। ठक्ष्य हेटि क्षांछ। तक्ष्य का

অতঃপর আচাষ্য অঘ্য পাদ্য অশত্তে গন্ধ-প্রপ দারা বন্ধচারীকে পূজা করিবেন।

প্রভরণঃ স্বীরো গোভিঃ সমন্ধাসি বীড়য়স্থ। রথসংম্পশ এবং রথোপরি উপ্রেশন भरत, उक्कानती तथारत्राच्न छरमरम भव शिष्टावन, यथा,--क्षकाभिष्ठिश सि-विष्ठे भ करमा রংখাদেৰতা রখাভিমন্ণারোছণে বিনিয়োগঃ। উবনস্পতে বীড্ৰেশাহি ভূয়া অন্সৎসশা

ই বিষং কিছাদেখত। মুধপ্রাণকার্শনে বিনিযুক্তা। সাতকেন কিছা প্রাধাতে। হে কিছে। ইছ প্রস্থাত

ক্ষীণি আংমু ছংমু বিক্রম মাচনিষ্যুসি উপজঃ পাদপুরণে। মামাং চাক শোহনং ধৰাজ্ঞান্তথা বাচং বাদ্য উচ্চায়ল যত্তৰং ভটাশিধানা ভটঃ অপিধানমবিলণং যজাঃ দা তথা। নকুলী চঞ্চলস্থানার তথা দত্তশ্রিমিতঃ পরিজ্ঞাবরণে বন্ধ ট্ব হং॥২০॥ ওঁ বনজ্গতে ত্রিই বিয়ং রথদেবতা রথারোহণে বিনিযুক্তা। শ্বথঃ জাৰ্চিত। বলকাতি বিকারবাৎ বলকাতিশলেক রথ এবেবাচ্যতে। হে বনশ্চতে রথ ষং বীত্তে লা कুয়ঃ বিড়ানি মহাভারসহানি অঙ্গানি চকেত্বরপ্তভীনি যন্ত স তথাসংশ্য জন্মাকং মিররপো জন্ম: 🖁

हिं मियावर्कनर ममाख्ये।

ভং পুষং প্রাবিজ্যা নটায়ায়াছ নো গুহে ি পুনশ্চ আচাধ্য অধ্য বা গলগুল্প ঘারা একাশ উচেদশে মাল পড়িৰে, যথা,—-থাজাপতিথবিক্ত পুপ্তদেশ রথো দেবতা রথোপবেশনে বিনিয়োগঃ। ওঁ আয়োডা ডে জয়তু জেছানি।—-২২। প্রজাপতিশ্বিরসূত্রণ ছলেন। ভগেজে । দেবতে গব্যসমন্তনে বিনিয়োগঃ। ও ইমা মে বিষতো বীরোঁ। ভব ইস্মশ্চরক हातीएक शक्का क्रिया, मिन्मभाष्ट ७ जिक्छानयात्रभात्रभाव क्रियन।

জোগি নাযুজোগি। যত অংমবস্থতোইততাং জাঙোইমানপি বীড়গ়স দৃচ্যবান্ কুক। কিফ তে তব জাছাত। জাষোটা জেখানি জেতব্যালি থিম্ছু দানি অস্তু। বীডুদ ইতি বিভ্ৰাণজ ফেদ্বিদীধ্যং বীড্যধেতার চ। জেছালীতি জি জয়ে ফুডাগে তবৈকো কেন্তৰ ইতি কন প্ৰচাগ্ৰ ॥২১ - ২২। সম্বিভানগ্ৰব্যাথা; সম্জো। তথা প্ৰভরণ: প্ৰকংশি তরজি ত্রীণি যেন াতথা। তথা সুধীরং সুমারথিং তথা সোহিতুৰিতৈ। মূল-

जिला किया अधिमिषि शुरवाहित मन्ता श्रुकामि जिला कार्या ममाधा करिया, उत्तताम हरेशा मकन्न केतिर्यम, यथा,---विकृत्त्राम् ७९ मत्माममा जमुरक मामि ष्पमुरक भएक ष्पमुक काटमा विकामि प्रविज्ञा शुक्रनम्ह कतिमापि। मक्षण शुक्र महामि भाठे शुक्क भामधाम जिट्ट ने अमेक त्यांकः खिलमूक प्रवर्षमा वमूक त्यांबक खिलमूक प्रवर्णमा त्या विमानांच-

* किए किए मान बनिया मात्रमवर्ष अपना बहेश थाटक चर्षां बन्ध किम बहेटक अपिक टमोत्र क्यमहा भी हिमिस महमास्था मध्य दाम मिरम मादन द्रदम्द ह्य, अहे क्षकारत भिष्ठ ठाति मादम दरम्द छक्षी ভিষিত্তে ও শলি মকল ভিন্ন বাবে অকেপদেক বিদ্যারভ করা বিহিত। বিদ্যারভা রবি অক ও চক্র क्हेंटन शंक्य नांदन वर्तात मर्था हिनायन ककान्छानि मक्तिन ७ मन्याप्त मिन धरः वर्ष विक्रा नांडियक डीश अफिर अर्माम्बर्ग विराग मिमामि पश्चिमां एत्या ।।

विष्या मिरवात्रा अव्यक्तात्र माश्च कारलाव्या अधिमती अस्ति हिंड कात्रा मुस्सि वाथा यह व वृत्रित्य,

গৃহারত 🛊 ।

পুরোধিত খীয় নিতা প্রাদি সমাপন করিয়া, সংকল করিবেন' যথা,—হিছুরোষ্ড তৎস্পদ্য জযুকে দানি অনুকে পদ্কে অনুক ভিথেব অনুক গোতাঃ জীজনুক দেবশৰ্ষা অনুক গোতাগু জীজনুক দেবশৰ্ষ धिक्षां क-मन्द्रमार्याणमम् क्राया वाष्ट्रप्रजायहर क्रिया

্ৰাছর দিছে। (আগ্রকোণ) ভাগে চতুরসুলি গভীর এবং হত্ত প্রাণ দীব ও প্রত্ত প্রান্তরাপলিগু ও

 कांक्र क्रिकिक क्रांक्रिक ब्रांक्र केव्ववृत्य शृह कावाहात त्रीय याच यात्र शृक्य शृक, क्रांक्र टिव्य জৈশাল এমেন দ্দিকণ মূল পুক, টকাট আপাট আবিণ নানে পাতিন মূল গৃহ করা প্রশাস্ত। মতাজনে, কর্কট ক্জ দিক্তি এক্ষক্ত বিক্রাধীন কুর্মবা পশ্চিক মারি এবং চুলা যেব বুব ও ব্লিচক ছ রবিকালীন পকিন या उन्हार महिल्ला महास्थात । क्षममान किल्ल निमित्र मम्बे नाहर तम् भाष्म भाष्म विभिन्न मिन দেশিয়া পুৰায়ক করিব। গুই এব্যেশ ও এই কাজে হক্তবে জাধিকত কোটা ও পুনৰ্কায় নকান্ত ইচাতে বিক্টিত। শ্ৰণাদি বেবকী পৰ্গত্ত ছুগুটা নক্ষতে প্ৰধাৱত গৃহ বছনাদি ক্ৰিছে না

জাপায় দাবিতার জংযায় জংতায় জংবৃত্তে স্ববিব্যতে ইন্দায় মিতায় রাজবৈত্ত । পৃধীধরায় জাণ-The word of the annual training account to ক্রিবে, যথা,— এম গন্ধ ওঁ গণণশায় নমঃ (এইক্রমে) স্ধায়, সোমায়, মজলায়, ব্ধায়, বৃহস্পতরে, खकात्र, मेटेनम्डतात्र, त्राश्ट, ट्व्ह्छाः, हेसानिम्मनिक्षारमञ्जाः। ट्क्व्युपारमञ्ज्ञः छ्टक्र्यदर्घाः কুয়ছতেভতঃ অকলে বালপুক্ষাম শিথিনে পধ্যপায় ক্ষলায় ইন্দায় স্থ্যায় স্ত্ৰায় ভূশায় কাকাশায় ৰায়বে প্ৰেফ বিতথায় গৃহক্ষতায় থমায় গন্ধৰ্কায় ভুলগাজায় মুগায় শিভ্ততঃ দৌবায়িকায় স্থীবায় পুশ্দকায় বকণায় জাত্মরায় শোধায় পাণায় রোগায় জহরে মুখ্যায় ভন্নটোর লোমার জাদিতৈ দিট্ত্য তৎপারে, বোড়শোপচারে বা দশোপচারে বিষ্ণুষ পূজা করিয়া,—"ওঁ নমজ্ঞে বছরূপায় বিষ্ণুৰ প্রমান্তনে সাহ।" মত্তে পুত্লাঞ্জিন দিবে। পরে, দশোপচারে বা বোড়শোপচারে পশচান্তিথিত एमरेडा मिरांत्र शुक्ता कतिरत, यथा,—जिटेंग्र, वाच्हरमवाग्न, शियदेता । वाच्छरमवरक अर्थामान मज्ज,—डि আংখার শক্তিরপত্তং ক্রারপী জনাধনঃ। গৃহাণাগিং নয় দ্ভনাচস্থাকং হিরো ভব। শত্ম দার হুত্ব সম্ধিত অধ্য লইয়া পৃথিবীকে একান ক্রিবে, মত্ত ব্যা,—অত্ত তিইজি বেনাগা ভ্যিঠা ভূমি-ৰৎসায় অন্ধণে চরকৈ বিদার্থ্য প্তনারৈ পাপরাক্ষণ্যৈ অধ্যয়ে জাধ্যয়ে জন্তকায় পিলিপিঞ্জায়।

শ্লক হাঃ। অংশল শ্লীত তে সংক্ৰেণুকাণ্যিং ধরিতি মে। ভিলণ্গতে কছতে খেবজোণ্ডিনাজিনি

ময়। পূজা স্থাছ: গুহিণঃ কুক। বস্করে বরারোহে ভ্রানং যে দীয়তাং ভভে। ছৎএসালাজাহালেবি বসুধাকে প্রণাফ, প্রক প্রার্থনা করিবে, – উ শুভে চ শেভেনে দেবি চছুরলে মহীতলে। স্মূভগে भूखाम त्मिवि श्रीत् काश्चानि त्रमाक्ताः। व्यत्तातम जाकात्म श्राम स्तानकामित्रमः भूत्व। कृष्णाः कृष्ण वनायाहर कर गरहे ग्रहांनावार संबच्चि त्य ॥

मात्र छक्क विन नहेशा मिरव, यज्ञ थथा, - छ अधिएछानिष नार्मास्का व ठाएछ छरम्याजिछाः। गृक्क गोंगः गरम वाध-गृक्षागातः भूतः। छ्ळथापाय मळ, -क्छानि वातीह वनां छानि, विवाः তে ভেগা বুলিং অধ্যক্তামি পুণ্যমোদনমূত্যং। ভূতানি রাক্ষণা বাপি থেংক ভিটকি কেটন। তে मुश्रीय विधित्नाममामिकः। षाम्य वां महिकद्यास क्यां छातीर नावार्ष (छकाः। क्रिकार ज जिस्कार कुछा।

উচ্চারণ প্রকি"—"উ বিশ্বকরণে নম:" মল্লে প্রা করিবে। শলে কডিডঙ স্হারজকরণা মাক-ভংশতে এইগঠমহোল্টি দুৰ্বী জাতণতত মুখুলা কল আলগ্ৰৰ সংস্কুত অধ্য জলপুৰ ৰুটে নইল, বাজ-(मयरक मिरव, -- 'क्रममंत्राः के वारखान्नान्ताः ।" 'कि निद्यार्गात (मवात्र नमरक्ष विषक्षार्गा नात्रा

मुच्या मक्तिमाश्र क्षेत्र भिष्ठा क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र क्षात्र । भरत्र, भूषाभाष्ठ निमिष्ठक मैचानाकि ইটকাম-প্রসিদ্ধার্ণ পুনরাগ্যনার চা। "ক্মধ্বং" ব্লিয়া প্জিত দেবতাদিগ্রেক বিসক্ষন পুর্কক ঘট-ष्टिक चार्का खालकात्रा शुरक्षीयक शर्क श्रुत्रन कत्रित्रा, व्यान्य डिक्कात्रनीमच्छत्र को चारान शुष्ण व्यरिष्मण कत्रिर्य, दक्रीय एक्ट्रेट्स क्रामिक्शकरम कीमक (त्योंडि) त्रामण क्रियर बायर क्षाफारक मझ मिष्ट्र, रथा,--উ বিশক্ত ডেংভবে নাগা লোকণালাক কামগাঃ। গৃহে ডমিংক ডি**ঠছ আ্র্ণিলক্রাঃ নদা।** क्रेगांनामिकटम श्वाबाजा जिनवाज त्वहेन कत्रित्व। श्रंक्षांक्रगर्ड धक्ष्णांन ष्राज्ञ के जाशिता, केश्र डिनत मधि मुन्ता जून्न डकुन (अवर शक्तक) धामांत्र श्रव्यक मृष्टिका मित्रा खाखारतांना कतिरच, मज वक्षा.---व्याहरणा भित्रियक्षिम्बाष्ट व्याहनः। ७ खात्राज्ञा भृष्ट् छ-ख्या प्रवास खन्। मृष् क्ष्य ककी जिका श्रमाणि मयाने भूकीक श्रम मामार्गि शंजन कतिया, जोषापटक कांकमाणि मित्रा, मराकड আয়ালাল ও জনা সম্বিত কলাপুৰ কৃত্ত এবং বালাণ্ডিগকে অত্তে ক্ৰিয়া, গোপুত লগাৰ ক্রিডে ক্রিডে ভাৰ্ণ-ইত্যাদিক্তমে দক্তিণাক্ত করিয়া, বলিবে,—ওঁ বাৰ্ভদেবগণাঃ সৰ্কে প্ৰণামাদার হাজিকাৎ गुरुष्टात्यम् । स्ट्रम काकामि जियात्र महा शहः मत्र छा्णन कत्रित ।

গৃহপ্রধেবেশ করিবেন।. ভৎকালে পৃহিণীও কতার বামপাশে থাকিয়া বামকক্ষে জলপূর্ণ কুজ্ঞ ड्याद, कंडी वा शूरवाधिक नवशृष्ट माधा आमारल উপবেশন পূর্বক महन्न कत्रियन, यथा,---आफ्र-এবং মস্তকে ধাগুপুৰ স্বৰ্প সইয়া ভন্তার সহিত গৃহ প্রবেশ করিবেন।

প্রবেশ নিমিশুক সগণাধিশ গোধ্যাদি-বোডশমাত্কাগ্জা বনোর্ধানাম্য্য স্ক দুপাড়াদরিক-मुक्किमाख्य कश्वित्वन। छद्भरत, दर्शोष्रामि शृका निमिष्डक महन्न कत्रित्व, वया, -- आरमाडग्रामि- नवशृष्ट् आष्ट्रकर्षानाष्ट्रः कविन्नामि । माक्रकाशुक्षानि এवः इन्धि आषि ममाया हहेटन, पश्रक्षाक विशास बङ् भरत, बक्षांदिध आमामि कत्रिया, श्रायाञ्च कथिक तमवकामिरात्र यथाणकि भूका ७ लगामामि भूक्क म्मानम श्रुक्क "छिष्टकाः भन्नमः भन्न-महाम दिष्ट छेटकहा यथामछि होम कतिरव [४म छोट्न एम्स]। ड्याफि--- नवशृष्ट्-श्वादनमानिष्यकक वाञ्चमर्काएकारिकाभनकारमा वाञ्चशृष्टनमञ्द कविद्या ।

अहे मक्न कर्ष काटबा मगाथा कि किना, भटत शृष्ट्यायमां कता यात, मिटे श्राम श्रामिक भूका कि স্থানাজ্ঞরে করিডে হইবে। পূজাশির পরে বা পুর্কি গৃহতাবেশ করা বা না করা শুভ সময় बर्गका कतिया छेडा कब्रहे श्हेरड मारता

मरकात्र-गाधात्र-गायात्र-गाया

শংখার প্ত ব্টবেন]। শুক্ত শোণিত সন্তুত সভানের উপপাতকাদি পাশগঞ্জ পদাহিথিত পাছটি श्रीक योगिशास्का, शक्षाता मत्कात बाजा (तक्षात्रण ममर्थ समस्यान केदणम हम। जी-भू: जिल्हार-শক্তিকাৰ ভূতীয় যাদে প্ৰেবন ছালা পুকৰ সন্ধান জলো । সীযুদ্ধোল্লন ছালা ভিৎপল গড়েব আধান্ধ ধণিয়াছেন, প্ৰধীধামাদি ছায়। একবার সংস্কৃত। নায়ী যে যে গৰ্ভ প্ৰসৰ করিবেন সেই সক্ষ স্কৃত।নই কাৰি) বালা পৰ্যে ইইবাল কৰা আন্তে, যথা,- জাতকৰা, নামকরণ, অনুধাশন, চূড়াকলণ, আন জাৰ্ম জাৰ্ম ও পালকের সংখার হয় [এই ভিনটি সংকার বারাই বালক ও তদাধার জী সংস্কৃত। হয়েন, এইককু উপনগ্নোওর স্মাব্জন এই জ্পু ক্রতক্কার ব্লিয়াছেন।

গ্ৰহালয়ে প্ৰাণ্ড্ৰন অহ কাৰ ক্ষতকাৰ বাল্যাহ্ছন। দুটাজয়েশে অধিয়া বলিয়াছেন।—বেম্ন চিত্ৰ কৰ্মায়া চিত্ৰিভের অক্প্তডাক সকল আলে আছে প্ৰকাশ হয়, ভাহার জায় বিধিপ্ৰক্ৰ সংখার বারা ক্মশং বিজপজানের বৃদ্ধার বিকাশ হইয়া থাকে।

মলমান ভাষেও বলিয়াছেন, -- জতুকালে গভাষান, ভূতীয়মানে পুংস্বন, যঠ বা জাইম মাসে দীমজ্ঞো-बहुत, श्रीरदेश गद्र को छक्षी, धक्षाममिएन नायक्षण, ठङ्ग्यारम निकास, वहेनारम काझ्यामा अन् ভূতীয়বৰ্ধে কিখা কুলাচার নিয়মাত্মপারে চূড়াকরণ করিবে, এই জটবিধ দংকারছার। বালকের বীজ

মহাব্যাস্থতি হোম ক্লশ প্রায়ন্দিতের বিধান আছে। এই প্রকার দশ্মবর্ষ কাল উত্তীধ্বা তথে স্তাবনা কিছ শুলদিংগর বিবাহের এ কাল বিশেব রূপ নিদিও নাই। জীও শ্লদিংগর অনুভাত সংখারের আজ্বনদিহগর এই সুথাকালে বিহিত সংস্থারের নিরবকাশ ছলে বুদ্ধির জন্মরোধে জ্বণক্র স্পিওন হইদেই সর্পঞ্জীয়া কডার বিখাহ অস্থরোধে জাপক্ষ হইতে পাতে। আলগেণর পলেরো বংসর ডিন मान बक्रन छेखीन क्हेटल विवारकत अन्यतार अलकर्व हहेरव, जी अवर मूजिमिटशब अक यांज दिवारहे প্রধান সংখায় একভাত কেছ কেছ ুসন শ্লেয়ও ঐকালে বিবাহের অনুরোধে অপক্ষ হইতে পারে, পৰ্ভাধানের ভায় উপনরনান্ত সংখারই পিডা পুরং করিবেন, অসমৰ্থ হুইনে অন্ত ব্যক্তি ছারা করাই-दन [७त्र छाएत ७६ थुडी तमथ]। अहे शुक्रवहत्नाक कांग मक्न मध्यत्र वित्यत्वत्र मुध्नकांना। হট্য়া থাকে। উপনয়নে খাদশ বৰ্কাল অভিকাম সভাবনা থাকিলেই অপক্ষ ছট্বে, কারণ্ডংপরে, ग्रंड ममुख्य भाष मकल मम्जा लाखि शहेश थारक। अस्ट्राटर अनक्ष क्या मक्ड नटर।

ৰে কোন সংখ্য ক্কালে না ছ্ট্রা পরবৃত্তী 'গৌণ' কালে ক্রিভে হ্টলে, কালাড্যর দোণেক্ত

প্ৰায় ভিত্ত ক্লাল কৰ্মাৰ্ডক মহাব্যাল্ডি কোম ব্যত্তসমন্ত-মহাব্যাক্তি রূপে ক্রিডে হ্টবে, পভিত সংকার

ভভকপের দিন চক্তভিদ্ধি থাকা প্রয়োজন, (পঞ্জিকার দেখ) ভারা তাদি থাকিলেভ ভোলো হয়। কুলাচারাস্থুপারে কালের এক্ষ্ডা আছে। [কালাভিজিতে কভিনাকিভিন্য তম ভাগে ১২ শুঠার দেখা পুজা করিনেই সকল জাতত গওন হইবে ব্লিয়া শাজে বলিয়াছেন। চতা তারাদি বিকল্প জাতা শাখাদি সংস্কার ডক্ষে চূড়াপ্রকরণে বলিয়াছেন,—কস্তাদিশের সংস্কারের প্রক্রিয়া সমস্তই অম্মুক করিডে সাবকাশ বিধায়) উত্তা উত্তরায়ণে শুরুপকে ও বিহিত নক্ষত্রাদিতে শুদ্ধকালেই করিছে হ্ইবে। চুই তিনটি শংকার পতিত ভূলে শোব সংগ্লানের বিহিত দিনই পূর্বসংক্ষানের কাল। সংক্ষার সাধারণেরই यमि कम्मित्रतीय जिथि अक्टानि जामुण प्रक्राणक जा भी खता यात, छत्व थै मिन स्वित्त विक्रूत दिस्त्र दिन्त्र दिन्त উপনৱনের পরে হইতে না। নামক্রপাদি সংখার থকালে না হইলে (মুধ্য কালের অস্থ্যের শি না থাকার নংখারেয় ভভ ভিথি নাশ্রাদি বিভিত দিম স্কল পঞ্চিকাতেই বিশেষ থাকায় উহা লেখা হইল না]। উৎসূর্য করিবারও ব্যবস্থা আছে [২র ভাগে প্রায়ুন আকরণে দেখ]।

ষ্ট্ৰে, কিছ ডেদজ হোঝের এবং আন্ট্যুদরিকের মায়। পাঠ বাম্বণ যাবা হইবে। [এজমণে এডফেপে म्मात्मरिक केशीय भात्रक्षीमानामि मश्कार्य यश्ची मनिरध्य शुक्ता यांच करिया क्षांत सूर्य मात्र मित्रा थारक्त्र, ত্ৰবল বিবাহে অধিবাস ও আতুগুলুৱিকাদি কলং হয়। সী এবং খুৱেন্ত বাবছা এক ছইকেও শুন্ত পুত্ৰ-দিগের অনুন্ত্রাশ্রাদি সকল সংস্থাত্রই আছুদ্রিক কর। হয় এবং বিবাইল্লোয়ে কোন কোন গুৰু ীদের। আম্বাধা ছারা, কজাক হোন কথাইয়া থাকেন।]।

্পত্ত ইইবার দিন গুরিলা শাবন গণিত বুগ্রবের বিবাহ হইবে, জব্বি ব্যবদ্সজে (জলাশ হইতে) স্থাসিত্ত স্থাস্থ স্থান্ত সংগ্ৰাস্থত বসুত্ত পাছে। বিবাহাদি স্কৃতি । কৰ্বৰ দুছা ও কাজা বিবাহ क्टर्योद् शुवादर्श तिरत्तक्षमात्र क्टरवार आहरक्। क्षामाटन कर्गत्वम छ्छ। छ विवास मिरवा किन्न क्षाम आज দীন । ছৌয়াং এবং কছার বিশ্বত ও পুত্তর উপনয়ন আগল্ড। নিরবকাশ ছবে ভারমানের ন্দ্রাদিন টুত্রাগ্য করিয়া। চূড়াদি হইতে শারের। পুরের জনাবারে জার দক্ষারাদি কার্য হর না। তভাতজ विवाह-वायक्शि विटवर्गमां बाब क्रिक्समामिति त्योत्र बाक्

3

নিরবকাশ বিধায় সর্কাপ্রকার দোষ দীকার করিয়াও বিবাছ দেশ্যা যায় কিন্তু ব্রেল বিমাশ স্চক সোকে-खकांखामि षाकारत विवाह इहेरन मण्डीत मरश धारकत विभाग इह, भूसनाः कञ्चाकाम खेडीप प्रतन

शर्म दिशिशारहणः,—देषोध्याम ७ कळाराश्याता ० व्याशस्यक्तिष्ट्रक (का) के शुक्र धारा त्वाही कळात भारिक विनिश्राह्मा । वैत्रिविन्यियां माट्ड मुलकादम्हे नही खुरकार विराहक्ष भूत्र वक्ष हरमस्तान विभिन्ने (अध्वन् अव्यन्तिक्त्र) हिर्मा हर्मा क्यार व्यव्हित प्रदेशक स्वयंत्रिकी। याश्र क्ष পতাহাহিশিত পদতল ভূমিতে সংলগ্ৰাহিক সেইছীই ধতা। হুকে**নী ফুদ্জ**া **হ্ৰীলা শোজনগতি** হিনিটা এনং বাহার লোম নমূহ ফ্লা অনুগ্লা ও দল্প পাক্তি স্থানস্থান্য এবং ধাহার নমন পালপাশাড়র विवर्गन, চুড়া ও উপনাল্য এবং বচনাস্থরোক্ত অস্তাত ল'তল ক্ৰিছিও নিষ্ধে। নিরবকশিল্ডলে ক্লাট মাধের मुर्कित मादीय मेत्रीका ज्यायशका मझ दिनशाहम, दान दा इच्छित छात्र झुरुमानिमी मुच्न त्याम तक्य छ দত্ত লামী বিশিষ্ঠা এবং অধিকলাকী ও কোমলাগী জীই বিষাত্তে ধানজা। শাতাতণ বিশাবছেন, म्मामिम उन्नेश करिटन रहेट नाटता [प्यक्षांत डियन कार्डाक निविष्यमारम मुम्म मिम उन्नाम क्षेत्रि एडड्क शूर्ताक जन्मता विवास मित्र मा (सम्मान प्रविष्)। ক্রিবার কথা আহেছ।।

তায় বিশাল ও গাহার মধ্যদেশ বোলতা কীটের তায় ফুল দেই লী হীন কুলজাতা হুইলেও

कुटाछिखामिषि व निषाष्ट्रम, ८क्चत्र (८७वा) अभिक्रमतमाहमा छःभीमा हाम्क्रमात्म याषात्र अध-ग्रञ्ज विषयारक्षण, किष्मिल या निकलत्त्री अधिकाक्ष्मतिविष्टि, अफ्टिलामाक्षिका अधाना द्वातिषी अपदः शका, यम्मा, मस्मा, मत्रप्रछी, जिम नमीनामी धरा मांतछी, छूनमी जिम इंक्नामिका खरा द्रवर्छी द्राधिनी ष्विष्यो िष्म मक्केब नाम्रो खदर याङ्गामी पिक्यामी दा श्रीष्य नाम्रो क्छा खदिवाछा किक दिवार कारल क्ष्य কুণৰুষ দৃষ্ট হয় দেই নালীবভাগা। ধুটা কুদতা এবং মাহার" কটিদেশ আহুল কিয়া বাহার পদ≖ শাবন গণিভ বিবাছ মালের মধ্যে যদি বৃধু পিত্রালয় হইডে পভিগ্ছে দ্বিভীয় বার আনসিয়া থাকেন, ভাহা ফ্টলো আর ধিরাগমনে বিহিচ্ছ রিশেম ুদিনের প্রয়োজন নাই ৮. ফিপিকায় ব্রাল্যাক্সেন্দ্র वित्रांगमन ।-- षाहेम मनम ७ षामः वर्ष वित्रांगमन विश्वि नरह । टक्षाां जिःमात्र निरक्षर वित्रारहन, য**ি** লোমগমাকীণা সেই,নারী নাজকজন হইলেও ত্যাজ্যা। নামান্তর করিয়া "বিবাহ করা যায়। विवाह, त्यांशा।

একথামে বা চতুঃশালা মুধ্যে কিয়া গৃভিক বা রাপ্তবিপ্র উপস্থিত হতুলে পতি কত্তক দীয়মান্য

वर्षत्र मुम्नुव ख्रिक्कोमि हमीय क्टेंटन मा। वामम वय घाठाठ किया भकावान नरकाथ स्था। प्राप्त षित्रांशम्म विहित्र किटमत्र आदमाक माहे।

यर अ शृत्क विशाहम,---(य कछः, जिष्ठशृष्ट ভोषम कतिया तिहे मित्महे थायी शृष्ट कामिता

গতিখিনে পুণা এবং রিজনা ডিখিও প্রশস্ত নতে, ভলাও করা ডিখি ওচকাধি। আধার প্রশস্ত, এই কার্মির রবি মুকল ও রুক্লাতিবার প্রশস্ত বুধ্বার নিবিদ্ধ। কোটাম্কাম্ঘা আনুসোরে রবিডী কৃষ্কিক। অধিনী উভর কল্পনী উত্তরাবাঢ়াও উত্তর ভাস্তেপদ নক্ষরে নিবিদ্ধ । ক্তব্যে জাধায় (পঞ্গব্য ভক্ষণাদি ষায়া) শোধন করাকে গ্রাধান সংজ্যার ক্তে। রজোদশনি কাল হইতে বোড়শ নিশা গ্রতিধানের কাল ঐকাল মধ্যে প্রথম তিন বা চারি রাজি (শোণিত নির্ভি নাহতর। প্র্কা একাদশ ও অস্মেদশ সাজি এবং অধ্যাদি প্রপশ্ধ কাল প্রভৃতি পরিতাজা। ভোষন করেন, তিনি চুর্ভগা ভ কুলনায়িক। কর্তক শাপুঞ্জা ইয়েন। गर्डाथीन वायन्श्रामि।

শাধারণতঃ স্ত্রীগমনেও উক্ত প্রায়ন্দিতাই পর্বাদনাদি ত্যাগ করিবে, অপ্রশস্ত রিক্তাদি কাল দাব-কাশ স্থনে তাজ্য («ম ভাগে দারোপগমন বিধি দেখ)।

ন্বেয় ব্যবহা করিতে চাচুন, সেটি যুক্তিনতত নতে, কাহণ শালে অনাতিও অবজায় অকাষ্কী নাজী ঞ হতে নাঘটিলে পুনৰ্ধার চজে। তি^ ডিক বার কণেকাব িলে ছইবে।[ফার্নিক কোন কোন কান পডিউ মহাশাল মুখাকালোর পরবরী সমস্ত কামেকেট ১১নি কাল বিবেচনা কদিয়া জনাত্তিব সময়ে ও লবপুষ্কোৎ-. अकृत्र হোড়শ কাজি মধোই গ্রাধান হওল। শাক, সুত্রাং পতিল অনারিধানাদি নিব্যান জাক্য ছাট অনুকাল ভ্যাগ করিয়া পুনশচ এতুর জাণেশ্ক। ক্রিবে বা অসনার শাক্তি এবং চিথ্যাণি দেবে মাণ ডিথি নক্ষয় ও বার বিশোনে আবাণ এতুর ফলকেন প্রিলাতে অন্ছে। নিনিটন সকল আবি-कछ उठ्डमामि हरमर्ग किटा ।

শৃশতী দায়ংকাল পত্তি অত্ত অভিযা ভক্তি ভাবে নৰ্ক্তাশ্বা ব্ধ্যদেবকে শ্বপাদোনি প্ৰভৃতি নামে গমনেল পাপ আহি স্মাহছ এবং ইং৷ মুকি কিছ ও সাহাহানিকর কাৰ্গ কুহুধাহাই ছুদিগের রজোন দোৰ এবং অন্তৰ্ধ ইতিলয় অধর্কি দোৰ অবংকি নিলই হইবার অনভান্ত শালে পাংহা যুর মৃতেরং হংখন ভাকন শোণ্ডিবংঘোগ বিংন জান হত হাটি প্ৰোক্ষা, এই অন্স অধুর প্রমা টিন দিন ি বিংহ জ্ঞাদ্য ওতুতে গ্রহণ্থান লাছ হছা প্রাজ্ঞ লাগীগণ হবিবালে ভে'জন প্রত্তি নিয়মে বাধা থাকেন, এই গক্ষা কিয়মাণি আহাট,নাগণ জন্বঃত আছেন (ধম হাগেও বিজাতিত দেখ) এবং পার্থিনি দিবসে

আৰ্চ্য দান করিয়া থাকেন এবং পতি নগছুয়াগাক।লিতা নংবধুর ইন্দিয়ত্তি প্ৰফুত্ৰক শানীবিক ছবি বিলোৱ সংকাশীদি রূপ কার্যনায়। নবপ্তেগ্রের মনাথা ক্রিয়া থাকেন। আন্তাপণ্ডে কোন কাৰ্যাই ক্উক ডাহাডে সত্ৰকভাৱ মহিত্ত মমকে নিবিইডিজ চুইব'র জাস প্ৰবিহীতে উদ্যোপী ও সাবধান रहेट्डम, अम्बाम भाषात्रामिकामिकामि महामारहा अमक्त कार्यात्र धक्क ध करणाममिक्षा मा मुक्ति-

विनिहारक्ष्म, कक्काविका श्रुव धवर, त्म्रानिएटत सानितका कक्षा रहेता थरिक। अमन्त्रक आपूरिकमिरिमक ্মস্ত বিষাচ্ছত, ঋতুর সুগ্র কান্তিতে খাগ্যনে পুক্ত এবং জন্জ নিশাস কলা নভান লকে। বিশেষ জন্তেক প্রকার মতাবত আন্তত্তা কিন্তুন কিন্তুন হিপি নক্ষা বিচ্ছাতে এবং জনতাজ্য ক্রিবণ ও জনক জননীয়া শারীরিক মানসিক অবহাত্মারে প্র কতার শ্রীর মনের উৎকর্ষ অপকৃষ্ণ সংকটিত হাই অনৃভাক্তামান্ত বিশিষা মনে করেন (ধম ভাবেন দেখ)।

े त्या किय छट्ड दिन्याएक में नादन निष्ट द्रांक् महर्मत्तरहत्त एव नाती निर्देश क्ष किया महाम 'बानक करत, तमहें है। महाम ७ भीउत राश्चि दिसहें इहेता शास्त्र, तमदोद नस्पर्धाम स्थापक माखिष्रक हरेत्रा शास्क]। विश्वाम नार्ष

दिक् किठीय फिटमा क्षित्र शुरमत्य कतिएक तरमात। शृह्स वनिग्नाक मुक्त क्षिमात्र नुर्ध क्षिमात्रि जर् - बाटनेड की किया मन किया खानक)। अथय श्रान्यामकड किक्टाई किडीड श्रान्य के ब्रिटेंड क्रिये, एक প্ৰেদ্ধ ব্যবস্থাদ। -- গঞ্চেৎপত্তি এত্কাল হইতে সাবন গণিত ভূতীয় মাস প্ৰেদ্যম কাল (ভূতীয়

্ প্ৰায়ত। — সাবনগণিত পঞ্চমমানীয় গৰ্ববিষ্যা বৈদিক মল্ম (এ ১১১ খুঃ দেশ) শোধিত মফোরের এইবান উদ্যোশ্য। পিভা উপস্থিত না থাকিলে প্রতিনিধি স্কল্ অন্য ব্যক্তি মারাও প্রেস্বনাদি नक्षाता महेता क्षमुका गिरिनीटक त्रात्न कत्राहिटक रहा। मक्ता मध् मिशिक्ष क क्षक ध्रम्मा मध्निविक এই কাইতক্ষা প্ৰু পবিত্ৰ দ্ৰব্যুষাতা ভোজন কবিলে প্ৰ সন্ধান উহাৰ লগসাদন দায় न्य एकोड क्रमा शिमाना माछि अतिष्ठ श्रिका भित्र वर्षा थारका (बस कार्श वह भुर क्रिकान तम् माज्ञान नक्त कर्तान शहेरक भारत (अत ७० थे: तम्थ)। श्रुभननम्बरङ्क क्षिकीत खाम्मतम् भिष्म প্রাণিত নেম ছুল নিমিত মানায় গুবাক জাতিকল প্রবাল মণ্ড মুক্ত খণ্ড সাধিয়া দিবে।

मीय छोत्रम ।--इषोकारन भूरनद मा हहेश था किएन धहेतित था तिष्ठा छोत्। ব্যাজতি ছোম করিয়া প্রেমবলানম্ভর শীরজোগ্নসন করিছে হউছে। এই দিন প্রস্তিকে পায়স ভোজন কর্মাও ব্যবহার আছে।

विम स्थयमश्र क भूमत्न या मीमक्षन ना क्टें कि भक्त ने क्ट्रिंग यो करत कि की में यो में शर्फ़ी प्रशिक्त ষ্টলে প্ৰেণাক্ত মায় বিশেষের নিয়ম নাই, এছনেই চছৰ নাগ হইতে যায়- বালক আলব্য না ক্য ন্বপ্তভা, বালককে কোড়ে ল্ট্যাও (काভক্ষের পূর্বে) দীমন্তন সংক্ষায় ক্ট্রে ।

ভাবৎ দীম্ভনের কাল ক্থিত হট্যাছে। বৃহৎ রাজ্মাউতেও ব্লিয়াছেন, মত্নত মীএতং নাৰীর

জ্যদিন হইতে সাবন গণিত একাদশ বা ছাদশদিনে কিহা শতদিনে ্নামুক্রপুলু কাণ্ডু नामकडल-वावकामि 🖷

माठक वावशाम अकदात , जन्या क्रेशाक (8र्थ ४० प्रोत तिम्पनी तम्यो। श्रांकना यहाँ

भूका वम जार मार्शशैक शहेत्रार खन्त (मात्राकि रहाम, शूज्युक्तिज्ञान, (भौकिक अप्ति कामा क्षित्र श्रिकट्र व्याप्त बारहात मा श्राकात्र निश्मिम मा

একছিখ দিনই নামক্তবেল মুধ্য কাল । সাধাতণ্ডঃ নূজ্যকালের প্রথতী আনগামী ক্রিয়া প্রীক্ত মধ্যকালই গেগি কাল হইজেও বচ্চোলিভ খাদশ দিনাদি অপেকাকত আংক।

নামের আংদ্যক্ষর ধরিরাই নগংকে রাশি নিণ্য ক্রিডে শারা বার। তাশি না আমানতে পারিলে কে জিমিক রাঞ্চানিত নাম , যারিলে যাহাদিশের কোটি নী হইল। নিয়াছে বা কোটি ক্যু নাই ভাষ্ণিলৈক গোলাগ্রিত যথা, দেবদত্তের গুলু যজ্ঞাক কিছা ন্বনুহয়ত পুন গোশীকৃষ্ণ ইতাদি। দেবতাপ্রিক ষ্ধা, দুনুমালাব হরিচরণ ইত্যাদি 🗓 নাজ্যোমিত নাম শতপ্দ নেগ্লুমারে উভার করিটেউ 🕎 এবং এই মুমি গোপুন রাথ্য জাবজীক। প্রক্রাভিক নাম্ব উৎসূচ কারণ পুরাধে জাজামীল জাপাঞ্যানে নাথিক দাছে। ন্যেষ্ণ নামক ক্নিট পুত্ত ভ্রিমকানে, বারছার ভাকোন কবিয়া কোর পাণী আলামীক মানুক রাণিবে ফুডরাং নারায়ণ আচন্ধন বিধৃত্তর বলিপন্নী ইডনাদি প্রকার নাম্ট প্রশাস্তা। পুরেশিকে নাম মুক্ল বাজাহাত নাম গোহাথিত বা দেবহালিত কিছা নজাহালিত ক্রিয়া রাধাও শাজা সুক্ত। नार्यत चामिर्ट अधक, क के क, छ छ ०, छ छ ०, प्रधन, व छ य, किया ह अहै मकल राष्ट्रन या विधे मर्थ য় য ল কিয়ান এনং জ্ডে দীর্করে বাবিদর্য্জ (এগনা বিভজায়ত) এবং য্জাক্ষর সম্কিটি নাক্ किन्दर नक्ष्मा भूकि निम्दानिक काछ बहुताहरमन।

ব্যক্তিঃর লামের আবিদ্যকর ধ্রিয়া বাশি নির্গ ক্রিয়ার ব্বেয়াআন্ডে, ইহ। পঞ্চিলতে পালয়া বা ি শিত ব বিকল নাম থাকিলে আবিশুক মতে পরিবর্ন করিতে হয়, এজ ড জকুদেবের। শতপদ।

(জুমিই হওয়ার পর কিছুকাস গৃহ মধ্যে শিককে জাবত্ত রাধা বিশেষ আবেশ্রক কারণ স্থেতিশি ও শ্বাবহিত পরে শিতকে গুতের বহির্দেশ এথম্ন নামনে পুর্বক চন্দ্র দশ্নানি করাইতে হয়, ইহাকেনজন নিক্মণ বাবছানি।—জন্মদিন হইতে সাবন গণিত ভূতীয় মানীয় ক্সা ভূতীয়া হি থিতে পুশুর मन' बतन । खरशनि ७ यष्ट्रकेनिनितत्र हर्ष्ट्याटन निष्ट्रम्। धरः य्षाटक कर्षानान व्वतियोत्र विविधिष्ट মহ্ম ব্ৰিয়াছেন,— শ্ৰীনিগোনাম এই একার ছইবে, যথা, যাহা নহলে উচ্চারিত হল ও চন্তু प्रसंक प्रक् स्थापम दायकात कडिरदे ध्रतः नामारक बायरसङ एपवर्षा महिरसन यहा यो টেবডেজায় 'ছঙা শ্লের দাস এইরূপ প্দ ্বোগ করিয়া, 'ই অমুক্ট দেবশশ্লা' আহিনুক দাস এইরূপ হা হৃতিই মনোহ্র এবং আশীক্ষি প্রকোর গুয়েও মাক্ষা এবং বে নামের অর্থ ম্পা? ও ধাহার জাতে (मनका कक कक्षान शुराष्ट्रक व एक जायिल एकता निस्त भूत्रव वा कारिक प्रकृत्र जात्र ৰাদীধসর যুক্ত এবং সংযুক্ত বৰ্গছিত ভাছাই অশশস্ত যথা,—যশোনা সুংদা উভালি। मत्क जाम मिनाक्षा मिनात्क भीकि छ करत्रम

বায় বিব্জিকে পাঢ় আৰকারময় গতিবাস্হইতে নিজ্যিত অভিনৰ শিশুর পক্ষে হটাৎ ফ্রীকিরণও প্রবল বায়ু আনিষ্টকর হয়, উহাযার। দৈহিক উতাপ্লানি গাজুর বৈষ্মা,ওচফুরোগ প্রভৃতি জামা পারে, বুক্লাদিও বাতাতণ রহিত শীতন ছানে শীঘ অছ্বিত ও প্রিপুই হইতে দেবা বার, এই জগু শাবিকির असस्यासन-प्रदर्शातः। यहे या काहेम गाम अस्योसत्तर कान, यहेमानट् भूषा। जीक्तिभिक्ष বীজন্ত প্রাত্তিকালে অস্থ্রিত হয়।।

পিতা দেবতা সমীপে অনক্ত বালককে শীয় কোড়ে বনাইয়া, খণোদক খারা পবিত্রীকণ ও ১৪ শুত্যুক্ত পায়স ভোলন করাইয়া মাভার কোড়ে ঐ শিতকে প্রদান করিবেন। অনেক দেশে। জ্ঞান প্রাপ্তম মাদ জ্ঞার জ্ঞান্ত কাল, সন্তম মাদই সাধারণতঃ ব্যবহার্য। ।

প্রাপত্তম মাদ জ্ঞারজ্ঞান কল জুল বালককে পীয় জ্ঞোড়ে বসাইয়া, দ্

ভুত্তমুক্ত পায়স ভোজন কলাইয়া মাভার জেডে জি শিশুকে প্রাণান ক

ভুত্তমুক্ত পায়স ভোজন কলাইয়া মাভার জেডে জি শিশুকে প্রাণান ক मूर्य भम्मान जिला माना करतन ना, मानुनामि कतिहा थारकन।

ह फ़्कित्रविष्यमि

ভ্তীয়বৰ্ছ চূড় ক্রণের মুধাকাল, শুপঞ্মবৰ্ণ এবং প্রথম বর্ণেগু চূড়াকরণ হইতে পারে। ইহাকে

বংসর ৩ মাস এইয়ামতে এবং জন্মমাস জন্মতেই ওছিল মাক ল এবং চৈল মাদ নিষ্ক্তি কিন্তু চৈত্ৰমালে

अविवाज भार्कटन **एका क्**रेट्ड भारत ।

मःकांखि मिटन कामाश्यमामिटन अवर मक्षा ७ त्राजिकारन त्यमेति १६७४। निरम अवर भगरनारम्भक, তৈতনাকল বাজ্জত ব্যক্তিরও কৌর নিবিকা। নাপিত গৃহে বদিয়া কৌরিছইবে মাণএবং কৌরাকে পুৰ্যুৰ বা উভৱমূৰ ক্ট্য়া আনানে উপনেশন পূৰ্ণক মথাকুদ্যে (শিশা বাভীও) কেশ আন্তৰ্ক লোম এবং নথ ছেদন করাইতে হয়। জনুমাস জন্মভিথি ও জনুনক্ষতে এত উপবাস ও আধিদিনে সংযোদিনে ল'ন করিবে। জনন বাময়গাখোচাজাদিনে|কায়ামুজি বা বিবাই দিনে যজনাদিতে দীকিছে, হইবার ক্ষোরবিধি থ্**থা,—দেষবলাধ্য ভাপিতৃ কাধ্যি, সমাপন করি**য়া <mark>দোম বা বুধবারে অব্</mark>যুৎক্ঠিতটি<mark>তে</mark>

দিনে এবং রাজা বা আগ্রাণের জাজাক্তমে নিবিদ্ধ বারাদিভেও ক্রোর হওয়া বার।

শাগ্রণতঃ কৌলিক নিয়মে কিখা চূড়াক্রণদিনেই কর্বেধ হুইয়া থাকে, ইহাতেও অম্থ বৎসর

कङ्गमक अक्टिवर्गदर्गानि सम्बद्धनात करनेका कडिया । कन्नमात्र कन्नतक्त्व किया टेटख दा त्र्भीक

ফুড্যডিস্ভামণ্যাদি প্রয়ে বলিয়াহেন, অপ্তার্গ অধ্থ যথাক্রমে (পীঠাপীটা) **লাভ** সন্থান্থর মাসাদি বিট্ত নহে। স্পূতাই গাৰ্ভ কমাপ্ৰত্তি গণনা খালা অস্থাব্যসূত্ৰ । স্পূতাই গাৰ্ভ কম

মুক্রান থাকিছে ঘদি ভূতীর সভান গ্রন্থ হয়, তাহাহ্টলে মট্কপেশ কিলে সাম আগাল হাহ্ট্রাথাকে,

এই দোব সংঘটন হইলে কিনটি নতানেবই জনিট হইবার আশিকা আনতে, এই আন্টি নিবারণোর উপায়া জন্য শাতে বলিয়াকেন মে, বৰ্তমান লোঠ বা কনিঠ ন্জানের মধ্যে যাহায় রবি তাদ্ধ থাকিবে তাহার

কণ্বেধ করা আবিশীক, জালুখা সূত্র নতিব।

डिल्ड्या दारखामि।

গ্ৰেটিম বা জটম বৰ্ছটতে ঘালশ বৰ্ণ পাত আহনে ল উপনহনে মুকাল, (অসতেজা বৃদ্ধি, কামনার शृष्शांक व कर्षधात्रा वांतक ध्वक्र ग्रमांशवती हत्या, त्रहे कर्षक्र 'डिशम्प्रम' दान । डिशम्प्रम (সাবকাশ বিধায়) উত্তরায়ণ শুক্রপ্কাদি বিহিত বিশেষ প্রশস্ত দিমের অপেকা করিবে।

R

এবং পোষুধা এক কাহম দান করিয়া, উপনয়ন দিতে চ্চ্বে। পিত্মাত্র হিত নিংশ ব্যক্তির থেজ্যজয় ছোম করিয়া উপনয়ন দিতে হইবে। বোড়শ বৰ্উ উতীণ হইলে বাতাদোৰ কামে ভরিবারণ কয়ে চাকুলিগণ

नमार्मत तथ वाज्ञ कतिरवन, के मध वक् विभिट्ट अ क्मा भवास हो। श्रेरव खनारक कांमुल खेवांखरक्षत्रक বৃদ্ধচারী কোম বা শ্ণনিমিত বছ, কৃষ্ণস্চপ্রের উপবীত সর জাভাবে কুশমরী মেখলা, বিশ্ব বা কুত্যচিভাষণিতে থলিয়াছেন,—কল্ম—লগ্ন ভারা মাস বা নকতে উপনয়ন দিলে, ৰোশাৰ, বিধান্না ষ্ট্ৰেভ পৃথিবীতে পাণ্ডিভ বলিয়া বিখ্যাত ষ্ট্ৰেন । म्ला नवकार्वाण्य छेदमर्भ कत्रिला छहेत्।

যোদ্ধণ বৰ্ষ কাল জৈ শুকুগুছে বাস পূৰ্বক একাল চিডে জ্বায়ন ক্রিভেন, পরে গুকুর জ্মুমুজি কামে শুজ্ দিনে গাহ ছালমে প্ৰবৃত্তিত হুইতেন, ডংক্ৰেছিনিমিডক হোমাদির নাম সমাবৃত্ত। একণে উহা উপনয়ন দিনেই সমাথা হয় এবং দভাশামে (দভির ঘরে) তিরাতা মাত বাস প্রকিক চকুৰ্দিবনীয় প্রাভকোতো বংশ ममावर्षन ।--श्रीकादन दक्षकाती क्षकशृत्क डिशनअनमितन त्वमशोठ कात्रक कंत्रिता, करिता, करिता দ্ভ দলে একেপ (দভি ভাষান) করিয়া লান করা ব্যবহার জাছে।

अह्ब कन्ना बाहित्व।

रहेक्रां कत्रन-८ष्टां कर्

- अन्तियोक्षयित । मृत् तमृति यद्गेष्ठाः ज्ञांभक्षत्राहरूक्ष, मन्ति कृष्धिक्षेष्रमा भन्नाक्षितिक्षितः । जन-क्टाकाजिमाठकाः, विजविक ध्वाधा देव कामक्षापित क्षाकाः। भार्षेषा भार्वेष्रधापि श्रवापि আনুপুত্ধারণ্ডিচ। কুক কংং ভতঃ শুমান বুটুকায় পুলঃ কিপেৎ, দেবী-অগবমূন তা মমোজায়ং শুপু কিলের। মজোজারমিমং দেবী তৈনোকে চাপি ছল ভং, অপ্রাশামিমং মন্তং পর্বাভিসমন্তিং। অরথাদেব মন্ত্রপ ক্ষাণিয়ে গাণাণ জ্ঞাণীনাং বিশেষতঃ, নাং,নং শুভিমাত্ত্রণ শুবর্গজ্মিমং বিজয়ে। প্রক্রাক্ষভরামাক नामनः ज्यारह्मः तत्रश्वकानित उत् मत्रः मर्जमात्रियः वित्रः। मर्जन्यार्थमः मत्रः त्राकारण्याणः जुपीरः बालकृषात्रमः यञ्चः यक्तामीजी विह्यान्तः। टामयः शुन्तमुक्त कार्यः त्रान्तमुक्त त्रान्तमुक्त तर् कृष्णात्रकि खर्णकार সকোষাইঞ্লৰ ভ্ৰোনাং ক্তিৰ্থং বাঞ্চিতং মলা, বিশেষতজ্ঞ লাজ্ঞাং বৈ শাজি-পুঞ্জি-এসাখনং আক্ষাস-ক্ষ क्रीनाक्ष्याची । जनवन् नर्मधक्क मर्तमाक्षांबिलाजगः व्यागष्ट्याजपः मर्गः मर्गाक्षमिष्टिकार नुपरि। किमानिवर्षानीमा तम्बरम्यः अन्नम् अकः महत्रः मधिनवाकः नास्त् ही नन्ध्यम्बाम्। कौग-दीक्छोन-गमिक्टः वक्ट मर्शन एमटवन मम् रुविदिवक्ताः।

भूखकः, मानि-टिविष्ठतः यानि संस्थायंच्या ख्या । भठ गात्रीच्याः स्ना प्रस्यं स्थ्यांने खरबर, चाष्ट्राः গ্লেস্যামৈষ্য গ্ৰেপৌনাদিসম্পদঃ। ভব্জি স্ভতং ভস্য পুত্ৰক্ষ্যাপি প্ৰনাৎ।

मस्त्राणिविम्वात्रक्षः। मस्त्रमार्थकः तिवि माधकामाः ज्यावदः, तक्षाकमानकटेकव शुर्तः क्षीतः मनाहिकः মুভযং, নামাটশতকগাাগ, ছ'লোহফুইবুচাজতং। বুচদাগণাকো নাম ক্ষিত পরিকীজিতঃ, দেষতা ঞ্জভগ্যাধ্বাচ। যত্ত সংক্তিয়েদেত্ত, সর্ক্মন্ত্রিনহর্পং। সর্কান্ কাম্নব্রেমাকি সাধকঃ সিদ্ধি-শেষচ, শুৰুদেনী প্ৰবৰণায়ি ভৈনবক্ত মহজিনঃ। জনাপচ্ছারক্সোচ নামাটনত মুজম, সৰ্পাপ্তরং পুণ্যং टेस्डवरा युष्टि विकान गाँ शताटि जीयमर्गा करका-क् जाधार छन्। वस्त जीकुमर्गार । टक्कान्त कर्नारा-मरिश एकतानामः विषि छत्तव, एकतोवाः नांक्टिगम् छ क्छाः मन्नायनामाः। फिरानतम्त्रीयियम् ক্ষিতা চেহু সন্তিংটুক্তৈরবঃ। ও টেরবো ভূতনাখন ভূতাক্সা ভূতভাবনঃ, কেন্দ্রগা ক্রেশালন্ ক্রেন ৪৪: ফ্রিংগ বিয়টে। ত্রনেবাসী মাধ্যাশী ফর্যাসী স্থাতক, রজাণ: প্রাণ্ড; সিজ: সিজিল: সিজি জ্ঞাপ্তিকুরবাচ। যাএব টডরবো নাম আপাপ্ত্রারকোমতঃ। মুরা চ ক্থিতে। দেব তৈরবঃকর ভাতৰয়ে। যুক্তপাণিকং, পাদলে।-দেবদেবেশং সৰ্বাদে বুটুকং জনে৭। এবং নাসেবিধিং কুছা, ভদনজ্জ छिख्येः, अस्त्र नायमध्यामि अध्यक्षिकिम् मानिए । मात्रमुख्छ। एत्याः देव नामाहण छक्दः यम् ।

\$ ময়:। অংশীমায়: কলাখায়: সপণ্ড: শশিকাত:, ভ্ৰবেল ভ্ৰযাধীনো ভূপতিভ্ৰয়। কজালধারী क्टिर। भाउकानाः छत्रोक्य भट्टश्लानमन्त्रसीः, मात्रीस्त्य इषिस्य उथा छोत्राधिय स्टान्नः। সুকমং। ন জয়ত ছবিক: কিঞ্ছিৎন গোগেডোভয়ং কথা, ল শক্ত ভোলি ভয়ং কিঞ্ছি শোবিঃ বটুকো বটুকেশাত বট্টাকবয়ধারকঃ। ভূতাধ্যকঃ প্ভণতিভিজ্কঃ পরিচায়কঃ, ধূর্জে দিগ্যয়ঃ নৌরি-क्षितः পাঞ্লোচনঃ। এমাজঃ মাজিদঃ ৩ ছঃ मक्षऽঞিরবাক্ষর, অতম্ভিনিধীশক অবানচজুতনো∹ সুকীচ লগিয়ভোগবীতবান । জুতুলো মোহনজ্ডী মারণঃ জেশভণজ্ঞ।। তাজো নীলাজন প্রেশ্য দেহৌ মুভবিভ্ৰিতঃ, বলিত্ক বলিত তাৰা কামী কামণগাকমঃ। সৰ্পাণভাৱকো ছ্ৰোঁ ছ্টভ ভনিবেৰিতঃ, কামী কলানিধি: কাতঃ কামিনীৰণ্কুন্দী। স্ক্ৰিদিজ্ঞাদে।বৈদা: প্ৰভিষ্ণি: প্ৰভাবনান, জটোত্রশতং নাম ভৈত্তব্যা মহাজ্ঞানঃ। ময়। তে কবিজিং দেবি ত্তত্তাং সক্ৰামিকং, ম ইদং পঠতি ত্তাভাং নামাটিশাইশ সেবিভঃ। ক্রালঃ কালশ্যনঃ কলা কাঠী ভয়ঃ কবিঃ, জিনোলো বহনেলকঃ, ভয়া পিতল্নোচনঃ। শুলপাণিঃ বজাপাণিঃ কছালী গুমলোচনঃ, জভীককৈরবোভীক্তজিণা বোগিনীগতিঃ ৷ ধনদো বন-ছাবীচ ৰমণঃ **এ**ডিভাবনঃ, নাগহারো নাগকেশো বোমিকেলঃ কপালড্থ। কালঃ কপালহারীচ কমনীয় ক্লানিথিঃ, অংলোচনোজনলেত ছিলিথীত তিলোক্গাৎ। তিতুভনগনো ডিগুঃ শাস্তঃ শাস্ত্র-শাস্তঃ

। গংবৎসরমভ্রিতঃ, সমূবিং প্রাপু গাদিটাং ছল ভান্মণি মাজুনঃ। ব্লাদাভূমিকামত জাশিভা লাভতে মহীং তিৎশাতিকে ভরে ঘোরে তথা হংম্প্রদর্শনে, বৃদ্নে চ ড্থা ঘোরে পঠেৎ জোলং স্মাহিতঃ। সর্কে প্ৰশামনং কাজি ভাছাৎ ভৈত্বকীতিনাৎ, একাণশনকজ্ঞ পূল্ডরণমূচাতে। কিনায়াং যঃ পাঠেজেৰি

ব্দুনাৎ। ভীতে। ভয়াৎ শুমুচোত দেবি সত্যং ন সংশয়ঃ, যান্যান্যমীহতে কামান্তাং ভানাধোতি স্কোশ্ং সফলাদিত্যুৰচৰ্চনং, জাইবাছং ক্রিন্ননং চত্তর্কাছং বিবাছকং। জুলকামেখলাকারং দেবম্রি-জয়ং গালো রাজানং বশ-মানগ্রেৎ। ধনাথী চ সূতাথী চদাগাথী গজা মানবঃ, পঠেৎ বারতেরং চৈত বার ফ্লাং তোত্তাত্মিদং পুণাং সর্ক্রাফ্লাশ্রদাং, ধানং ভত্ত প্রক্রামি থথা ধাষা পঠেললঃ। তথ্যকুটিক-শিচেরাক্তং, দিগথতং ক্মারীশং বট কাখাং মহাবলং৷ খটাজমলিশাশাঞ্ শ্লবৈশ্ব তথা পুনঃ, ডাক্ষ ष्याषुवर्शतराहालकः यात्रस्यस्याषिकः, कत्रकलिङकलानः कृष्की कष्रपापि-छक्ष्विपद्रमीरला रागिषरक्षा-স্কাশ কাবিনাশায় কংপুমানাটকং পুনঃ। রাজেনী বারত্রয়ং ১৪ব নাশ্যত্যেৰ শাকাবান, জংপোমান-ক্পালফ বয়দং ভ্জগং তথা । নীল্লীযুত্নংক্শিং নীলাজনচয়প্ৰতং, দংখুকিরাল্বদনং নুপুরাফদশংকুলং ।

প্ৰীতিঃ। ক্ষমস্থসপ্ৰাধ্য বিজ্ঞতিছেত্তু ক হৈতি বটুকুনাথঃ সিজিলংস্থকানাং। ধ্যাথা লবেশিৎ সুস্থ-প্ৰাভিঃ জন্মসন্ধ্ৰণাৰ্গাণ্ডাং অভাজ্য আৰু ভিতে। দেবী নামাটিশতমূভ্যং তৈলবাল **এখাটোং ভূধ সুস্ং টিচৰ অটঃ স্কান্ কামানবাগু**য়াৎ এতৎ কাৰা ভিতে। দেবী নামাটিশতমূভ্যং তৈলবাল **এখাটোং ভূধ সুস্ং টিচৰ**

अ द्रायध्यात मयः। शाषा नीलाध्यात् द्रायः द्रायात्। जामक्षित्रात् क्रोमुक्रमिखिङः। मानि ड, व धस्त्राव-गाविश सक्ष्याखकः। ष्रमोनम् मायिक् स्थाकः हमः खेत्रामाटत्वारमवडा खेत्रामधः न्यीडार्थः खर्ण विनित्यानः। ॐ नित्ते प्राचनः भाष्ट्र-छ नित् विकः। प्रामत्रकाः शटीय खाकः भाषत्रीः मर्यकामताः। खाद्रामक्ष्ठीकांक वृष्टकीनिक अधि-दक्षे শশরথাক্সকঃ। কৌশলেয়ে। দূশে। পাড়বিখামিত্রপ্রিয়ঃ ঐতী। আনপংপাড় সথজাতা মূথং সৌমিত্রি-ব্ৰম্লঃ। জিক্ষাং বিদ্যালিথিঃ পাতু কঠা: ভয়ত্ৰশিতঃ। ক্লেমী দিব্যায়ুধঃ পাতু ভূজেনী ভয়েশকাৰ্ম কঃ। क्टरो मौडायिष्टिः पाड् खमत्रः काममग्राकिरः। तकः पाष्ट् करवाति-बटाने नीकाप्रविष्टः। पार्थि সংক্ষরী। ইভি বিশ্বসারত শেশ ক্ষাপত্তারক লোবটুক টেলবজাব: সমা**জ:**। রামক্বচম ।

শাকু পুঠং পাভু রষ্বহঃ। অরগীবেশঃ কটীং পাতু শক্তিনী হয়্মৎঞ্ডুঃ। উন্ধ রষ্ড্মঃ বুপাতু उक्कः-কুলবিনাশকং। জাছনী সেতৃকং পাতৃ,জজেল দশ্মুখাজকঃ। পাদে বিভীষাজীদং পাতু রাঘোহথিকং क्लनी छः भी कृष्विमिष्णोक् सम्माः। मशार भी कृषत्रातानी नाजिर काष्ट्रमास्तरः। अष्रः किट्डिसिक्षः

নায়াভিগঞ্জিত: যঃ করে ধারত্যেনত করছাঃ দর্শনিজ্যঃ। ভূজ্জণতে বিদাণ বিদাণ গাৰ্চকনটাইতি গা। ণাঞাল ফ্তনবোমাচারিণঃ ছলচারিণঃ। ন অষ্ট্রাণ শ্ভাতে রক্তিং রামনামাডিঃ রামেডি রামচল্রেডি য়ামভন্তেতি বা্যারন্। নরোন বিপাতে পালৈপ্তিং মুক্তিক বিশতি। জগজৈত একমতোণ সাম-ৰ্ফাপত্যা জীবৰংসা সাচ ভাগাত সংশাঃ। বজাপ্জরনামেদং খো রামক্ষচং পঠেং। ভাবাট্তাজাঃ अस्तुरक्को यूश्यकोमिकः। श्विट्यो तक्कनिक्षिः मार निव वकुः। अकार द्रामवरमार्थकार तकार यः ऋककी भर्तक। म जिलाद्वः कृषी भूती विकशी विनशी कर्तक। কুছ। বৈ ধায়রেদ্যক্ত সোহভীটং কলমাপুয়াৎ। কাকবন্ধাত বা নারী মুভাশিতা। চয়। ভবেৎ। त्रसंख लच्छ छ क्रायक्ताः। च्यातिष्टेयान् घथा घटन्न द्रायतक्षामियाः इति। उद्या निधिक्यान् थिएडः इतक्राः ভার্ভৌ बामलक्षरो। छक्रत्। क्रमनम्भाता प्रकृपात्त्रो मश्वेतलो। भूउत्रीकविमानात्को ठीत्रक्रकाजिनायरत्रों कम-युनामिरनी मारको छान्दमी बन्धानिदनी भूरको मुम्बन्धरेमारको झांचरको हाममण्डरी। महरशो नर्नमधानाः त्यर्हो नर्नमण्यरुः। त्रकः क्रानिक्कार्यो खारिकार নো যম্ভনো। আত লয়া-ধহাবাবিহুজা,শা-বক্ষাভাগনিস্দস্দিনো। রক্ষণার মন্ সামলকাশ্বিক্টঃ পুথি স্টেদ্র প্যক্ত ছাং। স্যুদ্ধঃ ক্বচী ওড়্গী চাপবাপ্ধরে। যুবা। যুক্**সনোরপঞ্চাম্নি গুনিঃ** गाष्ट्र मत्रक्षकः। व्यञ्जञ्जन्तिः। त्य शृष्टाज्ञा शक्ष्प्रक्षकः। **गार्यत्राच्या भक्ष्यांको नगात्रो**

त्रामशस्ता। त्राह्मा श्रामात्रथिः भूटता नाम्नाम्हण्डा वनी काक्ष्यः भूक्षः भूषः क्रोमानात्रे স্বৃত্যঃ। রেদাভ:বেদো যজেশঃ পুরাণঃ পুরুঘোত্মঃ। জনানকীবয়ভঃ আমিমানপ্রমেয়পরাক্ষয়ঃ।

দক্তিণ লক্ষণে ংছীবামে চভান্কী ভভান্ পুরভো মাকভিদ্সাত নমামি কৃত্তময়। আমাণকামণ-১৩৪।রং দীতারং সর্বসম্পদাং। ওবাতিরামং আনুরামং ভূরে। ভূরে। নমামাত্ত। (এতানি মুম্ সামানি महरका ६: नमा घटत्र.। जन्माम्यान्तः श्रुताः न द्वारक्षांट म न्यायः।। विकि भष्मेशाप्तं प्रमान् কৃতে। ভগব্য ধকে।শিকপ্রীতং ব্রুপ্ত। "ম্প্রুং জীলাম্ব্রতং সমাধ্য।।

অম্মোবাচ। শিরে। ম পাতু মার্জনঃ ক্পালং রোলিনীপ্ডিঃ ? মুখমলারক: শাস্তু কঠক শনিনক্ষাঃ। অংথ নবগ্ৰহক্ৰচম

চাতে . ফুক্বৎসা চয়া নারী কাকবদ্ধাা চ বা ভাতেবং। জীবে৭ংসা পুতাবভী ভব্ভোব ন সংশয়ঃ।

हेि कामाल नर्मककविर गमा थरे।

হি**তি**শুজনুৰ আমুডিন। যঃ কেন্টে ধাৰ্টে মিডিন: উজ্জিনি জায়ুটেত। পঠনাৎ কৰ্চশুভি সৰ্পাণণৎ আমু পুতী যুদ্ধ চ বিজাগে। ভাবেং! রোগাংশ এমুচাছে রাশী বদ্দে মুটোভে বন্ধনাং। জি ক লভতে নিহাং স্লা পাতৃ ৰাৱাঃ সৰ্কাশ্সমেৰ চ। তিপ্লোহটো দিশঃ পাতৃ নক্ষাণি বথুঃ স্লা। জাংশো রাশিঃ স্লা भाष्ट्र हाशान्क टेर्बाटम्बर। कास्तर शक्तर श्रद्धमृताष्ट्र भाकर शृह्वालिया भारतेय। मस्त्रिम्बर खुत्री वृक्ति क्रीयः ममा शांकु खनग्रः कृष्णमत्ताः। क्षेत्रक महिनः शांकृ किलार व्याति किन्नमनः। गांति दिक्क

সরস্তী-কোন্স।

ওঁনমঃ সুরস তৈয়ে। বুহুস্প,তিকাবটি। সুরুগুটীং নমাজামি তেজনাং কদিসংফিডাং। কঠিছাং পায়ুয়োন নিছাং হী' হী' কাং লিয়াং শুভাং। মতিদাং বর্গাইকব্সক্রমক্রপ্রদাং। কেশবক্স হিলাংুদ্বীং শীশহন্তাং মরঞালাং এ এ মহাব্রিয়া নিত্যাং কুষ্তিশ্বংসকারিণীং স্থাকাশাং নিরাল্যানজানাভিন্তিরা- জোত্রগানেল ৰে ভক্তা মাং অংবক্তি সদালয়। তে লভক্তে পরং আধানং মমত্লাপরাক্তমং। বিস্থাৎ

প্ৰযতে। ভূজ। বিজিদং পঠতে সদা। তন্য কঠে সদাবাদং করিয়ামি ন নংশয়ঃ। ইতি বৃহস্পতিবির-

हिकः मन्नम्बीरकायः नमाधः । कं छदम् ।

षात्रा भाष्रग्रीमाणविद्याष्ट्रभ्यष्यम् अस्य अविनीधजीष्ट्राटम्बन्द्रम् । बन्धमाणविद्याष्ट्रम विजि-প্রোগঃ। ত ষ্ব হছ কেতি অন্দ্রিং বিদোবিস্থাং পশাজি ধীরাঃ অ্মনদো বা গায়তি ছং অন্দশাপাৎ বিষ্কুল कवा विनिधेमाणविष्याक्रमञ्जा विनिधं विविधित्ता एनवका विनिधेमाणविष्याक्रम विनिधिश्मः। के गायजानार भी कात्र ।

करिकारिङ्ग्र वजा दक्षकािङ्ग्रः चित्रः चित्रकः विश्वित्रः विश्वित्रिक्षः मंत्रिज्ञ एः दिम्हिमाणा । दिशुक्ता ज्वा हिंदिषापिकमाणिदियाजनमञ्जन दिमापिक विष-माम्ना (म्वका বিশামিতশাশবিংমাচনে বিনিয়েশিঃ। ও জাহে। দেবি মহাদেবি দিবে। স**ে**। সৱ**ৰভি**। **জলৱে** भमरत टैंडन बक्दायानि नरमार्थ (छ। शार्त वर विश्वामितमाना विमुक्त क्या।

मभावजाइ विक्रु त्स्था बम्

তমাদিং ভল ন্থসারণা। ১ । দিব্যানুতার্থং ম্থিতে মহাকৌ দেবাস্ট্রক্কিকমান্দ্রট্লাঃ। ভ্রেম্ শাদার বেলঃ সকলাঃ সম্দ্রারিহত। শব্দ রিপুমভূদেএং। দকাঃ পুরা বেল পিতামছার বিজুৎ দক্ষাধাতে। যেন সমুদ্ ভাত্তমাদিনোকং শ্বং প্ৰণদে। । ভক্তানিভকক্ষ্মা থিয়। য**ে শুন্ধানাক্** শিতে।বৃদিং হ:। বিপুং মুয়াণাং নিশিটভনখালৈ বিশিদ্যয়তঃ ন চ বিশ্বনামি। s। চতঃসমূত্রাভরণা হাবেগবিদ্ধিতায়াজং কুর্মাধারগতংশোরামি ॥ ২ । সমূদ্রকাঞীনরিত্তরীয়া ৰজুদ্ধরা মেককিরীটভারা।

য়ামি বিকং । ৬। স্থাল ব্যুপাং সমবাপা জন্ম বিধায় সেতু। ফলধের লাজঃ। সাক্ষেত্র যঃ সমসাক্ষকার সীভাপ্তিং ডং অংগ্ৰামি ভকো।।।। হলেন স্কান্নুপতীন নিহত। চকার চুণং মুবলঅংহাকৈঃ। শুরিকী ভাষার লালং চরণকা বকা। একস্য নানাস্ত পদং মুরাণাং তিবিজামং স্বিপ্তং নহামি । ৫ । -তিসপ্তবারং নুপ্তিং নিচতা হস্তাপণং রক্ময়ং পিত্তাঃ। চক্র দেপ্তর্লেন স্মাক্তমাদিশুরং আংশ-

যঃ কৃষ্ণাস্থাণ দিল বলং বলীয়ান্ ভতলো ভত্তে তেল ভত্তবামং ॥ ৮ ॥ পুলাস্থাণ বিস্থান্ধ বিভেছেং সভাষয়ং-

ঞ্ভীনামস্তৃৎ অরামি।১২। শ্রীণ্ডেরভারা জ্ঞা কসন্নাথং কগুলুরং। ধ্রাণ্কাম্যোক্রাম্থিটো শ্বীবয়চিছাংশং । চকার যঃ শালুমমোব্দলং ভং মূলাভূতং প্রণ্ডোহনিল বুজং । ➤ । কলাব্দানে নিথিবৈলঃ বিষ্দ্ৰীড়ে । ১১। কীরাসুধো শোবাব শণত রে শ্রানমন্তংশাতিবভাং। উৎস্তানে শাসুকন সুদাভানাপা পুক্ৰোভ্ৰণ। ১৩। ইতি তল্পারেশিক দশ্বতারবিষ্ণস্তব: সমাধঃ।

लक्षीट्र वर

কুকে তথা ভব মরি ফ্রিরা। ঈশ্বী ক্যলা লক্ষীশচনা ভূতিহ্রিথিয়া। পদাপদালয়াসম্পদ্জৈত 🌉 পল্লধারিশী। স্থান লৈতানি নামানি ললীং সংগ্ৰচ্চ যঃ পঠেও। স্থিয়া ললীভিবেতস্য প্ৰদারাদিভিঃ अन्यमानदेश क्षेत्रक छेवा । टिक्समाकाश्विष्ठ क्षित्र क्याल विक्षवन्न छ। वधा घः श्रीकृत

मह। इज्लिम्बीस्कादाः मम्बिम्। १६ छदम्द।

क नत्मा मधुम्मनात्र। अमिलिकानमार्या शाशाकीरर्यन विविद्धिकः। कानानित्याः कानानित्राः द्यानिषात्रः शृष्क् शृथक् । "गर्धवाटन बरुष्ट्यः वाहि याः यमुष्युमन ॥ ७॥ एकन टमव क्रेणद्राशिय बानात्षे ্ঞাহি নাং মুহুস্দন। ১। ন পতির্বিদ্যতে নাথ জ্যেবশরণং যম। পাণণজে নিমগোহসি আহি মাং মুস্দন। ২। মোহিভোমোহজালেন পুজনারগৃহাদিত্। জ্ফরা পীডামানোহস্মি তাহি মাং মধুস্দন। ০। अरिक्शिया शैरिमरताप्रवाध का त्यन कृत्या न ताक्ष्यि जाहि यह मधुष्टमन ॥ ८॥ वहत्या कि मध्रा हुई। हास्क्रकीमक मीनक कृथरमाकाकृतः ब्राट्टा। ज्यनात्मत्रमनाथक, बाक्टि माः सपुर्मन । । शजागरक्र मधुष्टमनत्छ। जर

আছি মাং মধুহদন ॥ ১০ ॥ বাচয়ামি ব্ৰোল্ডঃ প্ৰলপামি তবাপ্তঃ। জ্বাম্বণভীতোহ্সি লাহি মাং তৎপাণাজিত্-মগোছবিষ জাহি মাং মধুস্দন ॥৮॥ স্কুলতং ন কুতং কি কিছ জুতঞ্ময়। কুতং। সংস্তিঘোরে ম্গোচ্পি জাহি মাং মগুল্দন। ১। দেহতিরসহলের চালোভা—আমিতে। মগা। তিধাক্তং মাছ্বজ্ঞ হতপর্যলং । ছাঙা্বিপ্রিলাঘাং তাছি মাং মধ্তদন। ৭ ঃ বাচা হত অভিজ্ঞাত । কম্বা ্নাপ্শাদিকং

উত্ধাতাল্যত্ত্যু ব্যাঞ্ লোকজগত্তয়। ষ্টশাক্রণ শ্রং নাজি বাফ্দেবেন ভাষিতং।১৪। ১৯% হাদশাক্ষরং মহামন্ত্র সর্কনামন্তর্পতঃ। গ্র্বাসনিব্দেস শুকেন প্রিভাষিতং॥১৫। ডাদশাক্ষরং মুসুস্দন । ১১ । বতা যতা চ জাতোহু সি গুরুবা পুরুষেত্ত । ততা তরাচনা ভকিলাহি মাং মধুস্দন ॥ ১২ । গাজা গাঙ় নিবভিজে চলস্থী। দহেয়া এহাঃ। আৰস্পিন নিবভজে ভাদশাকংরচিজকো: ॥ ১৩ ॥ নিরাছারোয়: পঠেৎ হরিবাসরে। দ পচ্চেইজ্ফবং ছানং গত্র বোগেশবো ছরি:।১৬॥ ইতি আজিক-८मर्गिष्मा किंग मध्यम् मन्दर्भान-८क्षां जर्भाक्षः ।

যুদ্ধায়কেং জাননীগগৈধ্ধদণি ন স্পৃষ্টং স্থস্দ্বান্ধবৈ-ধনিশন্পা্ষ্দুগজনলিপ্তিতে তৈঃ অৰ্থাতে আমিরিঃ। আছে নামা ডদীদৃশং বপুরহো সীক্রিরডে পৌক্ষং মং ভাবৎ করুণাপরাগণপা মাডাসি ভাগীরথি। ১। मनाभ का कार्यायायकार स्थापन

অচ্যভচরণতর্দিপি গংক শ্লিশেণ্ডরমৌলিমালডিমালে। ডম্নিভরণ্নময়ে দেয়া ছরত। ন মে সিইলঃ সাধং দিবি দিবিযদঃ সাধ্যপাইতাক হজা, মাতগলৈ যদব্ধি তব পাছ্রাসীৎ প্রোহঃ। ৩। প্রো ছি গাৃকং ভাদভামিহাক, পুনন্তাকং যদি চাপি চাকং। ক্রে রথাকং শগ্নে ভ্রুজ, যানে বিহকং চরথে ই বিজ্য। ২। শুসী ভুডা শমননগরী নীরবা রেগরবাদ্যা, ধাভায়াতৈঃ প্রিভিদিনমহো ভেদামানা বিমানাঃ।

ধায়শ ধতাঃ কৃতি। কিঞ ত্ঞ কৃতি ত্রিবোক্জনানি বৃদং বারিপ্রোদ্রে, মভাজ্যুক্দ্ধকং সমূদ্রত্য-টককমাদায় ষৎ ।ধ। ফুতো বাণী বীচিন্তৰ যুদি গভাগ লোচনপথং দুমানীভাপীভাষরপুরনিবাসং বিভয়সি। নগুদি মুরাগাভিনিবহা, — আছে। মাতর্গে কিমিছ চিষ্টিতং তে বিজয়তে। ৭। স্থরগুমি মুনিকত্তে তারজেঃ চু গাঞ্ছ । ৪। কভাক্ষীণি করোটাঃ কতি কতি ঘুপি দিপশাং ছচঃ, কাকোলাঃ কতি পদ্নগাঃ কতি সুধা হুত্ৎসঙ্গে গলে যদি পত্তি কায়তত্ত্তাং তদা মাতঃ শাত্কত্বপদলাভোহপাতিলঘুঃ। ७। ঘমজো লোকানামখিলগুরিভান্যের দহসি প্রগন্নী নির্মানামণি রূমুদি সংশ্লোপ্রিগভান। ময়ং **দা**ভা বিষ্ণো**র্জ-**পুণ্যবন্ধং স ভরতি নিজপুথৈ।ততত কিছে মহলং। যদি চ গতি বিহীনং ভারদেঃ পাশিনং মাং ভদিহ ভৰ मस्पा स्मार्थः मर्षः । ৮।

क्छि शक्तिकरकात्रम् ममाश्रम्।





क्टबी, माध्याम-मस्तिष्ठम, मस्मिटिम, मारिमोध्याम, ममिलिखामि । बेर । बटम, मयावक्षा, नियाक, मीलमस्, में व्यवप्रकारत,—नगवका, कर्नन, जित्तरी क छात्रिकी मध्ता, जिन्हा कांमा भूकाणि । ८० । २६८६, मास्याकः स्वाह्माचि, बन्हायमाणि । ४०। ०८४, मनावया वासकात ६ जरुनाविमेश कर्षाणि । ४०। रमी-क्षांत्रमध्ये, मांबराह्ण, हिस्-मंदर्श्यांणा ट्यांत्र अप्रव्यवाथ भूत्रियपत्र निक्षे सांगा काम, त्मान, प्रश्क्यहामि। है। अर्ड, श्वकीत आशिष्ड नावशा । क्रम नह कानी श्वामि। है। राष्ट्र, प्रतिकास, क्षमक्षीयी, काश्चिक, क्षमध्यी क श्वरीश्रमाणि १४-। ४८म, क्ष्यविश्वतिका क बावका मेर कुणीं ककारकामाति । । । शास्त्रीत करहे। कत्र नहस्र नाम ७ व्यवधानि ० व्यामा । विकीत मध्यत्रन ८९१-व्यामा अपम कामा । जाना । जे विक्रीम काम ८० माना । हैए। तम् भर कहान हिन्दिनाम नदर्भा नदर्भा है पुरुष न्यक्षत्रम्रकेन्न "हिन्यू-मध्कर्यमाना ।" क्रमाम नामीय सुटक्क जामाय जिक्छ गां छत्र। यात्र।





नव्य छोत्र

विक्र मानका क क्षितिकृत्य मिका मह श्रह्मातामानि क्षाम्ममा धन् वहूक-टेड्यवखवामि त्रम्ति श्रुक

मिकाका। त्माह,--द्राह्माना,--नानगाए, ठड्टणाठि दृहेट अकाभिक नित्रमात्रांता भूकाणांत श्रीमृक्त धात्रकामाथ विमात्रक र श्रीमृक्त मध्यामाथ आगम्यथ्याच माजित्र छो।।विसे कर्डक অভিতি মহাশয়গণ বারা সংশোধিত।

वज्ञाहमगत, - गानगाइ। 'रिम्-मदक्ष्यांना" त्यात्म क्रिन्तिकृत्त तह बात्रा बुक्षिक

MA 5002 1 MIR 25TH 1

CATTOR OF A ST

AN 14. ER MINI